वार्षिक प्रतिवेदन

2008-2009

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110 085

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित

वार्षिक प्रतिवेदन

2008-2009

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुल-सचिव,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

		पृष्ठ
1.	**पर्यवलोकन**	**5-8**
1.1	संस्था	
1.2	भूमिका एवं कार्य	
1.3	कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप	
1.4	अध्यापन	
1.5	शिक्षक-प्रशिक्षण	
1.6	शोध	
1.7	आंतरिक छात्रवृत्ति	
1.8	प्रकाशन	
1.9	दूरदर्शन प्रसारण	
1.10	यू.जी.सी. द्वारा पुनरीक्षण	
2.	**2008-2009 के दौरान प्रमुख उपलब्धियाँ**	**9**
3.	**संरचना एवं क्रियाकलाप**	**10-14**
4.	**अनुभाग**	**15-29**
4.1	शैक्षणिक अनुभाग	15
4.2	शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	15
4.3	पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग	18
4.4	परीक्षा अनुभाग	23
4.5	प्रशासन अनुभाग	25
4.6	वित्त अनुभाग	25
4.7	योजना अनुभाग	26
4.8	पुस्तकालय एवं विक्रय इकाई	29
5.	**परिसर**	**30-53**
5.1	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	31
5.2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)	34
5.3	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	36
5.4	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	37
5.5	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	40
5.6	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	42
5.7	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)	44
5.8	गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश)	49
5.9	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	51
5.10	के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	52
6.	**योजनाएँ**	**54-62**
6.1	संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं तथा पाठशालाओं को वित्तीय सहायता	54
6.2	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्-स्पर्धा	56

6.3	शास्त्रचूडामणि योजना	57
6.4	व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना	58
6.5	संस्कृत शब्दकोश परियोजना	58
6.6	संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान प्रमाण-पत्र प्रदान करने की योजना	58
6.7	संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना	59
6.8	ग्रन्थ क्रय योजना	60
6.9	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना	60
6.10	शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना	61
6.11	असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान-राशि देने की योजना	62
7.	**वर्ष 2008-09 की प्रमुख गतिविधियाँ**	**63-88**
7.1	मानाभिषेक समारोह	63
7.2	श्री शंकर भगवत्पादजयन्ती उत्सव	64
7.3	संस्कृत सप्ताहोत्सव	65
7.4	हिन्दी पखवाड़ा	68
7.5	महामहोपाध्याय गोपीनाथ कविराज स्मारक व्याख्यान	68
7.6	महामहोपाध्याय मधुसूदन ओझा स्मारक व्याख्यान	68
7.7	स्थापना दिवस	69
7.8	कौमुदीमहोत्सव	69
7.9	युवा-महोत्सव	75
7.10	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा	81
7.11	राष्ट्रीय संस्कृत नाट्योत्सव- रंगप्रयोग महोत्सव	82
7.12	स्मृति व्याख्यान माला	86
7.13	अखिल भारतीय संस्कृत कवि सम्मेलन	86
8.	**संलग्नक**	**89-147**
	क. प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों की सूची	89
	ख. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची	90
	ग. संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण	91
	घ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण	100
	ङ. सम्बद्ध संस्थाएँ	103
	च. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें	111
	छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय	114
	ज. मुख्यालय में अनुभागवार कार्यरत स्टाफ संख्या	120
	झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण	122
	ञ. वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण	123
	ट. प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण	124
	ठ. वार्षिक अनुदान प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण	125
	ड. वर्ष 2008-09 की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट तथा लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखे	127

1. पर्यवलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसके बाद संस्थान) की संस्थापना अक्टूबर, 1970 में, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपनी संकल्पना से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्णरूपेण निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के प्रतिरक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु, 1956 में भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग के विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक स्वायत्त निकाय भूमिका अपनाई है।

संस्थान के पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में योगदान, इसके श्रेष्ठ प्रकाशनों और इसके द्वारा 50,000 से भी अधिक दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के संरक्षण तथा प्रबन्धन को महत्त्व देते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से प्रभावी, मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण, विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. संस्कृत विद्या की सभी विधाओं में शोध का आरम्भ, अनुदान, प्रोत्साहन तथा संयोजन करना है, साथ-साथ शिक्षक-प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपि विज्ञान आदि को भी संरक्षण देना है जिससे पाठमूलक प्रासंगिक विषयों के साथ आधुनिक शोध के निष्कर्ष का सम्बन्ध स्पष्ट किया जा सके तथा इनका प्रकाशन हो सके।

ii. देश के विविध भागों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, अधिग्रहण तथा संचालन करना एवं समान उद्देश्यों वाली अन्य संस्थाओं को संस्थान से संबद्ध करना।

iii. केन्द्रीय प्रशासनिक निकाय के रूप में इसके द्वारा स्थापित अथवा अधिगृहीत समस्त केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों का प्रबंधन तथा उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में अधिकाधिक प्रभावी सहयोग करना जिससे विशिष्ट क्षेत्रों में विद्यापीठों के बीच कर्मचारियों, छात्रों व शोध तथा राष्ट्रीय कार्य-विभाजन के अन्तर्विनिमय और स्थानान्तरण को सुसाध्य एवं तर्कसंगत बनाया जा सके।

iv. संस्कृत के संवर्धनार्थ भारत सरकार के केन्द्रीय अभिकरण के रूप में उनकी नीतियों एवं योजनाओं को लागू करना।

v. उन शैक्षणिक शाखाओं में अनुदेश एवं प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना जिन्हें संस्थान उचित समझता हो।

vi. शोध एवं ज्ञान के प्रसार हेतु समुचित मार्गदर्शन एवं व्यवस्था करना।

vii. अतिरिक्त प्राचीर अध्ययन, विस्तारित कार्यक्रम तथा सम्बन्धित दूरस्थ क्रिया-कलापों का उत्तरदायित्व लेकर समाज के विकास को योगदान देना।

viii. इनके अतिरिक्त उन सभी उत्तरदायित्वों एवं कार्यों का निष्पादन करना जो संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक या वांछित हों।

ix. पालि एवं प्राकृत भाषाओं को प्रोत्साहन देना।

1.3 कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक अर्थात् शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विज़िटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत, पालि तथा प्राकृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने दस परिसरों में, संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है। विद्यालय स्तर पर संस्थान अंग्रेजी, हिन्दी तथा अन्य आधुनिक विषय जैसे इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, गृहविज्ञान और गणित आदि के लिए सी.बी.एस.ई. के पाठ्यक्रमों का अनुसरण करता है। शास्त्री-स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी जैसे आधुनिक विषयों के लिए सामान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का अनुसरण किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं। सभी परिसरों में संस्कृत शिक्षा की आधुनिक प्रणाली के छात्रों को परम्परागत प्रणाली में सम्मिलित होने की सुविधा देने हेतु प्राक्शास्त्री नामक + 2 स्तर का द्विवर्षीय मध्यवर्ती पाठ्यक्रम है।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण :

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन जयपुर परिसर में किया जाता है।

1.6 शोध :

गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, कुछ चयनित शाखाओं में मात्र शोध-गतिविधियों हेतु पूर्ण समर्पित है। हालांकि, सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

1.7 आन्तरिक छात्रवृत्ति :

छात्रों को संस्कृत शिक्षण के साथ-साथ संस्कृत की विविध विधाओं में गहन अध्ययन हेतु आकर्षित तथा प्रोत्साहित करने की दृष्टि से संस्थान अपने परिसरों में सभी पाठ्यक्रमों तथा शोध के लिए योग्य छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति क्रम से 300 रुपये, 400 रुपये, 400 रुपये तथा 500 रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे विद्वानों को 1500 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 2000 रुपये वार्षिक निरंतरता अनुदान भी दिया जाता है। निम्नलिखित तालिका वर्ष 2008-09 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		विद्या-वारिधि	शिक्षा आचार्य
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II		
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	04	–
2.	श्री सदाशिव परिसर पुरी	30	27	50	49	49	50	126	86	13	–
3.	श्री रणवीर परिसर जम्मु	24	06	27	05	06	63	19	23	–	–
4.	गुरुवायूर परिसर त्रिचुर	21	29	46	31	32	50	40	16	01	–
5.	जयपुर परिसर जयपुर	30	30	60	60	60	50	55	54	–	13
6.	लखनऊ परिसर लखनऊ	10	03	08	12	18	50	18	20	07	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर शृंगेरी	26	23	30	25	29	50	29	32	02	–
8.	गरली परिसर गरली	37	51	60	60	60	–	39	45	01	–
9.	भोपाल परिसर भोपाल	03	05	15	11	09	48	18	07	11	–
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर मुम्बई	00	03	04	06	02	34	04	01	–	–
योग		**181**	**177**	**300**	**259**	**265**	**395**	**348**	**284**	**39**	**13**
							कुल योग - 2261				

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	181	122	59	10	05	09
प्राक् शास्त्री-II	177	100	77	22	03	18
शास्त्री-I	300	172	128	22	06	48
शास्त्री-II	259	163	96	24	08	34
शास्त्री-III	265	175	90	10	04	45

कक्षा	कुल योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
शिक्षा शास्त्री	395	282	113	26	09	48
आचार्य-I	348	161	187	09	02	70
आचार्य-II	284	147	137	08	08	27
शिक्षा आचार्य	13	11	02	-	-	01
विद्यावारिधि	39	36	03	-	-	03
कुल योग	**2261**	**1369**	**892**	**131**	**45**	**303**

1.8 प्रकाशन :

शोध पत्रिकाएँ –

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान 'संस्कृत विमर्श:' और 'गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद पत्रिका' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएं भी प्रकाशित की जाती हैं।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा उच्च स्तरीय प्रकाशनों का नियमित प्रकाशन हो रहा है।

1.9 दूरदर्शन प्रसारण :

दूरदर्शन के माध्यम से संस्कृत अध्ययन कार्यक्रम पहले ही आरम्भ किया जा चुका है और यह कार्यक्रम इग्नु के 'ज्ञान दर्शन' चैनल पर प्रतिदिन दिखाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के 732 कथानक दिखाए जा चुके हैं। प्रसार भारती के डी.डी. भारती तथा डी.डी. इण्डिया भी इस कार्यक्रम को सप्ताह में तीन बार प्रसारित करते हैं। यह कार्यक्रम, लोगों को बहुलता से अपनी ओर आकर्षित कर रहा है और संस्थान को प्रशंसा मिल रही है।

इस वर्ष डी.डी. भारती तथा डी.डी. इण्डिया के माध्यम से 156 कथानक प्रसारित किए जा चुके हैं।

1.10 यू.जी.सी. द्वारा पुनरीक्षण

यू.जी.सी. की विशेषज्ञ समिति द्वारा मानित विश्वविद्यालय की स्थिति के और आगे विस्तार हेतु संस्थान का मानित विश्वविद्यालय के रूप में पुनरीक्षण किया गया। समिति ने संस्थान की मानित विश्वविद्यालय की स्थिति के और आगे पाँच वर्ष की अवधि तक विस्तार की संस्तुति की। यू.जी.सी. तथा बाद में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय ने आगामी पाँच वर्षों हेतु संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की स्थिति प्रदान की है। यू.जी.सी. समिति ने संस्कृत शिक्षण के प्रोत्साहन की दिशा में संस्थान के प्रयासों की सराहना की है।

2. 2008-2009 के दौरान प्रमुख उपलब्धियाँ

मानित विश्वविद्यालय के रूप में क्रियाकलाप

- यू.जी.सी के निर्देशक सिद्धान्तों के अनुसार शोध हेतु परिशोधित नियम अंगीकृत।
- आगामी सत्र से आरम्भ करने हेतु रुचि आधारित ऋण प्रणाली, आन्तरिक मूल्यांकन व सत्र पद्धति के नियम एवं पाठ्यक्रम स्वीकृत। नए पाठ्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई है।
- 9 नये प्रकाशन प्रकाशित किये गये।
- 3 पुनर्मुद्रण संस्करण निकाले गये।
- कौमुदीमहोत्सव में 13 संस्कृत नाटकों का मंचन हुआ।
- तीन विशिष्ट स्मारक व्याख्यान आयोजित किये गये।
- अखिल भारतीय संस्कृत रंगप्रयोग महोत्सव में विख्यात नाट्यदलों ने संस्कृत नाटक प्रदर्शित किये।
- संस्कृत विमर्शः (नूतन माला) शोध पत्रिका के प्रथम खंड का विमोचन हुआ।
- सम्बन्धित अध्ययन बोर्डों की बैठकों के आयोजन से सभी विषयों के पाठ्यक्रमों को संशोधित किया गया।
- 14385 छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित किये गये।
- 36 छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई।
- 3566 छात्रों का संस्थान परिसरों में दाखिला हुआ।

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत क्रियाकलाप

- 20900 छात्रों को शोध व उच्चमाध्यमिकोत्तर योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- संस्कृत ग्रन्थ क्रय योजना के अधीन 328 शीर्षकों का थोक क्रय हुआ।
- संस्कृत साहित्य प्रकाशन योजना के अन्तर्गत प्रकाशकों/विद्वानों ने 12 प्रकाशन प्रकाशित किये।
- स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत 746 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 1583 शिक्षकों को स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- 8543 छात्रों को स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अधीन छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- आधुनिक शिक्षकों हेतु 90 संस्थाओं/संस्कृत पाठशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- आधुनिक संस्कृत पाठशालाओं की विकास योजना के अन्तर्गत 159 शिक्षकों को समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा में 2008-09 शास्त्र शलाका परीक्षा का आयोजन किया गया।
- 29719 छात्रों को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मौखिक (स्पोकन) संस्कृत में प्रशिक्षित किया गया।

3. संरचना एवं क्रियाकलाप

मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान का पदेन प्रधान होता है। वर्ष के दौरान, **माननीय श्री अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाध्यक्ष रहे।** कुलपति प्रधान कार्यपालक अधिकारी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकारियों के निर्णयों को लागू करते हैं। इस वर्ष के दौरान प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, डॉ. अनिता भटनागर जैन तथा प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी क्रमशः 11 मई, 2008 तक, 23 मई से 13अगस्त, 2008 तक और 14 अगस्त, 2008 से आगे कुलपति के पद पर आसीन रहे। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकारी हैं:

1. **प्रबन्ध मण्डल**–संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। नीति-निर्णयों तथा निर्णयों के कार्यन्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **योजना तथा परिवीक्षण परिषद्**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।
4. **वित्त समिति**-प्रबन्ध मण्डल के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2008-09 में संस्थान के प्राधिकारियों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठकों की संख्या
प्रबन्ध मण्डल	3
वित्त समिति	3
शैक्षिक परिषद्	1
सहायता अनुदान समिति	2
परीक्षा मण्डल	1
शोध मण्डल	1
छात्रवृत्ति चयन समिति	1
प्रकाशन समिति	2
योजना तथा पर्यवीक्षण मण्डल	–

प्रबन्ध मण्डल तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः संलग्नक 'क' व 'ख' में दिया गया है। अपने समृद्ध पुस्तकालय के अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान निम्नलिखित प्रमुख अनुभागों के माध्यम से कार्य करता है–

1. शैक्षणिक अनुभाग
2. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
3. पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. प्रशासन अनुभाग
6. वित्त अनुभाग
7. योजना अनुभाग

1. शैक्षणिक अनुभाग

यह एकक शैक्षिक कार्यों के निष्पादन हेतु मानक-निर्धारण, शैक्षिक-कार्यक्रमों के कैलेंडर निर्माण तथा विविध पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रमुखतया उत्तरदायी है।

2. शोध तथा प्रकाशन अनुभाग

यह एकक संस्थान के विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन तथा अंगीभूत परिसरों के शोध तथा प्रकाशन गतिविधियों के समन्वयन, शोध तथा प्रकाशन कार्यक्रमों और संस्थान के परियोजनाओं के समन्वय से सम्बद्ध है। यह संस्कृत साहित्य के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता तथा पुस्तकों के थोक क्रय जैसी योजनाओं से भी सम्बद्ध है।

3. पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

यह एकक पत्राचार पाठ्यक्रमों की व्यवस्था हेतु उत्तरदायी है। ये पाठ्यक्रम दो स्तरों पर दिये जाते हैं और यह अनुभाग अखिल भारत में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का भी प्रबन्ध करता है तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण हेतु पाठ्यसामग्री का निर्माण करता है।

पत्राचार पाठ्यक्रम निम्नलिखित प्रदान करता है :

क. संस्कृत के प्रथम वर्ष में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम)

ख. संस्कृत के द्वितीय वर्ष में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम)

स्वाध्याय के आरम्भ स्तर से प्रारंभ कर, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा अनुभाग पञ्चस्तरीय पाठ्य-सामग्री प्रस्तुत करता है। संस्कृत अध्ययन से प्रेम करने वाला समाज का कोई भी वर्ग इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो सकता है। इसके अतिरिक्त, इस खण्ड ने प्रशिक्षक-प्रशिक्षण, संस्कृत स्वाध्याय योजना एवं दूरस्थ शिक्षा के कार्यक्रमों को सम्भाला।

4. परीक्षा अनुभाग :

परीक्षा अनुभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों हेतु वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है :

प्रथमा	(कक्षा आठ)
पूर्वमध्यमा	(कक्षा दस)
उत्तरमध्यमा	(कक्षा बारह)
प्राक्शास्त्री	(कक्षा बारह)
शास्त्री	(बी.ए.)
शिक्षाशास्त्री	(बी.एड.)
आचार्य	(एम.ए.)
शिक्षाचार्य	(एम.एड.)

परीक्षा अनुभाग के माध्यम से, संस्थान द्वारा शिक्षा-शास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रतिवर्ष एक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा का संचालन किया जाता है। इसे पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा (पी.एस.एस.टी.) के नाम से

जाना जाता है। विद्यावारिधि (पी. एच. डी.) कार्यक्रम में पंजीकरण हेतु पूर्व-शोध परीक्षा ली जाती है।

परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्रों को शोध उपाधि विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) से पुरस्कृत करने हेतु यह शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन तथा मौखिक परीक्षा की भी व्यवस्था करता है।

5. प्रशासन अनुभाग :

प्रशासन अनुभाग संस्थान और उसके अंगीभूत परिसरों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है। यह नियुक्तियों, पदस्थापनों, स्थानान्तरणों तथा अन्य स्थापना सम्बन्धी कार्यों की योजना भी बनाता है। साथ ही यह परिसरों के प्रशासन पर भी पूर्ण रूप से नियन्त्रण रखता है।

6. वित्त अनुभाग :

यह अनुभाग बजट का विवरण, अनुदान का वितरण, वित्तीय व्यवस्था तथा वार्षिक लेखा-जोखा आदि तैयार करता है। यह भविष्य निधियों का भी प्रबन्धन करता है और छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों के संवितरण की व्यवस्था करता है।

7. योजना अनुभाग :

यह अनुभाग स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति, विभिन्न संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना, संस्कृत विकास योजना के अन्तर्गत परम्परागत एवं राजकीय विद्यालयों में संस्कृत व आधुनिक विषयों के शिक्षक उपलब्ध कराने हेतु तथा विश्वविद्यालयों/एन.जी. ओ. को विभिन्न परियोजनाओं हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना, भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को आर्थिक अनुदान देना, आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों और संस्कृत शब्दकोश परियोजना को वित्तीय सहायता प्रदान करना जैसी विभिन्न योजनाओं के उचित कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है। यह अनुभाग संस्कृत के पारम्परिक छात्रों के लिए अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के आयोजन हेतु भी उत्तरदायी है।

8. परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है–

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, उड़ीसा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	तुंगेरी, कर्नाटक
8.	गरली परिसर	गरली, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र

इन सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। ये निम्नांकित पाठ्यक्रमों हेतु निर्देशन कार्य करते हैं। केवल इलाहाबाद परिसर में शोध कार्यक्रम का संचालन होता है –

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	शिक्षा आचार्य	एम.एड.
6.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.

बी.एड. कार्यक्रम का संचालन पुरी, जम्मू, जयपुर, लखनऊ, शृंगेरी, भोपाल, गुरुवायूर और मुम्बई परिसरों में किया जाता है। जयपुर परिसर में शिक्षा आचार्य कार्यक्रम संचालित किया जाता है। शैक्षिक सत्र का प्रारम्भ प्रतिवर्ष जुलाई में, छात्रों के विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के साथ होता है। निम्नलिखित तालिका से वर्ष 2008-09 में परिसरों में प्रति-कक्षा प्रवेश का पता चलता है–

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		विद्या-वारिधि	शिक्षा आचार्य
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II	-	-
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	18	–
2.	श्री सदाशिव परिसर पुरी	60	52	62	57	49	98	167	143	–	–
3.	श्री रणवीर परिसर जम्मु	42	46	69	36	45	121	30	26	03	–
4.	गुरुवायूर परिसर त्रिचूर	22	36	46	40	32	94	40	30	04	–
5.	जयपुर परिसर जयपुर	39	36	139	112	82	100	107	107	–	25
6.	लखनऊ परिसर लखनऊ	12	08	18	20	23	99	22	25	07	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर शृंगेरी	35	25	42	26	30	100	31	32	04	–
8.	गरली परिसर गरली	37	51	74	70	69	–	39	56	04	–
9.	भोपाल परिसर भोपाल	28	12	65	21	20	94	29	13	11	–
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर मुम्बई	00	06	05	06	02	70	05	03	02	–
योग		**275**	**272**	**520**	**388**	**352**	**776**	**470**	**435**	**53**	**25**

कुल योग - 3566

विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	275	198	77	12	06	22
प्राक् शास्त्री-II	272	172	100	23	05	32
शास्त्री-I	520	361	159	29	22	71
शास्त्री-II	388	248	140	24	09	47
शास्त्री-III	352	248	104	11	08	50
शिक्षा शास्त्री	776	584	192	65	26	98
आचार्य-I	470	257	213	26	06	83
आचार्य-II	435	238	197	12	12	56
शिक्षा आचार्य	25	20	05	01	02	13
विद्यावारिधि	53	47	06	-	-	03
कुल योग	**3566**	**2374**	**1192**	**203**	**96**	**475**

परिसरों के छात्रों ने 2008-09 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ़ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार दर्शाता है–

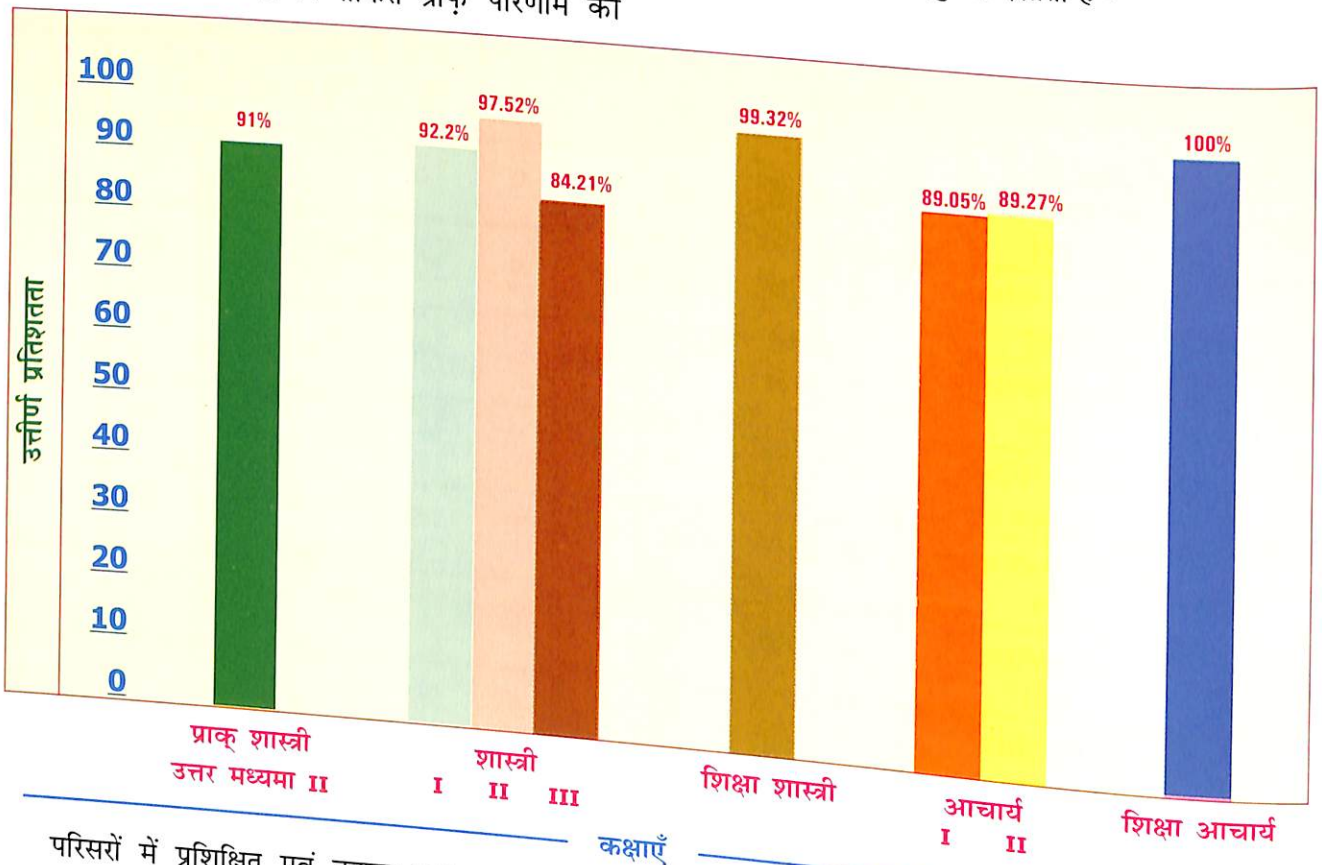

परिसरों में प्रशिक्षित एवं कुशल प्राध्यापक-वर्ग हैं। उनमें अंशकालिक शिक्षक भी रखे गए। परिसर-वार तथापि जिन विषयों में पूर्णकालिक शिक्षक उपलब्ध नहीं थे, संकाय-सदस्यों का विवरण संलग्नक-'ग' में दिया गया है।

4. अनुभाग

4.1 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :–

संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।

प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए विभिन्न विषयों की समितियों का गठन करना।

विद्वत् परिषद् की बैठक व अध्ययन परिषद् की बैठक के आयोजन का समन्वय करना और अनुवर्ती कार्रवाई करना।

यह अनुभाग शैक्षणिक कार्य-निष्पादन और शैक्षणिक कार्यक्रम के कैलेण्डर निर्माण हेतु मानकों के निर्धारण के लिए भी उत्तरदायी है।

रिपोर्ट वर्ष में विविध विषयों हेतु विभिन्न स्तरों पर पाठ्यक्रम समिति की बैठकों का अयोजन किया गया। विभिन्न विभागों के लिए अध्ययन बोर्ड का गठन किया गया तथा विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रम की समीक्षा हेतु उनकी बैठकों का भी आयोजन किया गया। शैक्षिक परिषद की बैठक मार्च 2009 में बुलाई गई एवं महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

4.2 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं : मुख्यालय और परिसरों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना और मन्त्रालय द्वारा अन्तरित योजनाओं को कार्यान्वित करना। ये निम्नलिखित हैं–

1. संस्कृत समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं के साथ संस्कृत साहित्य का सृजन।

2. संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और अप्राप्य तथा दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण।

3. पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन।

यह अनुभाग अनुदान समिति की बैठकों का समन्वयन भी करता है।

वर्ष 2008-2009 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक 16 अक्तूबर 2008 और 18 फरवरी, 2009 को बुलाई गई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के सम्पादन हेतु रु. 61,70,079/- जारी किए गए जिनसे कि उनका सम्पादन-व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न सम्पादकों ने 12 ग्रन्थों का सम्पादन किया।

इसके अतिरिक्त 18 संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष ग्रन्थ क्रय योजना का विवरण निम्नलिखित है–

आवेदकों की संख्या	153
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	673
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	328

दुर्लभ एवं अप्राप्य ग्रन्थों की पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित तीन पुनर्मुद्रण संस्करण प्रकाशित किए गए:–

1. कामसूत्र जयमंगलसहित

2. प्रत्यक्ष शरीरम्

3. सुश्रुत संहिता

उपर्युक्त के अतिरिक्त संस्थान ने अपनी प्रकाशन-माला के अधीन निम्नलिखित ग्रन्थ प्रकाशित किए:-

1. बृहद् संहिता

2. मूको रामगिरिर्भूत्वा

3. आयति:

4. काव्यमञ्जरी

5. महाभारतस्य आयुर्वेददृष्ट्या अध्ययनम्

6. व्युत्पत्तिवाद: रामरुद्रीव्याख्यासहित:

7. बीसवीं शताब्दी के संस्कृत लघु कथा साहित्य

8. पाथ ऑफ लिबरेशन

9. प्रमुख उपनिषदों के पारिभाषिक शब्द-अद्वैत वेदान्त के विशेष सन्दर्भ में।

इसके अतिरिक्त, संस्थान डायरी तथा संस्कृत वार्ता बुलेटिन भी प्रकाशित किये गए।

संस्थान के नव-गठित केन्द्रीय शोध मंडल की बैठक 5 नवम्बर 2008 को हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों में पंजीकरण के लिए 87 शोध छात्रों का अनुमोदन किया गया। शोध छात्रों के हितार्थ शोध विधि एवं हस्तलिपि-विज्ञान पर 21 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश में उनके संस्कृत विभाग के संयोजन से किया गया। संस्थान ने अपनी प्रकाशन समिति का पुनर्गठन किया जिसने अन्य शीर्षकों के साथ-साथ निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण शीर्षकों का अनुमोदन किया:-

1. रामचन्द्र गजाननकरामलकर ग्रन्थावली।

2. लोकनाथ शास्त्री ग्रन्थावली।

3. कालिदास कृत लघुस्तुति (दो टीकाओं सहित)

4. प्रो. पुष्पा दीक्षित द्वारा रचित तद्धित कोश एवं कृदन्त कोश।

5. प्राचीन भारत में शिक्षा-पद्धति।

6. अलिविलासिसंलाप:।

इन ग्रन्थों का प्रकाशन कार्य प्रगति पर है।

शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ

यह अनुभाग देश भर में छात्रवृत्तियों का संवितरण करता है। छात्रवृत्तियाँ दो प्रकार की हैं-

1. पारम्परिक पाठशालाओं के छात्रों हेतु शोध छात्रवृत्तियाँ;

2. इण्टर, बी.ए., एम.ए. और पी-एच.डी. तथा समकक्ष पारम्परिक पाठ्यक्रम जारी रखने हेतु उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ।

वर्ष 2008-2009 में छात्रवृत्ति प्रदान करने का अलग-अलग विवरण निम्नलिखित है-

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या (सामान्य)	छात्र संख्या (अनु.जा.)	छात्र संख्या (अनु.ज.जा.)	छात्रों की कुल संख्या x प्रति छात्र के हिसाब से छात्रवृत्ति की राशि	अपेक्षित वित्त (रुपये)
1.	उप-शास्त्री-I	51	--	--	51x2500	127,500.00
2.	उप-शास्त्री-II	24	5	3	32x2500	80,000.00
3.	पूर्वमध्यमा-I	1412	--	--	1412x2500	3,530,000.00
4.	पूर्वमध्यमा-II	43	--	1	44x2500	110,000.00

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या (सामान्य)	छात्र संख्या (अनु.जा.)	(अनु.ज.जा.)	छात्रों की कुल संख्या x प्रति छात्र के हिसाब से छात्रवृत्ति की राशि	अपेक्षित वित्त (रुपये)
5.	उत्तरमध्यमा-I	965	3	2	970x3000	2,910,000.00
6.	उत्तरमध्यमा-II	188	1	--	189x3000	567,000.00
7.	प्राक् शास्त्री-I	46	1	--	47x3000	141,000.00
8.	प्राक् शास्त्री-II	43	--	1	44x3000	132,000.00
9.	शास्त्री-I	4244	18	8	4270x4000	17,080,000.00
10.	शास्त्री-II	391	22	16	429x4000	1,716,000.00
11.	शास्त्री-III	116	17	6	139x4000	556,000.00
12.	आचार्य-I	915	3	1	919x5000	4,595,000.00
13.	आचार्य-II	265	2	1	268x5000	1,340,000.00
14.	ग्यारहवीं	1719	185	36	1940x3000	5,820,000.00
15.	बारहवीं	6342	199	105	6646x3000	19,938,000.00
16.	बी.ए.–I	1706	45	16	1767x4000	7,068,000.00
17.	बी.ए.–II	693	28	12	733x4000	2932,000.00
18.	बी.ए.–III	577	18	14	609x4000	2,436,000.00
19.	एम.ए.–I	197	6	3	206x5000	1,030,000.00
20.	एम.ए.–II	109	3	2	114x5000	570,000.00
21.	पी-एच.डी.	36	--	--	36x20000	720,000.00
22.	विद्यावारिधि	3	--	--	3x20000	60,000.00
23.	एम.फिल.	30	1	1	32x1500x12	5,76,000.00
	कुल	**20115**	**557**	**228**	**20900**	**7,40,34,500.00**

4.3 पत्राचार पाठ्यक्रम और अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2008-2009 के दौरान इस विभाग के माध्यम से निम्नलिखित योजनाएँ/कार्यक्रम संचालित किए :

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
2. संस्कृत स्वाध्याय योजना
3. प्रशिक्षण कार्यक्रम
   (i) प्रशिक्षक प्रशिक्षण वर्ग
   (ii) संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग
4. दूरस्थ शिक्षा
5. पत्राचार पाठ्यक्रम

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम

2008-2009 के मध्य, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा के दो चक्रों का संचालन किया गया। देशभर के 1105 केन्द्रों में लगभग 29719 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। ऐसे केन्द्रों की संख्या का राज्यवार विवरण निम्नलिखित रूप में हैं:

क्रम सं	राज्य	प्रथम चक्र	द्वितीय चक्र
1.	आन्ध्र प्रदेश	03	20
2.	बिहार+झारखण्ड	08	08
3.	दिल्ली	09	09
4.	गुजरात	11	12
5.	हरियाणा	20	20
6.	जम्मू एवं कश्मीर	09	10
7.	कर्नाटक	39	39
8.	केरल	03	03
9.	महाराष्ट्र+गोवा	–	01
10.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	68	68
11.	उड़ीसा	64	64
12.	पंजाब	03	03
13.	हिमाचल प्रदेश	09	11
14.	राजस्थान	30	30
15.	उत्तराखंड	–	20
16.	उत्तर प्रदेश	127	127
17.	पश्चिम बंगाल	22	25
18.	उत्तर पूर्व राज्य	02 अनुदान रहित	02 अनुदान रहित
	योग	103	103
	कुलयोग –	**530**	**575**
		1105	

इन केन्द्रों के अध्येताओं ने बहुत उत्साह दिखाया। छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अभियन्ताओं, बैंककर्मियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कृषकों और गृहिणियों आदि ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया।

परिणामस्वरूप, देशभर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के खुलने से लोगों ने संस्कृत एवं भारत की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान अर्जित किया है। समाज के सभी वर्गों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई द्वितीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों में संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार है। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री को श्रेष्ठ माना है। द्वितीया दीक्षा की समाप्ति पर सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कस्बों, जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। संस्कृत शिक्षकों को अति दूर के स्थानों से भी आना पड़ा। देश भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों, मदरसों और स्वैच्छिक संस्थाओं में किया गया। परिणाम अत्यन्त उत्साहवर्धक रहे।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु सम्बद्ध राज्यों से केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर, राज्यों में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों को नामित किया गया। प्रसिद्ध/महत्त्वपूर्ण संस्थाओं से सीधे प्रस्ताव प्राप्त होने पर भी संस्थान द्वारा केन्द्रों हेतु संस्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य-संयोजक (अनौ. संस्कृत शिक्षा)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्र प्रदेश	डॉ. दोर्बल प्रभाकर शर्मा, सेवा-निवृत्त प्रधानाचार्य, एस.वी.जे.वी. संस्कृत कलाशाला, म.नं. 10-12-12, कोव्वुर-534350, पश्चिम गोदावरी जिला (ए.पी.)।
2.	बिहार+झारखण्ड	डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय, प्रवक्ता, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं.-23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	दिल्ली	डॉ. पंकजा घई, प्रवक्ता, संस्कृत विभाग, लेडी श्रीराम कालेज, लाजपत नगर-IV, दिल्ली-110024.
4.	गुजरात	डॉ. एच.एम. पाण्डे, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र 15, कल्याण बाग, जूनाडोर बाजार, कंकरिया, अहमदाबाद-380028.
5.	हरियाणा	डॉ. सी.डी. सिंह कौशल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, डी-13, विद्यालय परिसर, कुरुक्षेत्र-136119.
6.	हिमाचल प्रदेश व पंजाब	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307.
7.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, ग्रा/पो. कोट भलवल, समीप सेन्ट्रल जेल, तहसील/जिला-जम्मू-181122.

8.	कर्नाटक	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, मुंगेरी-577139, जिला-चिकमंगलूर, कर्नाटक।
9.	केरल	डॉ. पी. श्रीनिवासन, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, पो. पुरानट्टुकड़ा, जिला त्रिचूर-680551 (केरल)
10.	महाराष्ट्र (विदर्भ)	प्रो. पंकज चांदे, कुलपति, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, जिला-नागपुर, महाराष्ट्र।
11.	महाराष्ट्र	डॉ. श्रीपाद भट्ट, संस्कृत विभागाध्यक्ष, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, विद्यापीठ भवन, गुलटेकरी, पुणे-411037.
12.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	प्रो. पी.एन. शास्त्री, राष्टिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, ई-7/62, अरेरा कालोनी, समीप सैन बोर्ड, भोपाल-462016 (म.प्र.)।
13.	उत्तर पूर्व राज्य	डॉ. नृपेन्द्र नाथ शर्मा, उत्तर पूर्व क्षेत्र, पंचजन्य, लक्ष्मी नगर, राधा गोविन्द बरूआ मार्ग, गुवाहाटी, असम-781005.
14.	उड़ीसा	डॉ. सुकान्त कुमार सेनापति, रीडर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी-752001 (उड़ीसा) - द्वितीय चक्र हेतु।
15.	राजस्थान	डॉ. सुदेश कुमार शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाई-पास, जयपुर-302018 (राजस्थान)।
16.	तमिलनाडु	डॉ. आर. रामचन्द्रन्, संस्कृत विभाग, रामाकृष्ण मिशन, विवेकानन्द कॉलेज, मइलापुर, चेन्नई-110004
17.	उत्तराखण्ड	डॉ. बुद्धदेव शर्मा, सचिव, संस्कृत अकादमी, रानीपुर झाल, नेशनल हाईवे, हरिद्वार, उत्तराखण्ड।
18.	उत्तर प्रदेश	डॉ. एम. चन्द्रशेखर, रीडर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ- 226010.
19.	पश्चिम बंगाल	श्री तन्मय भट्टाचार्य, रामाकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, शोध विभाग, गोल पार्क, कोलकाता-700029.

डॉ. रत्न मोहन झा, व्याख्याता, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के रूप में कार्यक्रम संयोजन का भार सौंपा गया।

कार्यशाला :

संस्थान के मुख्यालय में 3 से 5 दिसम्बर, 2008 तक एक कार्यशाला का संचालन किया गया जिससे कि अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में शिक्षणार्थ प्रथमा दीक्षा की विशिष्ट पुस्तक की रूपरेखा तैयार की जा सके। डॉ. हिन्द केसरी, प्रो. आर. देबनाथन, डॉ. जनार्दन हेगड़े, डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी, डॉ. चन्द किरण सलूजा, श्री के. वेंकटेश मूर्ति, श्री टी. महेन्द्र तथा डॉ. रत्न मोहन झा प्रभृति विद्वानों ने इस कार्यशाला में सहभागिता की।

2. संस्कृत स्वाध्याय योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने संस्कृत की स्वाध्याय सामग्री प्रकाशित करने के लिए संस्कृत स्वाध्याय योजना का कार्यभार लिया है ताकि संस्कृत-शिक्षण में रुचि रखने वाले लोगों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। विचाराधीन वर्ष के दौरान स्वाध्याय सामग्री के निर्माण में हुई प्रगति निम्न रूप में है :

प्रकाशित ग्रन्थ

1. श्रीमद्भगवदगीतासंग्रहः (खण्ड-3)-प्रकाशित।

कार्य प्रगति

1. भर्तृहरिनीतिशतकम् (खण्ड-1) - तैयार अध्ययन सामग्री की समीक्षा विशेषज्ञों द्वारा की गई।
2. भर्तृहरिनीतिशतकम् (खण्ड-2) - तैयार अध्ययन सामग्री की समीक्षा विशेषज्ञों द्वारा की गई।
3. श्रीमद्भगवद्गीतासंग्रहः (खण्ड-2)-संयोजन व पुनरीक्षण कार्य प्रगति पर है।
4. रघुवंशम् खण्ड-1-सम्पादन व संयोजन कार्य प्रगति पर है।
5. रघुवंशम् खण्ड-3-सम्पादन कार्य प्रगति पर है।
6. रघुवंशम् (खण्ड-4) सम्पादन कार्य अन्तिम चरण में है।
7. सिद्धान्त-ज्यौतिष परिचय पाठ्यक्रम (सिद्धान्त ज्यौतिष पर परिचयात्मक पाठ्यक्रम)-सम्पादन कार्य प्रगति पर है।

3. प्रशिक्षण कार्यक्रम

(i) प्रशिक्षकप्रशिक्षणवर्ग

प्रशिक्षकप्रशिक्षणवर्ग का संचालन 5-5-2008 से 10-5-2008 तक श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी में किया गया। समस्त भारत से 64 सदस्यों को इस कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया। डॉ. डी प्रभाकर शर्मा, डॉ. महाबलेश्वर भट, प्रो. आर.देवनाथन, श्री जनार्दन हेगड़े, डॉ. एच.आर. विश्वास, डॉ. वसु वज़ा, श्री विष्णु नम्बूदरी, श्री नन्द कुमार, डा. नागरत्ना हेगड़े, डॉ. शान्तला, श्रीमती सुचेता तथा डॉ. रत्न मोहन झा प्रभृति विदग्ध व्यक्तियों ने प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन किया। निधारित समय सीमा में दीक्षा मूल-पाठों के माध्यम से शिक्षण की विविध दक्षता पर परिचर्चा भी हुई।

(ii) संस्कृतशिक्षकप्रशिक्षणवर्ग

विभिन्न स्थानों पर 21 दिवसीय आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविरों का संचालन किया गया। विस्तृत वर्णन निम्नलिखित है:

स्थान	अवधि	सहभागियों की संख्या	विदग्ध व्यक्ति
पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिरम् बंगलूरु, कर्नाटक	12-05-08 से 01-06-08	20	डॉ. रमेश झा विद्वान सुधीश ओ श्री के.वि.मूर्ति श्री रामकृष्ण पेजाथया श्री के. गिरिधर राव डॉ. नागरत्ना हेगड़े डॉ. जनार्दन हेगड़े विदुषी सुचेता, विद्वान् जी. महाबलेश्वर भट प्रो. ए.हरिदास भट

स्थान	अवधि	सहभागियों की संख्या	विदग्ध व्यक्ति
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	19-05-08 से 08-06-08	60	डॉ. वाई.एस. रमेश डॉ. वि.सुब्रह्मण्यम डॉ. रघुवीर प्रसाद श्री तगसिंहराज पुरोहित स्व॰ डॉ. हिन्द केसरी प्रो. च.ल.न. शर्मा डॉ. सुदेश कुमार शर्मा डॉ. विजयपाल शास्त्री श्री कुलदीप शर्मा श्री नागेन्द्र
दक्षिणेश्वर आद्यपीठ आनंद विद्या मन्दिर, दक्षिणेश्वर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)	26-05-08 से 15-06-08	61	डॉ. एस.के.सेनापति डॉ. विष्णुनारायणतिवारी श्रीमती रमा देवी श्री नीरज कुमार डॉ. खगन भंडारी डॉ. कृतिवास मिश्र डॉ. तन्मय कुमार भट्टाचार्य डॉ. रत्नमोहन झा
ऋषि संस्कृत महाविद्यालय निर्धननिकेतन, खड़खड़ी, हरिद्वार (उत्तरांचल)	05-06-08 से 25-06-08	110	डॉ. बुद्धदेव शर्मा डॉ. जोखन पाण्डेय डॉ. योगेश मिश्र डॉ. प्रकाशचंद्र पंत डॉ. रोशन गौड़ डॉ. राघव कुमार झा डॉ. रत्नमोहन झा

4. दूरस्थ शिक्षा:

दूरस्थ विधि से विविध संस्कृत पाठ्यक्रम प्रस्तुत करने के उद्देश्य से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान स्वाध्याय सामग्री का निर्माण करता रहता है। इस प्रक्रिया में विभिन्न स्थानों पर तीन कार्यशालाओं का संचालन किया गया।

कार्यशालाएँ :

(स्वाध्याय सामग्री पर कार्यशालाएँ)

स्ट्राइड व इग्नू के मार्गदर्शन में स्वाध्याय सामग्री पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से निम्नलिखित दो पृथक् कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। प्रो. सी.आर.के. मूर्ति एवं डॉ. संजय कुमार मिश्र इन कार्यशालाओं में विदग्ध व्यक्ति थे।

क्रमांक	कार्यशाला का स्थान	अवधि	सम्बद्ध पाठ्यक्रम/कक्षा	कितने छात्रों ने सहभागिता की
1.	एन.ए.टी.आर.ए.एस. नई दिल्ली	14 से 20 फरवरी, 09	प्राक्शास्त्री एवं शास्त्री द्वितीय वर्ष (व्याकरण)	25
2.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	9 से 13 फरवरी, 09	संस्कृत भाषा-विज्ञान में सर्टीफिकेट कोर्स	09

5. पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए दो वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात् (अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष। वर्ष 2008-2009 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृत अध्ययन हेतु 261 नये छात्रों ने पंजीयन करवाया।

4.4 परीक्षा अनुभाग

इस अनुभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षा आचार्य तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षाएँ शैक्षिक परिषद् द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों और इस उद्देश्य से निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2008-2009 के दौरान विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या इस प्रकार है–

क्रमांक	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण
1.	प्रथमा–III	270	217
2.	पूर्वमध्यमा–II	961	810
3.	उत्तरमध्यमा–II	685	633
4.	प्राक्शास्त्री–II	1170	1055
5.	शास्त्री–I	1656	1524
6.	शास्त्री–II	1454	1418
7.	शास्त्री–III	1045	880
8.	आचार्य–I	1261	1123
9.	आचार्य–II	932	832
10.	शिक्षाशास्त्री	745	740
11.	शिक्षाआचार्य	24	24
	योग	**10203**	**9256**

इस वर्ष के दौरान 36 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण संलग्नक-घ में दिया गया है।

शैक्षिक सत्र 2008-2009 से प्रथम-वर्ष-पूर्वमध्यमा, उत्तर मध्यमा एवं प्राक् शास्त्री हेतु घरेलू परीक्षा की व्यवस्था की गई। वर्ष 2008-09 में परिसरों एवं सम्बद्ध संस्थाओं की विभिन्न कक्षाओं में कुल 14385 छात्रों को पंजीकृत किया गया। संस्थान ने शिक्षा शास्त्री/बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पूर्व शिक्षाशास्त्री परीक्षा का संचालन किया। इस प्रवेश-परीक्षा हेतु 5733 छात्रों का पंजीकरण हुआ। उनमें से 5248 छात्र परीक्षा में बैठे तथा विभिन्न आठ परिसरों में प्रवेश हेतु 1254 छात्र सफल घोषित किए गए। अगामी शिक्षा-वर्ष हेतु सफल छात्रों में से 800 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

वार्षिक परीक्षा 2009 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	कक्षा/विषय	परिसर/संस्थान
1.	32704	प्रिय व्रत मिश्रा	आचार्य (न.व्याकरण)	शृंगेरी
2.	32997	श्याम सुन्दर शर्मा	आचार्य (साहित्य)	जयपुर
3.	33126	दयानिधि कुमार मिश्रा	आचार्य (सि.ज्योतिष)	रानी पद्मावती, ता.यो.त. आ.स.म., वाराणसी
4.	31403	राजीव भारद्वाज	आचार्य (फ.ज्योतिष)	गरली
5.	31292	सौकी नायक	आचार्य (सर्वदर्शन)	महावीर वि.वि., पश्चिमविहार, नई दिल्ली
6.	31807	शिव प्रसाद त्रिपाठी	आचार्य (धर्मशास्त्र)	पुरी
7.	32974	विष्णु प्रिय शतपथी	आचार्य (पुराणेतिहास)	पुरी
8.	33100	मधु मिश्रा	आचार्य (प्रा.व्याकरण)	लखनऊ
9.	35529	प्रवेश कुमार झा	आचार्य (शु.यजुर्वेद)	ज.ना.ब्र. लगमा, बिहार
10.	33097	वंदना गुप्ता	आचार्य (बौद्धदर्शन)	लखनऊ
11.	32892	शुभाश्री महापात्रा	आचार्य (सांख्ययोग)	पुरी
12.	33262	इप्सिता पाल	आचार्य (नव्य न्याय)	सीताराम वै.आ.सं.म.,कोलकाता
13.	32711	विनायक भट्ट	आचार्य (मीमांसा)	शृंगेरी
14.	32702	कुचीश्री समीराजा	आचार्य (अद्वैतवेदान्त)	शृंगेरी
15.	150	सुप्रीया गौड़	शिक्षा आचार्य	जयपुर
16.	10262	मंजु नाथ भट	शिक्षा शास्त्री	शृंगेरी
17.	22603	मधुसूदन मिश्र	शास्त्री	रानी पद्मावती, ता.यो.त. आ.स.म., वाराणसी
18.	12330	सौम्यजीत सेन	उत्तर मध्यमा	रामकृष्ण म.वै.वि., हावड़ा
19.	17208	विनीता अकोईजाम	प्राक् शास्त्री	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय
20.	5937	गणेश तुडु	पूर्व मध्यमा	रामकृष्ण म.वै.वि., हावड़ा
21.	1588	ललिता	प्रथमा	लज्जाराम सं.म., जीन्द, हरि.

संस्थाओं से सम्बद्धता

संस्थान ने कुछ एक परिसरों से कार्य करना आरम्भ किया था। बाद में कुछ निजी रूप से संचालित संस्थाएं इससे सम्बद्ध की गई। इन सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक 'ङ' में दी गई है। संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारों तथा विश्वविद्यालयों के विवरण क्रमश: 'च' और 'छ' संलग्नक में दिए गए हैं।

4.5 प्रशासन अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन अनुभाग नियमों, विनियमों और प्रक्रियानुसार आन्तरिक व्यवस्था के कार्य करता है। यह संस्थान के विभिन्न अंगीभूत परिसरों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने हेतु आवश्यक स्थापन सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना सम्बन्धी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन अधिग्रहण, नए परिसरों की स्थापना और प्रबन्धन परिषद् तथा वित्त समिति की बैठकों के संचालन आदि कार्य करता है।

भोपाल परिसर के भवन का निर्माण-कार्य प्रगति पर है। इस हेतु रु. 300.00 लाख की राशि जारी कर दी गई है। गरली परिसर की अधिग्रहीत भूमि की सीमा-दीवार के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। तथापि, गरली के भवन-निर्माण के अनुमान एवं योजना तैयार करने हेतु सी.पी.डब्ल्यू.डी. से संपर्क किया गया है। शृंगेरी तथा मुम्बई परिसर के भवन-निर्माण कार्य हेतु क्रमश: रु. 60 लाख एवं रु. 298 लाख की राशि पहले ही जारी कर दी गई है। मुम्बई में सौमैया ट्रस्ट, विद्या विहार द्वारा अन्तरित भूमि पर भवन निर्माण हेतु सी.पी.डब्ल्यू.डी. ने योजना तथा अनुमान प्रस्तुत कर दिये हैं। जम्मू परिसर में छात्राओं के लिए आवास एवं सीमा-दीवार के निर्माण हेतु रु. 39 लाख की अन्तिम किस्त जारी कर दी गई है। पुरी परिसर में स्कूटर, मोटरसाइकिल तथा कार स्टैण्ड के निर्माण-कार्य हेतु रु. 19.84 लाख की राशि जारी कर दी गई है और कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार गुरुवायूर परिसर में चौकीदार कैबिन तथा कक्षाओं की छतों के निर्माण-कार्य हेतु रु. 8.55 लाख जारी किए गए हैं। कार्य भी प्रगति पर है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, जयपुर परिसर को छात्रावास भवन पर फिक्सिंग ग्रिल के निर्माण हेतु रु. 2.52 लाख जारी किए गए हैं।

वर्ष 2008-09 में संस्थान के मुख्यालय में अनुभागानुसार स्टाफ की संख्या संलग्नक-ज में दी गई है।

4.6 वित्त अनुभाग

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व निम्नलिखित हैं–

बजट (2008-2009) :

मार्च, 2007 का वेतन तथा राष्ट्रपति सम्मान के अन्तर्गत मानदेय भुगतान के लिए रखी गई वर्ष 2007-2008 की रु. 788.54 लाख की अप्रयुक्त शेष राशि को वित्तीय वर्ष 2008-2009 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रु. 7012.55 लाख का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को अंगीभूत एककों में निम्नलिखित रुप में आबंटित किया गया :–

(रू. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	योजना	योजनेतर	योग
1.	मुख्यालय	2807.93	1084.68	3892.61
2.	पुरी परिसर	19.84	425.12	444.96

(रू. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	योजना	योजनेतर	योग
3.	जम्मू परिसर	47.48	285.66	333.14
4.	इलाहाबाद परिसर	--	203.99	203.99
5.	गुरुवायूर परिसर	8.55	298.34	306.89
6.	जयपुर परिसर	2.52	337.54	340.06
7.	लखनऊ परिसर	---	286.53	286.53
8.	ृंगेरी परिसर	222.75	---	222.75
9.	गरली परिसर	130.28	---	130.28
10.	भोपाल परिसर	458.37	---	458.37
11.	मुम्बई परिसर	392.97	---	392.97
	कुल योग	**4090.69**	**2921.86**	**7012.55**

वर्ष में दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं व्यय की अन्य रख-रखाव की मदों पर उपयोग में लाया गया। वित्तीय वर्ष के अन्त में रुपये 352.62 लाख (योजनागत रुपये 182.94 लाख और योजनेतर रुपये 169.68 लाख) की धनराशि बिना व्यय अवशिष्ट रही।

लेखा :–

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु डी.जी.ए.सी. आर. को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2008-09 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन अनुबंध-ड में रखे गए हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण :–

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

इस अनुभाग को आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों से सम्बन्धित कार्यों और संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी तथा फारसी भाषाओं के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय देने का कार्य भी सौंपा गया है। इसके साथ ही, देश भर के उन संस्कृत पंडितों को जो दयनीय अवस्था में रहते हैं, उन्हें वित्तीय सहायता देने की योजना का कार्यभार भी इसे सौंपा गया है।

4.7 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:–

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान और संस्थान-भवन के निर्माण के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष में संस्थान द्वारा रुपये 10,27,57,000/- की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान 746 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ii) अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता

संस्थान द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन देश के विभिन्न भागों में प्रतिवर्ष परम्परागत संस्कृत के छात्रों को शास्त्रीय संस्कृत भाषा में आशु भाषण के लिए प्रोत्साहित करने हेतु किया जा रहा है। अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), पुरी परिसर (उड़ीसा) में 23-25 दिसम्बर, 2008 को आयोजित की गई। 16 शिक्षकों सहित 114 छात्रों ने व्याकरण, मीमांसा, साहित्य, वेदान्त, न्यायवैशेषिक, सांख्ययोग, धर्मशास्त्र तथा ज्योतिष के आठ शास्त्रीय विषयों के साथ ही श्लोकान्त्याक्षरी तथा समस्यापूर्ति से सम्बद्ध प्रतियोगिताओं में भाग ग्रहण किया। प्रत्येक राज्य सरकार व संघ-शासित प्रदेश सरकार से अनुरोध किया जाता है कि वह आठ शास्त्र-विषयों में प्रतियोगिता हेतु एक शिक्षक सहित आठ प्रतिभागियों के नाम भेजे। प्रत्येक विषय में प्रतियोगी को प्रथम, द्वितीय व तृतीय योग्यता-क्रम में रू. 2000/-, रू.1500/- व रू.1000/- के नकद पुरस्कार के साथ एक पदक व प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त विजेताओं को पदक भी दिए जाते हैं। श्लोकांत्याक्षरी की पुरस्कार राशि प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार के लिए बढ़ाकर क्रमश: रू. 7000/-, रू. 5000/- व रू. 3000/- कर दी गई है।

विद्यमान दस विषयों के अतिरिक्त ''शास्त्र श्लाका परीक्षा'' का आयोजन निम्नलिखित तीन विषयों पर भी किया गया है :

1. **व्याकरण :** ''भट्टोजीदीक्षितकृत वैयाकरणसिद्धान्त-कौमुद्याम् उत्तरार्धे आत्मनेपदप्रकरणमारभ्य ग्रन्थसमाप्ति-पर्यन्तं (वैदिकप्रक्रियां वर्जयित्वा)।''
2. **न्याय :** केशवमिश्रकृता तर्कभाषा सम्पूर्णा।
2. **साहित्य :** भोजराकृत ''चम्पूरामायणम्'' (बाल-अयोध्या-सुन्दरकाण्डानि)।

प्रतियोगिता का स्वरूप भारतीय शास्त्र शिक्षण पद्धति की प्राचीन परम्परा से लिया गया है। इसमें छात्र को सम्पूर्ण पाठ इसकी टीका सहित स्मरण रखना होता है और उससे अपेक्षा की जाती है कि वह ''रजत शलाका'' द्वारा प्रदशित बिन्दु से इसका वर्णन और व्याख्या करे। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य परम्परा को पुररुज्जीवित करना और छात्र की स्मरण-शक्ति को तीव्र करना है।

इस वर्ष इस उद्देश्य के लिए रू. 10,93,285/- व्यय किए गए।

अगले साल 2009-10 में प्रतियोगिता स्थल पर शलाका के प्रतिभागियों हेतु शलाका परीक्षा के लिए निम्नलिखित आठ मूल-पाठों की घोषणा की गई है:

1. कोश-अमरकोश (प्रथम काण्डम्) (प्राक् शास्त्री/मध्यमा छात्रों हेतु)
2. काव्य-रघुवंशम् 1-5 सर्ग (प्राक् शास्त्री/मध्यमा छात्रों हेतु)
3. साहित्य शास्त्र-काव्य प्रकाश 1-5 उल्लास (शास्त्री/आचार्य छात्रों हेतु)
4. न्याय दर्शन-न्यायसिद्धान्त मुक्तावली-प्रत्यक्षम् (शास्त्री/आचार्य छात्रों हेतु)
5. व्याकरण-महाभाष्यम्-पासपश-आह्निकम् (शास्त्री/आचार्य छात्रों हेतु।
6. सिद्धान्त ज्योतिष-सूर्यसिद्धान्त-त्रिप्रश्नाधिकारपर्यन्तम् (शास्त्री/आचार्य छात्रों हेतु)
7. वेदान्त-ब्रह्मसूत्र शंकरभाष्यम्-चतु:सूत्री (शास्त्री/आचार्य छात्रों हेतु)
8. पुराणेतिहास-श्रीमद्भागवतम् 1-5 स्कन्ध,वाल्मीकि रामायण 1-3 काण्ड, महाभारतम्-आदिपर्व 1-3 काण्ड (शास्त्री/आचार्य छात्रों हेतु)

(iii) शास्त्रचूडामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संस्थाओं में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 6000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 38 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2008-09 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 29,13,400/- लाख व्यय किए गए।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्म-काण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2008-09 में रु. 2,86,500/- व्यय किए गए।

(v) मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 23 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान के अधीन चल रही हैं। इस योजना के लिए वित्त का बड़ा भाग संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय की आवर्ती मदों पर 95% तथा अनावर्ती मदों पर 75% अनुदान दिया जाता है। इस वर्ष योजना के अधीन रुपये 519.40 लाख तथा योजनेतर में रुपये 336.30 लाख रुपए की धनराशि संस्थान द्वारा इन संस्थाओं को दी गई।

(vi) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धान्तों के आधार पर एक अतिव्यापक शब्दकोश तैयार करने की परियोजना डेकन कॉलेज, स्नातकोत्तर तथा शोध संस्थान, पुणे द्वारा आरम्भ की गई है। इस परियोजना में व्यय का प्रमुख स्रोत, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस परियोजना पर वर्ष 1948 में विचार किया गया था तथा संबद्ध सामग्री के संग्रहण के बाद सम्पादन-कार्य 1973 में प्रारम्भ किया गया। अब तक आठ खण्ड, जिनमें 24 भाग हैं, सम्पादित एवं प्रकाशित हो चुके हैं जिनमें एक लाख से अधिक शब्द सम्मिलित हैं। इस वर्ष इस परियोजना हेतु रुपये 40.00 लाख की राशि आबंटित की गई है।

(vii) भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को मानदेय राशि

भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को संस्थान प्रति वर्ष 50,000/- रुपये की मानदेय राशि प्रदान करता है।

इस वर्ष के दौरान इस मद में रुपये 152.13 लाख व्यय किए गए।

(viii) उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा को प्रोत्साहनः

वर्ष 2008-2009 में संस्थान ने देश के उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा के अध्ययन, प्रसार और प्रोत्साहन हेतु रुपये 42.80 लाख व्यय किए।

(ix) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमास रु. 6000/- प्रति विषय के हिसाब से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय

सहायता को आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2008-09 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 60,48,360/- व्यय किए गए। 90 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(x) विभिन्न राज्यों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों हेतु वित्तीय सहायता:-

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2008-09 में कुल 103 सरकारी विद्यालयों लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 6,90,994/- की राशि का उपयोग किया गया।

(xi) विभिन्न परियोजनाओं पर एन.जी.ओ., संस्कृत विश्वविद्यालयों, संस्थाओं को वित्तीय सहायता:-

एन.जी.ओ./मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जाता है।

वर्ष 2008-09 में संस्थान ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 50,31,922/- व्यय किए।

4.8 पुस्तकालय एवं विक्रय इकाई

संस्थान सभी दस परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 22000 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। परियोजना अधिकारी इस कक्ष के प्रधान हैं जो विक्रय व कम्प्यूटर के कार्यों की भी देखरेख करते हैं। संस्थान के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग 2008-09 में आरम्भ हो गई है। एक तिहाई ग्रन्थों का काम हो चुका है।

इकाई ने परिसरों को पहले से ही कम्प्यूटर प्रदान कर दिए हैं। संस्थान के पुस्तकालय हेतु वर्ष में प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण तथा बिक्री आय निम्नलिखित है-

पुस्तकालय

1.	क्रीत ग्रन्थ	रूपये 330.00
2.	उपहार के रूप में प्राप्त ग्रन्थ	रूपये 2,92,189.00

विक्रय

1.	पुनर्मुद्रित दुर्लभ ग्रन्थ	रूपये 3,84,000.00
2.	संस्थान के प्रकाशन	रूपये 23,00,000.00
	कुल योग	**रूपये 26,84,000.00**

परिसरों की एक झलक

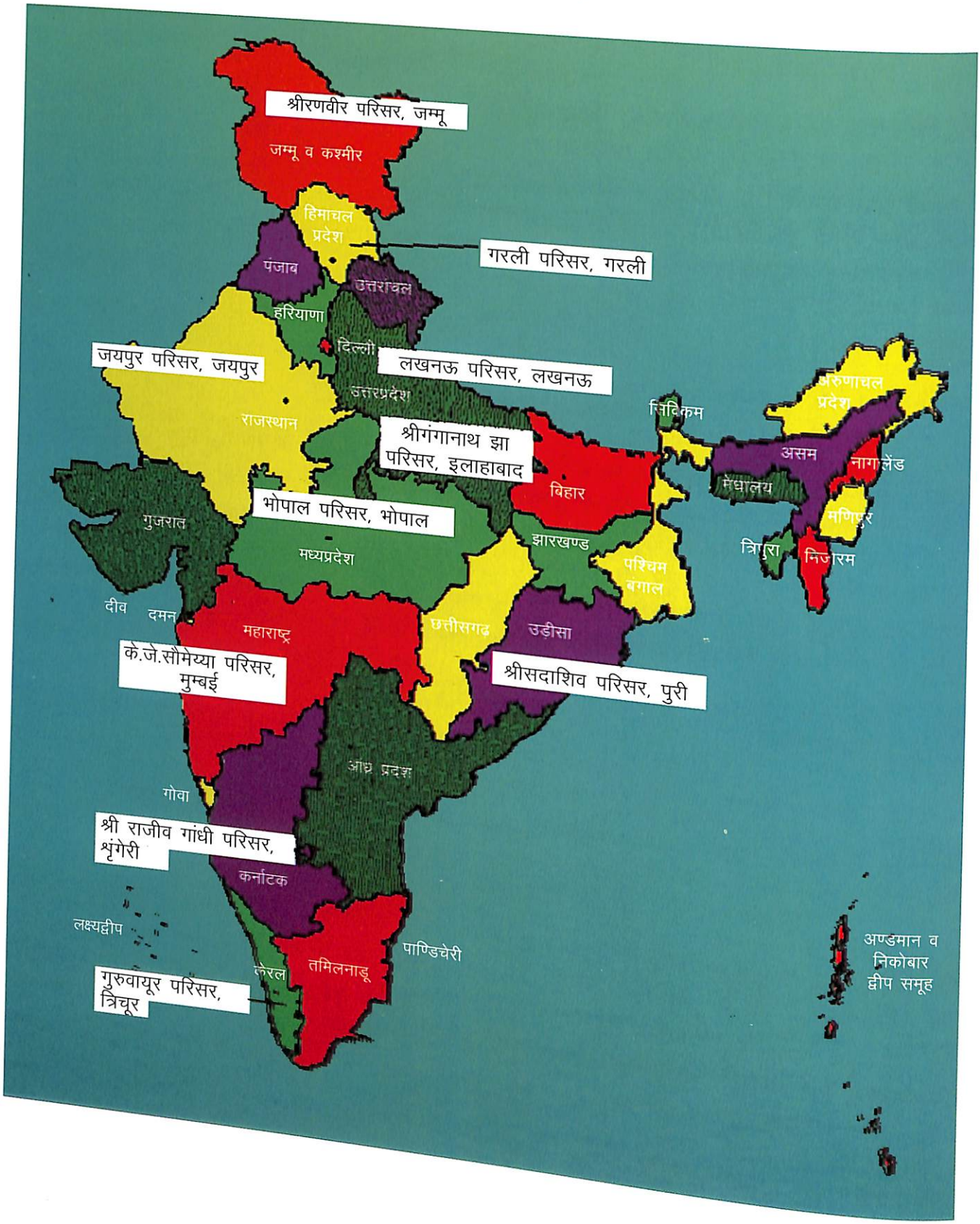
श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
जम्मू व कश्मीर
हिमाचल प्रदेश
गरली परिसर, गरली
पंजाब
उत्तरांचल
हरियाणा
दिल्ली
जयपुर परिसर, जयपुर
लखनऊ परिसर, लखनऊ
उत्तरप्रदेश
राजस्थान
श्रीगंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
सिक्किम
अरुणाचल प्रदेश
असम
नागालेंड
मेघालय
बिहार
भोपाल परिसर, भोपाल
गुजरात
झारखण्ड
मणिपुर
त्रिपुरा
मिजोरम
मध्यप्रदेश
पश्चिम बंगाल
दीव
दमन
छत्तीसगढ
उड़ीसा
महाराष्ट्र
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
आंध्र प्रदेश
गोवा
श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
कर्नाटक
लक्ष्यद्वीप
पाण्डिचेरी
तमिलनाडू
केरल
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह

5. परिसर

5.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

इलाहाबाद में पहले श्री गंगानाथ झा शोध संस्थान स्थापित किया गया था। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इसका अधिग्रहण 1 अप्रैल, 1971 को अपनी अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में 'श्री गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के नाम से किया गया। तत्पश्चात् पुनः इसका नामकरण 'श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, मानित विश्वविद्यालय' हुआ। यह परिसर एक ऐसा मान्यता-प्राप्त शोध-केन्द्र है जो संस्कृत साहित्य की विभिन्न विद्याओं के शोध-कार्य हेतु समर्पित है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) की विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि हेतु शोधकार्य के लिए परिसर प्रतिवर्ष निश्चित संख्या में शोध छात्रों को पंजीकृत करता है। इस प्रकार से प्रविष्ट शोध-छात्र विद्यापीठ परिसर के किसी एक प्राध्यापक के मार्गदर्शन में कार्य करते हैं तथा परिसर में उपलब्ध पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि अनुभाग की सुविधाओं का उपयोग करते हैं। पुस्तकालयों एवं पाण्डुलिपियों का उपयोग मात्र विद्यापीठ के छात्रों तक सीमित नहीं है अपितु सभी विद्वानों हेतु संदर्भ पुस्तकालय के रूप में खुला है। यह संस्कृत में तथा प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के सभी वर्गों के विद्वानों एवं शोधार्थियों को पुस्तकालय की क्षमतानुसार उसके उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है।

शैक्षिक स्टाफ़ के सभी सदस्य पंजीकृत छात्रों को शोध-कार्य में मार्ग-दर्शन करने के अतिरिक्त संस्थान द्वारा प्रदत्त विषयों पर अपना शोध-कार्य भी करते हैं। परिसर की शोध-परियोजना का कार्य न केवल वैयक्तिक अपितु सामूहिक रूप से भी किया जाता है।

परिसर ने अपने प्रकाशन कार्यक्रमों के अतिरिक्त "वेदभाष्य कोश" परियोजना को भी आरम्भ किया है।

सामान्य कार्यकलाप

संकाय ने 2008-09 में इस परिसर में निम्नलिखित कार्यक्रम संचालित किये:-

(i) पाण्डुलिपियों के आँकड़ा पत्रों की तैयारी।

(ii) पाण्डुलिपियों की सूची की तैयारी।

(iii) पाण्डुलिपियों का सम्पादन।

व्याख्यान आयोजित

परिसर द्वारा 6 जून, 8 एवं 12 फरवरी 09 को व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसमें क्रमशः निम्नलिखित मुख्य व्याख्यान दिए गए:-

(क) सामान्य स्वास्थ्य: समस्याएँ एवं उनका आयुर्वेदिक उपचार –प्रो. जी. एस. तोमर द्वारा।

(ख) धर्मशास्त्र एवं स्मृतियों में निरूपित न्याय व्यवस्था-डॉ. वाचस्पति त्रिपाठी द्वारा।

कार्यकलाप

(i) संस्कृत दिवस 4 सितम्बर से 6 सितम्बर, 2008 तक तीन दिन मनाया गया।

(ii) हिन्दी दिवस 14 सितम्बर, 2008 को मनाया गया।

(iii) शिक्षा दिवस 11 नवम्बर, 2008 को मनाया गया।

(iv) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित कौमुदी महोत्सव के अवसर पर परिसर द्वारा 'गौरी दिगम्बर प्रहसनम्' नामक संस्कृत नाटक अभिनीत किया गया।

(v) इस परिसर के दो शिक्षकों ने भोपाल परिसर में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत नाट्योत्सव में सहभागिता की।

संकाय सदस्यों के कार्यकलाप

1. डॉ. शैल कुमारी मिश्र (रीडर)

(क) सात शोध छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई। पाँच शोध छात्रों ने अपने शोध

-प्रबन्ध प्रस्तुत किए तथा छः छात्र उनके मार्गदर्शन में शोध कर रहे हैं।

(ख) पारद कल्प तथा चिकित्सा राजयक्ष्मा नामक आयुर्वेद ग्रन्थों का सम्पादन किया।

उषती नामक पत्रिका तथा गंगानाथ झा परिसर की पत्रिका हेतु मुख्य सम्पादक के रूप में कार्य किया।

2. डॉ. वी. एन. गिरि (रीडर)

(क) नौ शोध छात्रों को विद्या वारिधि की उपाधि प्रदान की गई, पाँच ने अपने शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत कर दिए हैं और दस उनके मार्गदर्शन में शोध कर रहे हैं।

(ख) परिसर शोध पत्रिका 'द जर्नल ऑफ गङ्गानाथ झा' का सह-सम्पादन किया।

(ग) मूल-पाठ के एफ. डाटा बैंक, इ- लर्निंग, इ-सोर्सिस को विकसित करने के उद्देश्य से कंटेंट जेनरेशन योजना के अन्तर्गत बृहत्त्रयी का साहित्यिक परियोजना के रूप में सम्पादन किया।

अन्य कार्यभार का उत्तरदायित्व:

(i) राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन हेतु आँकड़ा-पत्र का निरीक्षण।

(ii) समय-समय पर परिसर के प्रशासनिक उत्तरदायित्वों का निर्वहण किया।

(iii) क्षेत्रीय अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सर्वेक्षण।

(iv) ऑल इण्डिया रेडियो पर संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण।

3. डॉ. बनमाली बिस्वाल (रीडर)

(i) विभिन्न शोध-पत्रिकाओं में छः शोध पेपर और दिल्ली संस्कृत अकादमी के संस्कृत काव्यामृतम् में संस्कृत कविताओं का प्रकाशन किया।

(ii) समीक्षा पत्रिका दृक्, संस्कृत पत्रिका कथासरित और परिसर की शोध पत्रिका का सम्पादन कार्य किया।

(iii) राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के अन्तर्गत बी. एच. यू, वाराणसी द्वारा हस्तलिपि-विज्ञान एवं पुरालिपि-शास्त्र पर आयोजित कार्यशाला में छः व्याख्यान दिए।

(iv) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय अखिलभारतीय प्राच्य सम्मेलन में तथा बलसोर, जयपुर परिसर, पुणे विश्वविद्यालय, बड़ौदा के एम. एस. विश्वविद्यालय और राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में आयोजित अध्ययन गोष्ठियों में सहभागिता की एवं पेपर पढ़े।

(v) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा पत्राचार पाठ्यक्रम एवं कंटेंट जेनरेशन परियोजना हेतु आयोजित तीन कार्यशालाओं में सम्मिलित हुए।

(vi) इलाहाबाद दूरदर्शन कार्यक्रम में संस्कृत साहित्य पर सम्भाषणों में सहभागिता की और ऑल इण्डिया रेडियो, इलाहाबाद के माध्यम से संस्कृत गद्य एवं कविता पाठ प्रस्तुत किये।

(vii) नई दिल्ली, उज्जैन एवं इलाहाबाद में संस्कृत कवि सम्मेलन में सहभागिता की।

(viii) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के दो चक्रों का समन्वय किया।

(ix) कंटेंट जेनरेशन परियोजना के अन्तर्गत वैयाकरणभूषण एवं वैयाकरण सिद्धान्तमञ्जूषा का सम्पादन किया।

(x) परिसर में परिभाषार्थ मञ्जरी, वैयाकरणभूषण एवं मनसिजसूत्रम् का आलोचनात्मक सम्पादन किया।

(xi) छः शोध छात्रों का मार्गदर्शन किया, जिनमें से एक ने अपना शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किया।

4. डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी (रीडर)

(i) शब्दामृतम् खण्ड v, vi, vii, viii; नारायण तीरथ की गङ्गालोकहरि (वेदान्त विषयक); शब्दबोध पद्धति एवं शब्दबोध प्रक्रिया का सम्पादन कार्य किया।

(ii) "तृतीय अन्तरराष्ट्रीय संस्कृत कम्प्यूटर भाषा-विज्ञान संगोष्ठी" में पढ़े गए 12 शोध पेपरों की समीक्षा की और सहभागिता की तथा एक सत्र में अध्यक्षता भी की।

(iii) परिसर की पत्रिकाओं में योगदान दिया और डाटा आँकड़े का पुनरीक्षण किया।

(iv) राष्ट्रीय अध्ययनगोष्ठी में भाग लिया और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पेपर पढ़ा।

(v) कालिदास अकादमी, उज्जैन द्वारा आयोजित महाभाष्य विशिष्ट पाठ सत्र में 12 व्याख्यान दिए।

(vi) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं आई. आई. आई. टी. हैदराबाद द्वारा क्रमशः आयोजित संस्कृत कम्प्यूटर एवं हिन्दी उर्दू ट्री बैंक की कार्यशालाओं में सहभागिता की।

(v) छात्रों को शोध सम्बन्धी मार्गदर्शन दिया।

5. डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय मणि (रीडर)

(i) 'नृपविलासः' एवं वार्षिक पत्रिका 'उषती' का सम्पादन कार्य किया।

(ii) आठ शोध छात्रों का मार्गदर्शन किया।

(iii) संस्कृत दिवस समारोह, हिन्दी दिवस समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समन्वय किया। संस्कृत नाट्यशाला में सहभागिता की तथा कौमुदी महोत्सव में अभिनीत संस्कृत नाटक 'गौरीदिगम्बर प्रहसनम्' का निर्देशन किया।

(iv) परिसर में आँकड़ा पत्र की समीक्षा की।

(v) दूरस्थ संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम हेतु चार पाठों का एवं पत्राचार पाठ्यक्रम हेतु पाठों का निर्माण किया।

(vi) भोपाल में 'संस्कृत रंगमंचः परम्परा एवं संभावनाएँ' पर व्याख्यान दिया।

(vii) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में तथा विभिन्न स्थानों पर अन्य सात में सहभागिता की।

(viii) छः राष्ट्रिय अध्ययन गोष्ठियों में सहभागिता की एवं पेपर पढ़े तथा चार पत्रिकाओं में शोध पेपर प्रकाशित किए।

(ix) इलाहाबाद दूरदर्शन द्वारा आयोजित संस्कृत साहित्य पर सम्भाषण में सहभागिता की तथा ऑल इण्डिया रेडियो, इलाहाबाद के माध्यम से संस्कृत कविताओं का सस्वर पाठ किया।

(x) विभिन्न विश्वविद्यालयों के परीक्षक के रूप में कार्य किया।

6. डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय (व्याख्याता)

(i) परिभाषेन्दुशेखर एवं सिद्धान्त चन्द्रिका मङ्गलश्लोकविचारः पर मणिप्रभाटीका का सम्पादन कार्य सम्पन्न किया। ऋग्वेद भाष्य (व्यञ्जना भाग) के 400 कार्ड भी तैयार किए।

(ii) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में सहभागिता की एवं पेपर पढ़े।

(iii) दूरस्थ शिक्षा हेतु पाठ-निर्माण के लिए संचालित कार्यशाला में भाग लिया।

(iv) परिसर में आँकड़ा पत्र की समीक्षा की।

(v) पूर्वसिद्धम् एवं शब्दशास्त्रीय उपदेश पदार्थविचारः पर निबन्ध का सम्पादन कार्य किया।

(vi) कौमुदी महोत्सव में प्रदर्शित संस्कृत नाटक के निर्देशन में सहयोग दिया तथा युवा महोत्सव में सहभागिता हेतु छात्र-समूह की अगुआई की।

(vii) भोपाल में भरतनाट्यम् एवं थियेटर पर कार्यशाला में सहभागिता की।

7. डॉ. अपराजिता मिश्र (व्याख्याता)

(i) जयकृष्ण के ध्रुव चरितम् एवं विश्वनाथ रानाडे के रामविलास काव्यम् (4 सर्ग) का सम्पादन कार्य किया।

(ii) परसिर की उषती एवं दृक् पत्रिकाओं में योगदान दिया।

(iii) हिन्दुस्तानी अकादमी, प्रयाग के प्रकाशन सूर्य विमर्श में शोध पेपर को प्रकाशित किया।

(iv) इलाहाबाद में आयोजित राष्ट्रिय अध्ययन गोष्ठी में सहभागिता की तथा शोध पेपर प्रस्तुत किया।

(v) आँकड़ा पत्र की समीक्षा की तथा इलाहाबाद में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का निरीक्षण किया।

8. डॉ. शैलजा पाण्डेय (शोध सहायक)

(i) 'सत्योपाख्यान' पाण्डुलिपि की प्रेस कॉपी तैयार है।

(ii) ऋग्वेद भाष्य कोश (स्वर भाग) प्रेस में पर्यवेक्षणाधीन।

(iii) विभिन्न पत्रिकाओं में छः शोध पेपर प्रकाशित हुए।

(iv) साहित्यिक व्याख्यान दिए एवं रेडियो-वार्ता में सहभागिता की।

(v) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का निरीक्षण किया।

9. श्री सुरेश पाण्डेय (शोध सहायक)

शारदा से देवनागरी में माइक्रोफिल्मिंग रील का कार्य एवं 'लघूपसर्गदीपिका' का सम्पादन कार्य किया।

10. श्री राम चन्द्र (शोध सहायक)

(i) 'विश्वेश्वरी' का सम्पादन कार्य किया और 'विष्णुभक्ति कल्पलता' का सम्पादन किया।

(ii) परिसर में आँकड़ा पत्र की समीक्षा की।

11. श्रीमती बीना मिश्रा (संग्रहपाल)

(i) लगभग 6000 हस्तलिपियों के संरक्षण का कार्य किया।

(ii) आँकड़ा पत्रों की समीक्षा की।

(iii) पत्रिकाओं में सहयोग देने हेतु लघु हस्तलिपियों का सम्पादन किया।

12. डॉ. राम किशोर झा (प्रतिलिपिक)

(i) मैथिली की हस्तलिपियों के आँकड़ा पत्र तैयार किये।

(ii) गीत गोविन्द पर मैथिली टीका का देवनागरी में अनुवाद किया।

(iii) हस्तलिपियों के प्रत्यक्ष सत्यापन में सहयोग दिया।

5.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)

परम्परागत संस्कृत अध्ययन-अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित पूर्ववर्ती सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का 15 अगस्त, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अधि ग्रहण किया गया। प्रबन्धन के अन्तरण के पश्चात् पुराने सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का नाम बदल कर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की पदवी मिल जाने के कारण अब यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के श्री सदाशिव परिसर, पुरी के रूप में कार्य कर रहा है।

परिसर के शैक्षिक क्रियाकलाप 4.78 एकड़ भूमि पर नव-निर्मित भवन में आरम्भ हो गए हैं। परिसर में पाठकों के लिए विभिन्न विषयों पर लगभग 50000 पुस्तकों, हस्तलिपियों और पत्रिकाओं से युक्त अति समृद्ध पुस्तकालय है। वर्तमान में परिसर के अन्दर 100 छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। परिसर के बाहर 100 छात्रों के लिए निःशुल्क छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई है।

यह परिसर साहित्य, नव्य व्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, सांख्य योग, नव्य न्याय, सर्वदर्शन आदि विभिन्न विभागों में प्राक् शास्त्री से आचार्य तक शिक्षण प्रदान करता है। परिसर विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि हेतु शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है।

इन विषयों के अतिरिक्त, संस्थान के पाठ्यक्रमों के अनुसार शास्त्री व प्राक्शास्त्री की कक्षाओं में अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास, गणित और कंप्यूटर शिक्षा जैसे कुछ आधुनिक विषयों का अध्यापन किया जा रहा है। परिसर में बी.एड. के बराबर शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है।

इस वर्ष में प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक कुल 688 छात्र पंजीकृत थे। इन छात्रों में से 437 छात्राएँ थीं। 189 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई थी।

वर्ष में परिसर के कार्यकलाप

(i) यह परिसर अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के केन्द्रों में से एक है। यह शिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आरम्भ किया गया है। वर्ष 2008-09 में केन्द्र का उद्घाटन डॉ. त्रिलोचन बराल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चक्र में जीवन के सभी क्षेत्रों के 34 सहभागियों ने सफलतापूर्वक भाग लिया। इसका संचालन डॉ. जी गंगन्ना, प्राचार्य, डॉ. महेश झा एवं श्री दयानन्द पाणिग्रही के योग्य मार्गदर्शन में किया गया। डॉ. सुकान्त कुमार सेनापति, उड़ीसा राज्य के संयोजक इस कार्यक्रम के विदग्ध व्यक्ति थे।

(ii) डॉ. प्रभात कुमार महापात्रा के संयोजकत्व में छात्रों हेतु ज्योतिष पर एक परिचयात्मक पाठ्यक्रम का भी संचालन किया गया।

(iii) परिसर ने वाणीविलास परिषद् की स्थापना की जिसके अधीन विभिन्न शास्त्रों पर विविध साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया। सर्वश्री प्रभंजन कुमार त्रिपाठी एवं सुशान्त कुमार द्विवेदी ने इन प्रतियोगिताओं में क्रमशः वरिष्ठ व कनिष्ठ समूह में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

(iv) संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन 13 से 19 अगस्त, 2008 तक किया गया। इस अवसर पर विभिन्न शास्त्रों पर भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन न्यायमूर्ति शत्रुघ्न पुजारी, जिला व सेशन जज द्वारा किया गया। प्रो. हरे-कृष्ण शत्पथी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति मान्य अतिथि थे। श्री डी. के. शर्मा, उत्तर पूर्वी क्षेत्र परिषद्, एन. सी. इ. आर. टी, भुवनेश्वर मुख्य अतिथि थे। प्रो. बिकू झा, धर्म समाज गवर्नमेंट संस्कृत कॉलेज समापन समारोह में मान्य अतिथि थे।

(v) हिन्दी दिवस समारोह 14 सितम्बर, 2008 को मनाया गया। छात्रों ने हिन्दी भाषण व कविता प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

(vi) भारत सरकार के अनुदेशानुसार 11नवम्बर, 2008 को शिक्षा दिवस मनाया गया।

(vii) शिक्षा शास्त्र विभाग के लिए अध्ययन गोष्ठी का आयोजन 23 जुलाई, 2008 को किया गया जिसमें प्रो. सुभाष तिवारी, शिक्षा शास्त्र विभागाध्यक्ष, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ने मुख्य व्याख्यान दिया। शिक्षकों एवं छात्रों की सहभागिता सन्तोषजनक रही।

(viii) डॉ. सूर्यमणि रथ तथा डॉ. राघवेन्द्र पाठक के मार्गदर्शन में 18 छात्रों ने नवम्बर, 2008 में नई दिल्ली में आयोजित कौमुदी महोत्सव में भाग लिया। समारोह में छात्रों ने संस्कृत नाटक 'उत्तरराम-चरितम्' का मंचन किया।

(ix) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली द्वारा इस परिसर में अन्तः परिसर युवा महोत्सव का आयोजन 20 से 22 दिसम्बर, 2008 तक किया गया। इसमें संस्थान के सभी परिसरों के लगभग 550 छात्रों ने विभिन्न विद्याओं पर प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस परिसर के 21 छात्रों ने 11विद्याओं की प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा का आयोजन भी 23 दिसम्बर से 25 दिसम्बर, 2008 तक किया गया। इस परिसर के पाँच छात्रों ने इस प्रतियोगिता में सहभागिता की।

(x) परिसर ने स्काउट व गाइड शिविर का आयोजन 5 दिसम्बर से 14 दिसम्बर, 2008 तक किया। परिसर के प्राचार्य महोदय ने इसका उद्घाटन किया। पुरी क्षेत्र के विद्यालयों के निरीक्षक महोदय समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे। शिविर में 98 शिक्षकों एवं छात्रों ने भाग लिया।

(xi) शिक्षा शास्त्री के छात्रों हेतु प्रथमोपचार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सितम्बर 2008 में किया

गया। उसमें 99 शिक्षकों एवं छात्रों ने अपने हित के लिए भाग लिया।

(xii) शैक्षिक भ्रमण का आयोजन भी 5 से 11 जनवरी, 2009 तक किया गया। इस भ्रमण में शिक्षकों सहित छात्रों ने तिरुपति, काञ्चीपुरम एवं पाण्डिचेरी का भ्रमण किया।

(xiii) पुराणेतिहास विभाग की रीडर डॉ. मिनती रथ को उनके शोध पेपर पर श्रीराम नाम सेवाश्रम न्यास, उज्जैन (म. प्र.) द्वारा 'विदुषीविद्योत्तमा' की उपाधि व रु. 21000/- की नकद राशि प्रदान की गई। परिसर के डॉ. पी. के महापात्रा, डॉ. वृन्दावन पात्रा, डॉ (श्रीमती) एन.पाणिग्रही, डॉ. एस.जी. पाण्डेय और डॉ. वी. पी. कछवाह, वरिष्ठ व्याख्याता पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सफलतापूर्वक सम्मिलित हुए।

5.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू और काश्मीर)

जम्मू एवं काश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित पूर्ववर्ती श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का अधिग्रहण 1 अप्रैल, 1971 को संस्थान द्वारा अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। संस्थान की घोषणा मानित विश्वविद्यालय के रूप में किए जाने पर विद्यापीठ का नामकरण पुनः श्री रणवीर परिसर के रूप में किया गया। यह व्याकरण, ज्योतिष (फलित एवं सिद्धान्त), साहित्य, दर्शन, शिक्षा-शास्त्र एवं काश्मीर शैव दर्शन कोश योजना रूपी छः विभागों के माध्यम से कार्यरत है। प्राक् शास्त्री से आचार्य तक के छात्र यहाँ विभिन्न विषयों के विद्वान शिक्षकों से शिक्षा प्राप्त करते हैं। संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 1979 में शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया। शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषय पढ़ाए जाते हैं। छात्रों हेतु कम्प्यूटर शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन, संगीत कक्षा और योग प्रशिक्षण की भी अच्छी व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त, परिसर विद्यावारिधि (पी-एच.डी) उपाधि प्रदान करने हेतु शोध कार्यक्रम प्रदान करता है। अब तक इस केन्द्र से लगभग 100 शोध-छात्रों को यह उपाधि मिल चुकी है। परिसर ने कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश नामक महत्वपूर्ण योजना का बीड़ा उठाया है। इसका उद्देश्य कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश का संकलन करना है। इसमें समृद्ध पुस्तकालय है और इसे अब तक 19 रचनाओं के प्रकाशन का श्रेय मिल चुका है।

परिसर ने जम्मू एवं कश्मीर सरकार द्वारा कोट भलवाल, जम्मू में आबंटित 84 कनाल भूखंड पर निर्मित अपने ही भवन में कार्य आरम्भ कर दिया है।

वर्ष 2008-09 में विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों-छात्राओं की कुल संख्या 418 थी जिसमें 55 छात्राएँ थीं। 176 छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं। 18 छात्राओं को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई।

परिसर की पाठ्येतर गतिविधियाँ

परिसर द्वारा विस्तार व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। उसमें निम्नलिखित सुविख्यात विद्वानों ने अपनी उपस्थिति से एवं व्याख्यान देकर शोभा बढ़ाई-

1. प्रो. राम प्रताप वेदालंकार, भूतपूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष, जम्मू विश्व विद्यालय, जम्मू।
2. प्रो. प्रियतम चन्द्र शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, जम्मू परिसर।
3. प्रो. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, संस्कृत विभागाध्यक्ष, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय।
4. प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

संस्कृत दिवस समारोह एक सप्ताह में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर स्थानीय विद्वानों तथा प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमन्त्रित किया गया। इसके अतिरिक्त हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया तथा बिदाई समारोह 26 सितम्बर, 2008 को आयोजित किया गया। प्रो. राजकुमार, भूतपूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, जम्मू विश्वविद्यालय एवं विख्यात कवि, लेखक व समालोचक मुख्य अतिथि थे। श्री रमेश मेहता, भूतपूर्व सचिव, सांस्कृतिक व भाषा अकादमी, जम्मू एवं

कश्मीर तथा जो स्वयं एक प्रसिद्ध कवि, चित्रकार एवं सम्पादक भी हैं, वह मान्य अतिथि थे। इस अवसर पर विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। समारोह में विजेता छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त परिसर में स्वतन्त्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गणतन्त्र दिवस एवं वसन्त पञ्चमी मनाए गए। शिक्षा शास्त्री के छात्रों के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम संचालित किए गए–

(i) प्रथमोपचार प्रशिक्षण - 16 सितम्बर से 25 सितम्बर, 2008 तक।

(ii) अध्यापन अभ्यास – 22 अक्तूबर से 12 दिसम्बर, 2008 तक।

(iii) स्काउट व गाइड प्रशिक्षण – 15 जनवरी से 24 जनवरी, 2009 तक।

(iv) शैक्षिक भ्रमण – 23 मार्च से 28 मार्च, 2009 तक।

इसके अतिरिक्त, साप्ताहिक वाग्वर्धिनी सभा एवं संस्कृत भाषा संवाद कौशल कक्षाएँ क्रमशः शुक्रवार तथा बुधवार को संचालित की गई। शिक्षण संकाय ने वर्ष के दौरान अपने योगदान के साथ-साथ निम्नलिखित कार्यक्रमों में भाग लिया:-

1. डॉ. डी. के सिंहदेव – जयपुर सेमिनार में सम्मिलित हुए।
2. डॉ. जयप्रकाश नारायण – कालिदास अकादमी ऑफ संस्कृत, म्यूजिक एंड फाइन आर्ट्स में सेमिनार में सम्मिलित हुए।
3. डॉ. एन. एन. झा – अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में उपस्थित हुए।
4. डॉ. वी. एन. झा – सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में सेमिनार में उपस्थित हुए।
5. श्री रमेश सिंह – कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में उपस्थित रहे।

डॉ. विद्यानन्द झा एवं डॉ. डी. के. सिंहदेव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में भी उपस्थित रहे।

परिसर के छात्रों ने पुरी परिसर में आयोजित राष्ट्रिय स्तर की साहित्यिक प्रतियोगिताओं एवं खेलकूद प्रतियोगिता से युक्त युवा महोत्सव में सहभागिता की। सोलह छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किये। परिसर ने ई-ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर द्वारा साहित्य तथा पुस्तकालय ग्रन्थों के स्वचलन का कार्य आरम्भ किया।

5.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

यह परिसर संस्थान द्वारा 16 जुलाई, 1979 को अधिग्रहण से पूर्व साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था। पश्चात् इसे केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, गुरुवायूर, संस्थान के अंगीभूत एकक के रूप में जाना जाने लगा। संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की पदवी प्राप्त होने पर इसे पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गुरुवायूर परिसर नाम दिया गया है। मुख्य परिसर पुरनाट्टुकरा क्षेत्र में एक शिक्षा काम्प्लेक्स में स्थित है जो अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों एवं सुन्दर प्राकृतिक दृश्य से घिरा हुआ है। यह 14 एकड़ की आबंटित भूमि में बना हुआ है जो त्रिचूर रेलवे स्टेशन से 11 किलोमीटर की दूरी पर गुरुवायूर मन्दिर को जाने वाले मार्ग में है। यह नेदुमाबस्सेरी अन्तर्राष्ट्रीय विमान-पत्तन से 61 किलोमीटर दूर स्थित है। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रथम चरण में इस सुन्दर भवन का निर्माण किया गया है, जिसकी लागत 2.20 करोड़ रुपये है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सहायता से मानित विश्वविद्यालय ने परिसर के द्वितीय चरण के भवन निर्माणार्थ स्वीकृति दी है जिसमें बालक-बालिकाओं हेतु छात्रावास, न्यूनतम कर्मचारी आवास, पुस्तकालय तथा अतिथि गृह शामिल हैं एवं लागत 6.31 करोड़ रुपए है। परिणाम स्वरूप मुख्य भवन में शैक्षिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, प्रेक्षागृह, क्रीडाक्षेत्र अर्ध-क्रियाशील भवन, अतिथि-गृह, बालक व बालिकाओं के छात्रावास तथा न्यूतनतम संख्या में आवास-गृह सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त, परिसर के पास पावर्टी में 50 सेन्ट

सीमा भूमि पर निर्मित एक अन्य केन्द्र है। यह मुख्य केन्द्र से 15 किलोमीटर की दूरी पर है। यह एक मंजिला भवन है। जिसमें दो बड़े हॉल कमरे, एक प्रशासनिक कक्ष तथा आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न दस श्रेणी कक्ष हैं। इसका उपयोग अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, संस्कृत शिक्षा-प्राप्ति हेतु पत्राचार पाठ्यक्रम एवं हस्तलिपि संग्रहण केन्द्र के रूप में किया जा रहा है। पहले के गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के संस्थापक के नाम पर इसका पुनः पी.टी. कुरियाकोसे स्मृति भवन नामकरण किया गया है।

इस परिसर में शोध-कार्य किया जाता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि मिलती है। इसके अतिरिक्त साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त तथा न्याय में आचार्य तथा शास्त्री स्तर तक का अध्यापन होता है। परिसर में शास्त्री स्तर पर शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) और स्कूल शिक्षा (प्राक्शास्त्री) का भी अध्यापन होता है। स्नातकपूर्व कक्षाओं के छात्रों हेतु परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा एवं अन्य आधुनिक विषयों की शिक्षा सुविधा भी उपलब्ध है।

प्रस्तुत शैक्षणिक वर्ष में प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 344 छात्रों का पंजीयन किया गया। 72 छात्रों व 55 छात्राओं को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई। 266 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार के जन-कल्याण विभाग ने 21 अनु. जाति, 2 अनु. जनजाति तथा 2 ओ.बी.सी. वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की।

वर्ष में परिसर के क्रियाकलाप

विस्तार व्याख्यान माला

विस्तार व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. वी. एन. झा, प्रो. के महेश्वर नायर, प्रो. पी. एन. शास्त्री एवं प्रो. आर. देवनाथन जैसे प्रख्यात विद्वानों ने पारम्परिक व आधुनिक विषयों पर अन्तः विद्या विशेष प्रकृति के व्याख्यान दिये। प्रो. वी. एन. झा ने 20-1-09 को सम्बन्धों की सत्तामीमांसा विषय पर प्रारम्भिक व्याख्यान दिया। साथ-साथ 19-1-09 से 28-1-09 के मध्य एक 10 दिवसीय न्याय पाठ्यक्रम का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें 64 छात्रों ने सहभागिता की। प्रो. आर. देवनाथन, प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), श्री राजीवगान्धी, परिसर, शृंगेरी 28-1-09 को समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे। प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, निर्देशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन ने अन्य आवासीय मूलपाठ विषयक नव्य न्याय भाषा एवं प्रणाली-विज्ञान पाठ्यक्रम तथा शास्त्रों के विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय स्तर की विस्तार व्याख्यान माला का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में प्रो. उज्ज्वल झा, पुणे, प्रो. के. सुकुमारन नायर अनुभवी शिक्षाविद्, प्रो. के. टी. माधवन एवं. डॉ. पी. जी. श्रीनिवासन ने भी योगादान दिया।

सेमिनार

परिसर के विभागों द्वारा विभिन्न अवसरों पर राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन किया गया। साहित्य विभाग ने दो सेमिनारों का आयोजन किया। पहले का आयोजन वर्णन-विधा पर राष्ट्रीय अन्योन्यक्रिया विषय पर 13-11-08 को किया गया। इसका उद्घाटन प्रो. सी. राजेन्द्रन, भाषा डीन, कालीकट विश्वविद्यालय द्वारा किया गया जिन्होंने मूल-भाव व्यक्त किए।

दूसरे सेमिनार का आयोजन एंटी विलियनिज्म एवं रसो वै सः पर 10-1-2009 को किया गया। इस अवसर पर डॉ. पी. सी. मुरलीमाधवन, प्रो. एवं साहित्य विभागाध्यक्ष, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी विदग्ध व्यक्ति उपस्थित थे। व्याकरण विभाग द्वारा 14-11-2008 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन प्रो. पी. जी. प्रेमाकुमारी, संस्कृत विभागाध्यक्ष, श्री केरल वर्मा कॉलेज, त्रिचूर द्वारा किया गया। परिचर्चा का विषय पाणिनि एवं संस्कृत था। डॉ. ए. गिरिजा, व्याकरण विभागाध्यक्ष, श्री शंकाराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी ने कारणों का विशेष उल्लेख करते हुए संस्कृत भाषा में पाणिनि व्याकरण के महत्त्व पर प्रकाश डाला। परिसर के वेदान्त विभाग द्वारा 17-11-2008 को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन प्रो. सी. चिदम्बरम, प्रो. व विभागाध्यक्ष वेदान्त, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी द्वारा मूल भाव व्यक्त

करके किया गया। प्रो. के. पी. बाबूदास, सेवानिवृत्त वेदान्त प्रोफेसर, श्री शंकर कॉलेज, कालडी ने 'अद्वैतस्य सार्वकालिकत्वम्' विषय पर पेपर पढ़ा। न्याय विभाग द्वारा 2-12-2008 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का विषय आयुर्वेद एवं शोध प्रणाली-विज्ञान में न्याय के प्रभाव एवं लाभ था। डॉ. के. वी. वासुदेवन, श्री कृष्ण कॉलेज, गुरुवायूर ने सेमिनार का उद्घाटन किया तथा 'आयुर्वेद पर न्याय का प्रभाव' विषय पर उद्बोधन किया। डॉ. के. के. अम्बिकादेवी, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी ने 'शोध प्रणाली-विज्ञान में न्याय के लाभ' पर व्याख्यान दिया।

इसी प्रकार सामान्य विभाग द्वारा 21-1-2009 से 23-1-2009 तक आधुनिक विषयों पर मलयालम, हिन्दी एवं अंग्रेजी में राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन किया गया। दिवसवार परिचर्चा के विषय थे– "नन्दन पत्तुकल, देश चरित्रम्, स्वामी विवेकानन्द एवं भारतीय दर्शन", "आख्यान कल्कि अरु आमुघम्, आधुनिक हिन्दी कथा काव्यों की परम्परा और समस्या की रात" एवं "भाषा पाठ्यक्रम में साहित्य" इन त्रिदिवसीय सेमिनारों में डॉ. ई. एच. देवी, सेवानिवृत्त प्राचार्य, गवर्नमेंट कॉलेज, पुल्लुत, डॉ, सी. सुमा नारायण, प्राचार्य, एस. एन. कॉलेज, नट्टिका, डॉ. जयलक्ष्मी, वरिष्ठ श्रेणी मलयालम व्याख्याता, एम. इ. एस. कॉलेज, वेम्बल्लुर, डॉ. हारिणी मेनन, हिन्दी विभागाध्यक्ष, श्रीकृष्ण कॉलेज, गुरुवायूर, श्री के. एल. सेबस्टियन, सेवानिवृत्त वरिष्ठ व्याख्याता (अंग्रेजी), गुरुवायूर परिसर एवं डॉ. पायस, रीडर, अंग्रेजी विभाग, सेंट अलॉयसिअस कॉजेज, एल्थुरुथ मुख्य सहयोगी थे।

अन्य कार्यकलाप

परिसर द्वारा छात्रों के शैक्षिक उत्कर्ष एवं प्रतिभा के समग्र विकास के दृष्टिगत शिक्षकों व छात्रों के मध्य साप्ताहिक अन्योन्यक्रिया हेतु वाग्वर्धिनी सभा का आयोजन किया गया। सत्र में 28-7-2008 से इसका आयोजन हुआ। इसके अतिरिक्त, परिसर द्वारा छात्रों को पारम्परिक ढंग से वाक्यार्थ निष्पादन में प्रशिक्षित करने हेतु वाक्यार्थ परिषद् का प्रबन्ध भी किया गया।

परिसर द्वारा आरम्भ किए गए हस्तलिपि संग्रह अभियान का उद्घाटन प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति ने 16-09-2008 को किया। श्री रामकृष्ण मठ के स्वामी प्रशान्तानन्द द्वारा संस्कृत के प्रसिद्ध कवि प्रो. श्रीनिवास रथ को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. गंगाधर पांडा, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं प्रो. के. जी. पोलसे, कुलपति, केरल कलामण्डलम् ने सम्बोधन किया। ललित कला एवं साहित्यिक दिवस समारोहों का आयोजन 12 व 13 जनवरी, 2009 को किया गया। श्री पुरुषण कडलुण्डी, सचिव, केरल साहित्य आकदमी एवं श्री नेल्लियोडु वासुदेवन, प्रसिद्ध कत्थकली कलाकार ने समारोह की शोभा बढ़ाई। परिसर ने खेलकूद दिवस, विवेकानन्द जयन्ती भी मनाए और रक्तदान शिविर एवं दुर्घटना एवं प्रथमोपचार अभियान में भाग लिया।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा नवम्बर 2008 में आयोजित कौमुदी महोत्सव में परिसर के छात्रों ने संस्कृत नाटक 'पञ्चकल्याणी' का मंचन किया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुरी परिसर में 23 से 25 दिसम्बर 2008 तक आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में 11 छात्रों ने सहभागिता की। आचार्य द्वितीय वर्ष की कुमारी जीश्मा गुणासिंह को न्याय पर शलाका में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

परिसर के 66 छात्रों एवं 6 शिक्षकों से युक्त 72 सदस्यीय दल को अन्त: परिसरीय खेलकूद एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं वाले युवा महोत्सव में भाग ग्रहण करने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया। छात्रों ने ललित कलाओं में 7 एवं खेलकूद में 6 पुरस्कार प्राप्त किए।

परिसर ने सितम्बर, 2008 में हिन्दी साप्ताहिक कार्यक्रम मनाया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ. सी. के. थॉमस, सहायक निदेशक, दूरदर्शन केन्द्र, त्रिशूर मुख्य अतिथि थे। प्रो. के. जी. प्रभाकरन, हिन्दी विभाग, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी ने मुख्य भाषण दिया। प्रो. के. टी. माधवन ने समारोह की अध्यक्षता की। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। परिसर का वार्षिक दिवस 2-2-2009 को मनाया गया। समारोह का उद्घाटन श्री के. आर. विश्वम्भरण, आइ. ए. एस, केरल कृषि

विश्वविद्यालय, त्रिशूर एवं श्री एम. पी. सुरेन्द्रन, उप सम्पादक, मातृभूमि, त्रिशूर द्वारा किया गया। प्राचार्य महोदय ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

छात्र कल्याण संघ एवं अभिभावक शिक्षक संघ

योग्यता-सह-उत्सुकता के आधार पर चयनित सभी कक्षाओं के छात्र प्रतिनिधियों से गठित छात्र कल्याण संघ का उद्घाटन 16-8-2008 को किया गया जिसमें डॉ. अलेक्जेंडर जैकब, इंस्पेक्टर जनरल व निदेशक, केरल पुलिस अकादमी, त्रिशूर मुख्य अतिथि थे। श्री प्रियनन्दन, फिल्म निर्देशक ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई। श्री के. एन. त्यागराजन मास्टर की योग्य अध्यक्षता में अभिभावक शिक्षक संघ 8-8-2008 को अस्तित्व में आया। इस संघ की सर्वाधिक स्मरणीय गतिविधि कक्षाओं की बैठकों का संचालन था जिनमें सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक व्यवसाय हेतु योजना विकास के लिए शिक्षक, छात्र एवं अभिभावक आगे आए।

धर्मादा पुरस्कार

(क) आचार्य साहित्य द्वितीय परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले हरि कृष्ण एम. को प्रो. के. टी. माधवन द्वारा स्थापित प्रो. एस. वेंकटकृष्णन स्मारक धर्मादा पुरस्कार प्रदान किया गया।

(ख) श्री पी. के, जोस मास्टर धमार्दा पुरस्कार निधीश एम. जी. एवं कुमारी शीमा टी. एम. को प्रदान किया गया जिन्होंने क्रमशः आचार्य (साहित्य) प्रथम वर्ष तथा शास्त्री तृतीय वर्ष मलयालम में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसे संस्था के स्टाफ ने प्रारम्भ किया।

(ग) श्री राम जानकी पुरस्कार (रु. 101/-) की स्थापना डॉ. आर. एन. दास द्वारा की गई। इसे आचार्य द्वितीय वर्ष (वेदान्त) में सर्वोच्च अंक पाने वाले प्रसाद वी. ने प्राप्त किया।

(घ) प्रो. वी. सी. वासुदेवन् एलायथ स्मारक धर्मादा पुरस्कार 250/- रुपये का है। इसकी स्थापना उनके सुपुत्र डॉ. पी. सी. मुरलीमाधवन् द्वारा की गई। इसे आचार्य द्वितीय (साहित्य) परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले हरि कृष्ण एम. ने प्राप्त किया।

(ङ) 500/- रुपये के प्रो. पी. टी. कुरियाकोसे मास्टर स्मारक धर्मादा नकद पुरस्कार की स्थापना इस संस्था के सेवा-निवृत्त वरिष्ठ श्रेणी व्याख्याता श्री के. एल सेबेस्टीयन द्वारा की गयी। यह पुरस्कार आचार्य द्वितीय की परीक्षा में सर्वोच्च अंक वाले प्रसाद वी. को प्रदान किया गया।

(च) डॉ. आर. एन. दास द्वारा स्थापित हनुमंत पुरस्कार आचार्य द्वितीय (व्याकरण) परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाली अंजु एम. आर. को प्रदान किया गया।

5.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर एवं राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामंत्री, भारत सरकार को किये गये अनुरोध के फलस्वरूप मई 1983 में जयपुर में हुई। अब इसका परिवर्तित नाम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) का जयपुर परिसर है। इस परिसर को जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 7.27 एकड़ भूमि त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर में रेलवे स्टेशन से लगभग 12 किलोमीटर दूर उपलब्ध कराई गई है। परिसर के मुख्य भवन का निर्माण तथा छात्र-छात्राओं के छात्रावास तथा नौ कर्मचारी आवास रुपये 6.00 करोड़ की लागत से पूरे हो चुके हैं।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके पश्चात् विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि दी जाती है। इसके साथ साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, धर्मशास्त्र, जैन दर्शन में आचार्य एवं शास्त्री स्तर का अध्यापन होता है, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) शास्त्री स्तर पर तथा प्राक्

शास्त्री का सीनियर सेकण्डरी स्तर पर अध्यापन होता है। परिसर द्वारा शिक्षा आचार्य (एम. एड.) कार्यक्रम भी संचालित किया जाता है। इसके अतिरिक्त छात्रों को कम्प्यूटर शिक्षा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

विचाराधीन वर्ष में, विभिन्न कक्षाओं में कुल 747 छात्रों का पंजीकरण हुआ है। 235 छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

पाठ्य-सह एवं पाठ्येतर गतिविधियाँ

परिसर में वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन 25-2-09 को किया गया। उसमें डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर खेलकूद एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गये।

(i) परिसर में हिन्दी दिवस एवं संस्कृत दिवस मनाया गया। संस्कृत दिवस कार्यक्रम के समय डॉ. हरिराम आचार्य, श्री कलानाथ शास्त्री तथा परिसर के संकाय सदस्यों ने व्याख्यान दिए। छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

(ii) डॉ. राम चन्द्र पाण्डेय, वाराणसी द्वारा ज्योतिष पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया।

(iii) संस्कृत थियेटर पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें ग्वालियर के विद्वान प्रो. कमल वशिष्ट को आमन्त्रित किया गया। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के प्रो. देवी प्रसाद ने वास्तु-शास्त्र पर विशिष्ट व्याख्यान दिया।

(iv) प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति की अध्यक्षता में पंडित मधुसूदन ओझा व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। उसमें डॉ. गया चरण त्रिपाठी ने ऋग्वेद काव्य शास्त्रीयम् चिन्तनम् पर उत्कृष्ट व्याख्यान दिया। परिसर में आधुनिक संस्कृत साहित्य पर राष्ट्रिय सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो. प्रभु नाथ द्विवेदी, डॉ. कलानाथ शास्त्री एवं डॉ. हरिराम आचार्य जैसे विद्वानों ने भाग लिया। समापन समारोह में डॉ. आर. के. शर्मा, संस्थापक निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी भी उपस्थित थे।

डॉ. पुष्पा दीक्षित के मार्गदर्शन में पाणिनि पाठ विज्ञानम् नाम से व्याकरण पर 21 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 134 शिक्षकों एवं छात्रों ने सहभागिता की। वेदान्त कार्यशाला में प्रो. पारसनाथ द्विवेदी ने वेदान्त परिभाषा पर प्रकाश डाला। एक सौ से अधिक शिक्षकों व छात्रों ने कार्यशाला में भाग लिया। परिसर के रजत जयन्ती समारोह में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, प्रो. राम करण शर्मा तथा डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी उपस्थित थे। उन्होंने परिसर के सेवानिवृत्त एवं संस्थापक सदस्यों को सम्मानित किया।

परिसर ने शिक्षा शास्त्री के छात्रों के लिए दस दिवसीय प्रथमोपचार सहायता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। इसी प्रकार बालकों एवं बालिकाओं के लिए क्रमशः 10 दिवसीय व 7 दिवसीय स्काउट और गाइड शिविर का आयोजन किया गया। छात्रों ने अपने शैक्षिक भ्रमण में अलवर जिले में भर्तृहरि एवं सरिस्का अभयारण्य की यात्रा की। परिसर में संस्कृत सप्ताह समारोह का भी आयोजन किया गया। छात्रों ने शैक्षिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्साह से भाग लिया। रामेश्वर शर्मा, आचार्य द्वितीय वर्ष ने राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। छात्रों ने पुरी परिसर में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा एवं शलाका में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित अन्य साहित्यक प्रतियोगिताओं में भी पुरस्कार प्राप्त किए। पुरी परिसर में आयोजित युवा महोत्सव के अवसर पर परिसर के छात्रों एवं छात्राओं ने अच्छा प्रदर्शन किया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किए। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने डॉ. हिन्द केसरी एवं डॉ. ओमप्रकाश भदाना की प्ररेणा से परिसर में 120 वृक्ष रोपित किए। स्वयंसेवकों ने परिसर एवं समीप की गन्दी बस्ती की सफाई हेतु स्वैच्छिक सेवा प्रदान की। उन्होंने सन्तोकबा दुर्लभजी अस्पताल के संयोजन से रक्तदान शिविर की भी व्यवस्था की।

संकाय सदस्यों के कार्यकलाप

संकाय सदस्यों ने अपने अध्यापन कार्य के अतिरिक्त सम्बद्ध गतिविधियों में भाग लिया-

1. डॉ. हिन्द केसरी – कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में वाक्यपदीय का शिक्षण दिया।
2. डॉ. अर्क नाथ चौधरी – उज्जैन एवं जयपुर में अन्य अवसरों पर व्याख्यान दिए तथा यू. जी. सी. द्वारा प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में अध्यापन कार्य भी किया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली में दूरस्थ शिक्षा हेतु पाठ-निर्माण में सहयोग दिया।
3. डॉ. रमाकान्त पाण्डेय – बी. एच. यू. वाराणसी में सेमिनार में उपस्थित हुए।
4. डॉ. विष्णु कान्त पाण्डेय – पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
5. डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी – पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता की।
6. डॉ. वाइ. एस. रमेश – जयपुर में यू. जी. सी. द्वारा प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्य-क्रम में अध्यापन कार्य किया।

संकाय सदस्यों ने अपने आठ ग्रन्थों का भी प्रकाशन किया।

5.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अपने अंगीभूत केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को 1986 में लखनऊ में स्थापित किया गया। मानित विश्वविद्यालय की पदवी प्राप्ति के पश्चात् संस्थान द्वारा इसका नाम परिवर्तित करके 'लखनऊ परिसर' रखा गया। इस परिसर हेतु 10 एकड़ भूमि गोमती नगर, विशाल खण्ड में लखनऊ विकास प्राधिकरण से प्राप्त की गई। यह रेलवे स्टेशन से लगभग 12 कि. मी. की दूरी पर स्थित है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा परिसर में रु. 2.76 करोड़ की लागत से मुख्य भवन का निर्माण हो चुका है और परिसर के क्रियाकलाप वहाँ प्रारम्भ हो गए हैं। द्वितीय चरण में छात्र-छात्राओं हेतु छात्रावास का कार्य प्रगति पर है तथा कर्मचारियों हेतु न्यूनतम आवास के निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके पश्चात् विद्यावारिधि (पी-एच.डी) की उपाधि दी जाती है। साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष तथा बौद्ध दर्शन में शिक्षा आचार्य एवं शास्त्री स्तर पर, शिक्षा शास्त्री के(बी.एड.) शास्त्री स्तर तथा प्राक् शास्त्री के इण्टर स्तर पर शिक्षा दी जाती है। हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र तथा कम्प्यूटर शिक्षा जैसे आधुनिक विषयों को पारंपरिक विषयों के साथ शास्त्री स्तर पर पढ़ाया जाता है। खेलकूद एवं योग गतिविधियों हेतु यहां एक विशाल क्रीड़ा-क्षेत्र है। शिक्षकों तथा छात्रों हेतु यहाँ एक समृद्ध पुस्तकालय भी है। प्रशिक्षणाधीन छात्रों के लाभार्थ शिक्षा-शास्त्र विभाग की प्रयोगशाला आधुनिक मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षणिक प्रविधि उपकरणों से सज्जित है।

2008-09 के दौरान विभिन्न कक्षाओं में कुल 236 विद्यार्थियों को प्रवेश मिला। इनमें से 57 छात्राएँ थीं। 136 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गयी। विद्यावारिधि शोध उपाधि हेतु सात विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया।

कार्यकलाप

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) की अध्यक्षता में महामहोपाध्याय पण्डित गोपीनाथ कविराज की स्मृति में एक व्याख्यान माला आयोजित की गई। प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने उद्घाटन सत्र में उद्बोधन किया। प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली तथा प्रो. राम चन्द्र पाण्डेय, वाराणसी ने अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। इसके अतिरिक्ति, प्रो. गंगाधर पाण्डा, प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय, प्रो. राम रत्न शुक्ल एवं प्रो. श्रीनिवासाचार्य ने क्रमशः शिक्षा शास्त्र, ज्योतिष, व्याकरण एवं बौद्ध दर्शन विषयों पर व्याख्यान दिए।

कुलपति महोदय से प्रेरित होकर परिसर ने ज्योतिष, व्याकरण, बौद्ध दर्शन एवं शिक्षा शास्त्र शाखाओं में संस्कृत कार्यों की कम्प्यूटरीकरण योजना को डॉ. सर्व नारायण झा, डॉ. शिव कुमार चतुर्वेदी, डॉ. विजय कुमार

जैन तथा डॉ. लोकमान्य मिश्र के संयोजकत्व में प्रारम्भ किया। परिणाम स्वरूप शास्त्रीय मूल-पाठ सभी को इंटरनेट पर उपलब्ध होंगे। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण हेतु केन्द्र तथा वाग्वर्धिनी सभा की नियमित बैठकों की भी व्यवस्था की गई। शिक्षा शास्त्र के छात्रों हेतु परिसर ने प्रथमोपचार प्रशिक्षण शिविर का अयोजन 2 से 12 सितम्बर 2008 तक, स्काउट और गाइड शिविर का आयोजन 7 से 26 जनवरी, 2009 तक किया। साथ-साथ, हरिद्वार एवं ऋषिकेश तक शैक्षिक भ्रमण की भी व्यवस्था की गई।

परिसर के तीन छात्रों ने तिरुपति में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत विद्यार्थी प्रतिभा समारोह में भाग लिया और चार छात्रों ने सागर में आयोजित नाटक प्रशिक्षण सम्बन्धी दो कार्यशालाओं में भाग लिया। इसके अतिरिक्त छात्रों ने डॉ. राम लखन पाण्डेय, डॉ. धनेन्द्र झा एवं डॉ. कविता विसारिया के निर्देशन में तीन संस्कृत नाटकों का मंचन किया। 'चण्ड कौशिकम्' का मंचन इन्दौर में 22 जुलाई, 2008 को किया गया तथा वाल्मीकि रंगशाला, लखनऊ में भी मंचन किया गया। दो छात्रों ने डॉ. रामलखन पाण्डेय के निर्देशन में पूर्वरंग में सहभागिता की। परिसर द्वारा 18 अगस्त से 20 अगस्त, 2008 तक संस्कृत भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया तथा शिक्षा दिवस व हिन्दी सप्ताह भी मनाया गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा पुरी परिसर में आयोजित युवा महोत्सव में परिसर के छात्रों ने अति उत्साह से भाग लिया एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किये।

कबड्डी टीम के रोहिताश, अनुज, नवीन कुमार, राजबीर सिंह, धीरज उपाध्याय छात्रों ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। मीरा यादव व उषा प्रजापति को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा विकास भारती, मनीष कुमार व सचिन कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उनके कोच डॉ. गजेन्द्र शर्मा थे। परिसर के पाँच छात्रों के दल ने जालन्धर में आयोजित अन्तर विश्वविद्यालय बैडमिन्टन प्रतियोगिता में प्रथम बार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) का प्रतिनिधित्व किया। छात्रों ने पुरी में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में भाग लिया। सन्दीप कुमार व दिनेश कुमार को क्रमशः साहित्य एवं व्याकरण शलाका में पुरस्कार प्राप्त हुआ।

संकाय सदस्यों के अन्य कार्यकलाप

डॉ. सर्व नारायण झा

(i) परिशीलनम् एवं गोमती पत्रिकाओं में पेपर प्रकाशित किये।

(ii) डिजिटल कंटेंट जेनरेशन कार्यशाला में सहभागिता की।

डॉ. श्याम देव मिश्र

(i) दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम हेतु बीजगणित पर तीन पाठ तैयार किए।

(ii) बी. एच. यू. एवं उत्तराञ्चल संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलनों में भाग लिया।

(iii) लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यू. जी. सी. अभिविन्यास पाठ्यक्रम में सहभागिता की।

डॉ. बटोही झा

(i) कुरुक्षेत्र में आयोजित प्राच्य सम्मेलन में सहभागिता की तथा व्याख्यान दिए।

(ii) ऑल इण्डिया रेडियो पर काव्य-पाठ किया।

(iii) के. एस. डी. संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा में व्याख्यान दिए। धार में व अन्य अवसरों पर कालिदास अकादमी कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

(iv) अजर्स पत्रिका में पेपर प्रकाशित किया।

डॉ. रामलखन पाण्डेय

(i) दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम हेतु आचार्य प्रथम वर्ष के पेपर निर्माण में सहभागिता की।

(ii) जयपुर में आयोजित सेमिनार में सहभागिता की एवं पेपर पढ़ा।

(iii) परिशीलनम् पत्रिका के सम्पादक का कार्यभार सम्भाला।

डॉ. गजाला अंसारी

(i) इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉक्टर की उपाधि प्राप्त की।

(ii) लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यू. जी. सी. अभिविन्यास पाठ्यक्रम में उपस्थित रही।

डॉ. पवन कुमार

पत्रिकाओं में सात शोध पेपर प्रकाशित किए।

डॉ. विजय कुमार जैन

(i) प्रमाणवर्तिका एवं न्यायबिन्दु ग्रन्थों का कम्प्यूटरीकरण किया।

(ii) सेमिनारों में सहभागिता की तथा पेपर पढ़े।

(iii) छः लेख प्रकाशित किए।

(iv) श्रुत संवर्धन संस्थान, मेरठ तथा दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद् द्वारा सम्मानित किए गए।

डॉ. लक्ष्मी निवास पाण्डेय

(i) अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन, कुरुक्षेत्र और विदिशा में सहभागिता की तथा पेपर पढ़े।

(ii) यू. पी. संस्कृत संस्थान में कविता-पाठ किया।

डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यू. जी. सी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सम्मिलित हुए।

डॉ. शिव कुमार चतुर्वेदी

संस्कृत ग्रन्थों के कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रमों में मार्गदर्शन किया।

डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाठक

ज्ञानायनी में लेख प्रकाशित किया।

डॉ. धनेन्द्र झा

नई दिल्ली में आयोजित ग्रन्थों के कम्प्यूटरीकरण सम्बन्धी कार्यशाला में सहभागिता की तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहयोग दिया।

डॉ. भारत भूषण त्रिपाठी

विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं हेतु छात्रों का मार्गदर्शन किया।

5.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने श्री राजीव गाँधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना अपने अंगीभूत एकक के रूप में शृंगेरी में 13 जनवरी, 1992 को की। मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में दिनांक 05.03.92 के शुभ दिन पर भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरमण के हाथों इस परिसर का उद्घाटन हुआ। इसका पुनः नामकरण अब राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के श्री राजीव गाँधी परिसर के नाम से किया गया है। परिसर हेतु राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी में 10 एकड़ भूमि प्रदान की गयी है जो कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर जिले में स्थित है जो मैंगलौर से 110 कि.मी., बंगलौर से 450 कि.मी., उडुपी से 70 कि.मी. और शिमोगा से 60 कि. मी. की दूरी पर स्थित है। शिमोगा बंगलौर से रेल मार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा रु. 1.63 करोड़ की लागत से परिसर के मुख्य भवन का निर्माण किया गया है। द्वितीय चरण में, बालक एवं बालिकाओं हेतु छात्रावास, न्यूनतम कर्मचारी आवास का निर्माण रु. 4.17 करोड़ की लागत पर होने को है।

परिसर साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा और नव्य न्याय की शिक्षा आचार्य एवं शास्त्री स्तर पर, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) की शास्त्री स्तर पर और प्राक् शास्त्री की इण्टर स्तर पर प्रदान कर रहा है। यहाँ शोध कार्य भी होता है जिसको सम्पन्न करने पर शोध छात्र को विद्यावारिधि (पी-एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। आधुनिक विषयों तथा कम्प्यूटर का शिक्षण भी दिया जाता है।

वर्ष 2008-09 के शैक्षिक वर्ष में, परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 325 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

उनमें से 13 छात्र अ.जा., 14 अ.ज.जा. के थे तथा 87 छात्राएँ थीं। 40 छात्रों और 23 छात्राओं को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई। जगद्गुरु श्री श्री भरती तीर्थ महास्वामी जी, मुख्य प्रशासक, शृंगेरी श्री शारदापीठ के आशीर्वाद से परिसर के सभी छात्रों को दिन में दो बार भोजन करवाया जाता है।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

छात्रों व संकाय सदस्यों के लाभार्थ 'श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला' शीर्षक से विस्तार भाषणमाला का प्रबन्ध किया गया।

डॉ. सुब्राय वी. भट, रीडर व मीमांसा विभागाध्यक्ष एवं डॉ. चन्द्रकला कोंडी, साहित्य व्याख्याता इस कार्यक्रम के संयोजक थे। इस वर्ष परिसर में पढ़ाए जाने वाले सात शास्त्रों में व्याख्यान माला की व्यवस्था की गई तथा इस हेतु सुविख्यात विद्वानों को आमन्त्रित किया गया। कार्यक्रम का विस्तृत वर्णन अधोलिखित है।

(क) दिनांक 19-7-08 को डॉ. लोकमान्य मिश्र, मुम्बई परिसर के शिक्षा संकाय के विभागाध्यक्ष ने विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग पर भाषण दिया।

(ख) दिनांक 29-8-08 को प्रो. मुरली माधवन्, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी के साहित्य संकाय के विभागाध्यक्ष ने अलंकार शास्त्र विमर्श पर भाषण दिया।

(ग) दिनांक 19-9-08 को प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, कुलपति, वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति ने संस्कृत के क्षेत्र में वैज्ञानिक अभिगम विधि पर भाषण दिया।

(घ) दिनांक 22-9-08 को प्रो. कृष्ण मूर्ति जी. के. ने औपनिषदम् ब्राह्मण पर भाषण दिया।

(ङ) दिनांक 21-10-08 को प्रो. के ई. देवनाथन्, डीन, दर्शन संकाय, आर. एस. विद्यापीठ, तिरुपति ने न्याय कुसुमाञ्जलि कर्त्रुदयनाचार्यानाम् सूक्ष्मेक्षिक विषयाः पर व्याख्यान दिया।

(च) दिनांक 17-11-08 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित श्री मणि द्रविड शास्त्री, वरिष्ठ व्याख्याता, चेन्नई संस्कृत कॉलेज ने शास्त्रान्तरेषु मीमांसा न्यायानामुपयोगः पर व्याख्यान दिया।

(छ) दिनांक 11-12-08 को प्रो. जे. रामकृष्ण, व्याकरण संकाय विभागाध्यक्ष, आर. एस. विद्यापीठ, तिरुपति ने पाणिनीयम् सुभाषितम् पर व्याख्यान दिया।

वाक्यार्थ परिषद्

परिसर में पहले वाक्यार्थ परिषद् आरम्भ की गई थी जिसमें परिसर के संकाय सदस्यों द्वारा परिसर के छात्रों एवं व्याख्याताओं के हित में अपने सम्बन्धित शास्त्रीय वाक्यार्थ निष्पादित करने होते हैं। कार्यक्रम का आयोजन इस प्रकार से किया गया –

1. उद्घाटन समारोह एवं प्रथम बैठक : 22-7-08 को संस्कृत महापाठशाला, उडुपी के विद्वान डॉ. लक्ष्मी नारायण भट ने समारोह की शोभा बढ़ाई तथा दीप प्रज्वलित करके उद्घाटन किया। इस दिन डॉ. सी. एस. एस. एन. मूर्ति, व्याकरण विभागाध्यक्ष, डॉ, इ. एम. राजन, साहित्य विभागाध्यक्ष ने क्रमशः प्रत्याहार तथा सञ्चारीभाव पर व्याख्यान दिए।
2. प्रो. ए. पी. सच्चिदानन्द, शिक्षा-शास्त्र विभागाध्यक्ष, डॉ. महाबलेश्वर पी. भट, वेदान्त विभागाध्यक्ष, डॉ. ई. पी. श्रीदेवी, साहित्य में वरिष्ठ व्याख्याता एवं डॉ. सोमनाथ साहु, शिक्षा-शास्त्र में व्याख्याता ने 26-8-08 को क्रमशः मूल्याधारित शिक्षा, जन्माद्यधिकरणम्, अभिव्यक्तिवाद तथा अनुभववाद पर वाक्यार्थ परिषद् के द्वितीय सत्र में व्याख्यान दिए।
3. दिनांक 23-9-08 को आयोजित वाक्यार्थ परिषद् के तृतीय सत्र में डॉ. चन्द्र कला आर. कोण्डी, साहित्य व्याख्याता, डॉ. गणेश. टी. पण्डित, शिक्षा-शास्त्र व्याख्याता तथा श्री शंकर एम. हेब्बर ने क्रमशः रसवादालंकार, सिमुलस थ्योरी तथा सोमहा पर व्याख्यान दिए।
4. दिनांक 21-10-2008 को डॉ. सुब्राय वी भट, रीडर व मीमांसा विभागाध्यक्ष, डॉ. राघवेन्द्र भट, साहित्य व्याख्याता, डॉ. गिरिधर राव के, शिक्षा व्याख्याता ने क्रमशः शब्दार्थ विचार, काव्य स्वरूपम् एवं सर्जनात्मकता पर व्याख्यान दिए।

5. दिनांक 25-11-2008 को डॉ. नवीन होल्ला, न्याय विभागाध्यक्ष, डॉ. भगवान सामन्त राय, ए. वेदान्त व्याख्याता, श्री मधुकेश्वर भट, व्याकरण व्याख्याता, श्री अनन्त कृष्ण, न्याय व्याख्याता ने क्रमशः अन्यथाख्याति, अव्यक्तशब्दविचार, तपरास्तत्कालस्य एवं व्युत्पत्तिवादे तृतीयार्थविचारः पर परिचर्चा की।

6. दिनांक 12-12-2008 को डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी, शिक्षा-शास्त्र वरिष्ठ व्याख्याता, डॉ. रमाकान्त मिश्र, शिक्षा-शास्त्र वरिष्ठ व्याख्याता, डॉ. चन्द्रशेखर भट, व्याकरण व्याख्याता, डॉ. सूर्यनारायण भट, मीमांसा व्याख्याता तथा श्री श्यामसुन्दर भट, न्याय व्याख्याता ने क्रमशः तत्त्वशास्त्रम् वाचामनोवैज्ञानिक आधारः, मुखनासिका वाचनोनुनासिकः, करत्वार्थ पुरुषार्थ विचारः तथा प्रवृत्तिकरणाथ विचारः पर अपने वाक्यार्थ प्रस्तुत किए।

7. दिनांक 27-1-09 को डॉ. गणेश ईश्वर भट, वेदान्त व्याख्याता, च. के. पद्मनाभम, व्याकरण व्याख्याता ने क्रमशः एकविज्ञाने सर्व विज्ञानम् तथा कर्म कर्तु प्रक्रिया पर परिचर्चा की। विदाई समारोह उसी दिन सम्पन्न हुआ।

शिक्षा पर राष्ट्रीय सेमिनारः

परिसर द्वारा मौलना अब्दुल कलाम आजाद जयन्ती समारोह के अवसर पर दिनांक 11-11-08 को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। डॉ. महाबलेश्वर राव, प्राचार्य एम.ए. पाई कॉलेज ऑफ एजुकेशन, उडुपी तथा प्रो. एस. रामकृष्ण, जे. सी. बी. एम कॉलेज, शृंगेरी के विभागाध्यक्ष कार्यक्रम के सत्रीय अध्यक्ष थे। देश के विभिन्न भागों से 25 से अधिक विद्वानों ने सेमिनार में भाग लिया। प्रो. ए. पी. सच्चिदानन्द, शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. रमाकान्त मिश्र, शिक्षा-शास्त्र के वरिष्ठ व्याख्याता ने परिसर के मार्गदर्शन में समस्त कार्यक्रम का संयोजन किया।

संस्कृत वाग्मिता एवं अभिविन्यास कार्यक्रम

संस्कृत वाग्मिता कौशल के संवर्धन हेतु संस्थान ने नवशिष्यों के लिए 10 दिवसीय वाग्मिता पाठ्यक्रम का संचालन किया। इसके अतिरिक्त बड़ी आयु वालों के लिए अनुस्थापन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इसे प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष, प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष तथा शास्त्री प्रथम वर्ष - इन तीन चरणों में संचालित किया गया। प्राचार्य महोदय के मार्गदर्शन में डॉ. वेंकटरमण भट, श्री शंकर एम. हेब्बर, डॉ. चन्द्रशेखर भट, डॉ. गणेश ईश्वर भट, डॉ. गणेश पण्डित एवं डॉ. के गिरिधर राव ने कार्यक्रमों का संयोजन किया।

वाग्वर्धिनी परिषद्

परिसर के प्राचार्य के उत्कृष्ट मार्गदर्शन में डॉ. राघवेन्द्र भट एवं डॉ. सोमनाथ साहु के संयोजकत्व में वाग्वर्धिनी परिषद् के सफल परिणाम सामने आए। कक्षाओं से एक-एक प्रतिनिधि के अतिरिक्त, श्री सुब्रह्मण्य भट एवं कुमारी कुमुद राव को एकमत से परिषद् का सचिव चुना गया। परिषद् का उद्घाटन संस्कृत भारती के राष्ट्रीय मन्त्री चमू कृष्ण शास्त्री द्वारा किया गया। उच्चतर एवं निम्नतर स्तरों में कुल सत्रह सत्र आयोजित किए गए।

वाग्वर्धिनी का समापन समारोह

परिसर में वाग्वर्धिनी महोत्सव का आयोजन 29 से 31 जनवरी, 2009 तक उत्सव-सम्बन्धी जोश में किया गया। श्री मठ, शृंगेरी के प्रशासक को मुख्य अतिथि के रूप में आमन्त्रित किया गया। श्री ए. सच्चिदानन्द मूर्ति एवं श्री वेंकटरमण भट ने गीतावधानम् तथा अष्टावधानम् प्रस्तुत किए। सायंकाल को अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। भव्य समापन समारोह के अवसर पर परिसर के प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन ने वाग्वर्धिनी सभाओं के नियमित अवलोकन से छात्रों में आए क्रमिक परिवर्धन पर प्रकाश डाला।

संस्कृतोत्सव

परिसर में संस्कृत महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। परम सन्त श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी ने अनुग्रह भाषण से उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई। शृंगेरी के आसपास के उच्च विद्यालयों के छात्रों हेतु अनेक श्लोकोच्चारण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। परिसर के प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन् ने छात्रों की ओर से शपथ ग्रहण की कि परिसर में संस्कृत में ही

वार्तालाप किया जाएगा। परिसर के छात्रों ने उरुभंग नाटक का संस्कृत में प्रदर्शन किया। प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द, डॉ. सी. एस. एस. एन. मूर्ति तथा डॉ. सूर्यनारायण भट ने त्रिदिवसीय कार्यक्रम का संयोजन किया।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

डॉ. भगवान सामन्तराय के संयोजकत्व में श्री टी. आर. कृष्णमूर्ति ने शृंगेरी में अध्येताओं को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के अन्तर्गत प्रशिक्षित किया। परिसर के प्राचार्य महोदय द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र का उद्घाटन 6-9-08 को किया गया।

वर्ष के दौरान संकाय सदस्यों के कार्यकलाप

1. प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द

एस जे एस यू. के निमन्त्रण पर जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में गए। वहाँ 23 से 31मार्च, 2009 तक छात्रों व संकाय सदस्यों के साथ ज्योतिष पर जीवंत अन्योन्यक्रिया की।

जी. बी. एस. कॉलेज, बलेहोन्नुर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर शिक्षा में नैतिक-मूल्य पर व्याख्यान दिया तथा डी. एड. के छात्रों व शिक्षकों के साथ उन्मुक्त वातावरण में अन्योन्यक्रिया की।

2. डॉ ई. एम. राजन

त्रिशूर में आयोजित सेमिनार में सहभागिता की जिसका संचालन त्रिशिवपुर ब्रह्म स्वमठ द्वारा किया गया। कुरुक्षेत्र में आयोजित प्राच्य सम्मेलन में उपस्थित हुए। शंकराचार्य विश्वविद्यालय, कोइलण्डी परिसर, कालडी में विदग्ध व्यक्ति के रूप में उपस्थित हुए।

3. डॉ. महाबलेश्वर पी. भट

स्वर्णवल्ली मठ, सिरसी में वेदान्त पर भाषण दिया। बेंगलोर में वेदान्त भारती द्वारा आयोजित वेदान्त गोष्ठी में भाग लिया। नवम्बर, 2008 में आनन्द मीमांसा विषय पर मेंगलौर में आयोजित सेमिनार में भाग लिया। उनके मार्गदर्शन में एक शोध छात्र ने पीएच. डी. की उपाधि प्राप्त की।

4. डॉ. सुब्राय वी. भट

शृंगेरी श्री मठ की महागणपति वाक्यार्थ सभा में वाक्यार्थ प्रस्तुत किया। उनके मार्गदर्शन में एक शोध छात्र को पीएच. डी. की उपाधि प्रदान की गई।

5. डॉ. रमाकान्त मिश्र

दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा दिल्ली में आयोजित त्रिदिवसीय संस्कृत सम्मेलन में सहभागिता की। जगद्गुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर में संस्कृत शिक्षण नवाचारः पर पेपर पढ़ा। राष्ट्रीय कार्यशाला, तिरुपति में सहभागिता की। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में 18 नवम्बर से 8 दिसम्बर, 2009 तक आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में उपस्थित रहे। परिसर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का संयोजन किया।

6. डॉ. ई. पी. श्रीदेवी

त्रिशिवपुरब्रह्मस्वमठ द्वारा त्रिशूर में आयोजित सेमिनार में सहभागिता की। परिसर के प्राचार्य महोदय ने उनके द्वारा लिखित कुटियाट्टकल पुस्तक का लोकार्पण किया।

7. डॉ. राम चन्दुल बालाजी

तिरुपति में शिक्षा में प्रभावी मूल्यांकन प्रविधि विकसित करने पर कार्यशाला में भाग लिया। जगद्गुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित संस्कृत शिक्षण में आधुनिक प्रवृत्तियों पर सेमिनार में भाग लिया।

8. डॉ. सी. एस. एस. नरसिंह मूर्ति

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर में भूषणसार पर आयोजित सेमिनार में भाग लिया। कुरुक्षेत्र में आयोजित प्राच्य सम्मेलन में भाग लिया। श्री मठ, शृंगेरी में आयोजित महागणपति वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की।

9. डॉ. नवीन होल्ला

मैसूर विश्वविद्यालय में आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम में सम्मिलित हुए। श्रीमठ, शृंगेरी में आयोजित महागणपति वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की।

10. डॉ. चन्द्रशेखर भट

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर में भूषणसार पर आयोजित सेमिनार में सम्मिलित हुए। स्वर्णवल्ली मठ, सिरसी में आयोजित वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की।

11. श्री च. के. पद्मनाभम

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर में भूषणसार पर आयोजित सेमिनार में सम्मिलित हुए। श्री मठ, शृंगेरी में आयोजित महागणपति वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में 18 नवम्बर से 8 दिस्म्बर, 2008 तक आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

12 डॉ. गणेश ईश्वर भट

स्वर्णवल्ली मठ, सिरसी में आयोजित वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की। कुरुक्षेत्र में आयोजित प्राच्य सम्मेलन में भाग लिया। वेदान्त भारती द्वारा बेंगलोर में आयोजित वेदान्त गोष्ठी में भाग लिया। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में 18 नवम्बर से 8 दिसम्बर, 2008 तक आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में उपस्थित रहे।

13. डॉ. भगवान सामन्तराय

श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुवनमलाई में आयोजित सेमिनार में भाग लिया। राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी द्वारा आयोजित राष्ट्रिय सेमिनार में सम्मिलित हुए।

14. डॉ. सोमनाथ साहू

श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुवनमलाई में आयोजित सेमिनार में भाग लिया। ' न्यू विस्टास इन द टीचिंग लर्निंग ऑफ कम्यूनिकेटिव इंग्लिश' पर मुदुबिद्रे में आयोजित समिनार में सहभागिता की। राजीव गाधी परिसर, शृंगेरी द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेमिनार में सम्मिलित हुए। प्रो. आर. देवनाथन के मार्गदर्शन में वृत्तिसंतृप्तेः अध्ययनम् पर 4 नवम्बर, 2009 को द्वितीय पी.एच. डी. की उपाधि प्राप्त की।

15. डॉ. चन्द्रकला आर.कोण्डी

कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ में पुराणेषु पुरुषार्थः पर भाषण दिया। लोकपुर में गीता सन्देश पर भाषण दिया।

16. डॉ. सूर्यनारायण भट

राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में व्याख्यान दिया। स्वर्णवल्ली मठ, सिरसी में आयोजित वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की। सान्तु मुक्तबाइ विश्वविद्यालय, पुणे में आयुर्वेद संस्कृतम् पर भाषण दिया। राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेमिनार में सम्मिलित हुए।

17. डॉ. गणेश टी. पण्डित

राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेमिनार में सम्मिलित हुए। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति से पी-एच. डी. उपाधि प्राप्त की।

18. डॉ. के. गिरिधर राव

राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी द्वारा 4 मई से 10 मई 2008 तक संचालित कार्यक्रम में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के छात्रों को अध्यापनार्थ सम्मिलित हुए। पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ, बेंगलोर में आयोजित शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में शिक्षक के रूप में सहभागिता की। राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा पी. एच. डी. उपाधि प्रदान की गई। राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

19. श्री मधुकेश्वर भट

राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी द्वारा संचालित राष्ट्रिय सेमिनार में भाग लिया।

20. श्री शंकर एम. हेब्बर

राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी द्वारा संचालित राष्ट्रिय सेमिनार में भाग लिया।

21. श्री श्यामसुन्दर भट

श्री मठ, शृंगेरी द्वारा आयोजित महागणपति वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की।

22. श्री एम. एस. विनय

न्यू विस्टास इन द टीचिंग-लर्निंग ऑफ कम्यूनिकेटिव इंगलिश पर मुदुबिद्रे में आयोजित सेमिनार में सहभागिता की।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने पुरी परिसर में विभिन्न शास्त्रों पर अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा, अन्तः परिसर खेलकूद प्रतियोगिता के प्रतिनिधित्व में युवा महोत्सव एवं साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। परिसर के छात्रों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया। पन्द्रह छात्रों ने सांस्कृतिक व साहित्यिक प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किये। छात्रों के लिए स्काउट और गाइड शिविर का अयोजन 3 से 11जनवरी, 2009 तक किया गया। शैक्षिक भ्रमण की व्यवस्था 6 व 7 मार्च, 2009 को की गई। इसी प्रकार, 25 मार्च, 2009 से दस दिवसीय प्रथमोपचार प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया।

वार्षिक दिवस समारोहः वर्ष 2008-09 के वार्षिक समारोह का आयोजन परम सन्त श्री श्री भारती तीरथ महास्वामीजी की मंगलमय उपस्थिति में 17-12-08 को किया गया। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने समारोह की शोभा बढ़ाई। कुलपति महोदय ने प्रातः कालीन सत्र में छात्रों को पुरस्कार वितरित किए। मुख्य प्रशासक ने अनुग्रह भाषण से समारोह को शुभाशीर्वाद दिया। समूह को सम्बोधित करते हुए कुलपति महोदय ने देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले परिसर के छात्रों का अभिनन्दन किया। परिसर के प्राचार्य प्रो. रामानुज देवनाथन ने परिसर की प्रगति का आरम्भ से उल्लेख किया। छात्रों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया। प्रो. ए. पी. सच्चिदानन्द ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

5.8 गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भारतीय स्वाधीनता के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में हिमाचल प्रदेश के गरली नामक स्थान पर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। इस विद्यापीठ का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षा राज्य मंत्री के द्वारा हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्य मंत्री की उपस्थिति में 16 सितम्बर, 1997 के शुभ दिन को किया गया। इसका नामकरण अब पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के गरली परिसर के रूप में किया गया है। परिसर अभी किराये के भवन में चल रहा है। परिसर हेतु हिमाचल प्रदेश सरकार ने गाँव बलहर, समीप प्रागपुर, तहसील देहरा, जिला काँगड़ा में 2-63-18 हेक्टेयर उपयुक्त भूमि आबंटित की है।

जीवन के सभी क्षेत्रों से सम्बद्ध छात्रों को प्राक् शास्त्री का शिक्षण इण्टर स्तर पर और साहित्य, ज्योतिष तथा व्याकरण विद्या विशेषों का शिक्षण शास्त्री एवं आचार्य स्तरों पर दिया जाता है। शोध-छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्राप्त करवाने की दिशा में शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाता है। कम्प्यूटर शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन, हिन्दी, अंग्रेजी और इतिहास जैसे आधुनिक विषय भी पाठ्यक्रम के भाग के रूप में पढ़ाए जाते हैं।

शैक्षिक सत्र 2008-09 के दौरान 400 छात्रों ने प्राक् शास्त्री से आचार्य तक की कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त किया। उनमें से 195 छात्राएँ थीं शैक्षणिक कार्यकलाप जुलाई, 2008 में आरम्भ हुए।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

परिसर द्वारा संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन 13 से 19 अगस्त, 2008 तक किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ देवी सरस्वती की पूजा के साथ किया गया। डॉ. उमा रमण झा, भूतपूर्ण प्राचार्य, लखनऊ परिसर बिदाई समारोह में मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य महोदय ने की। इसी प्रकार हिन्दी दिवस 23 व 24 सितम्बर, 2008 को मनाया गया। इस अवसर पर, श्री सन्दीप कुमार के मार्गदर्शन में छात्रों की भाषण प्रतियोगिता का संचालन किया गया। इसके अतिरिक्त,

प्राचार्य प्रभारी प्रो. राम नारायण दास, श्री किशोर कुमार दलाइ तथा डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ ने भी समारोह में योगदान दिया। विजेता छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। तत्पश्चात् 25 सितम्बर, 2008 को सरस्वती परिषद् के कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने ज्योतिष, व्याकरण और साहित्य पर भाषण दिए। परिसर के आठ छात्रों को पुरी में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में भाग लेने के लिए चुना गया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व किया। आचार्य द्वितीय वर्ष के योगेश अत्रि को न्याय में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। डॉ. मदन मोहन पाठक के संयोजकत्व में 11नवम्बर, 2008 को शिक्षा दिवस मनाया गया। परिसर के छात्रों हेतु वार्षिक साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन 1 से 5 दिसम्बर, 2008 तक किया गया, जिसके दौरान छात्रों ने 12 से अधिक प्रतियोगिताओं में सोत्साह भाग लिया।

परिसर के छात्रों ने प्रागपुर में आयोजित स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया एवं एकल व समूह गान प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किये।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा कौमुदी महोत्सव का आयोजन नई दिल्ली में किया गया। इस परिसर के छात्रों ने प्रतियोगिताओं के समय नाटक के मंचन में सहभागिता की। छात्रों ने डॉ. हरि सिंह गौड़ संस्कृत विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.) में आयोजित कार्यशाला में भी सहभागिता की।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

परिसर में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में दौड़, ऊँची कूद, लम्बी कूद, वैडमिन्टन, कबड्डी और बॉलीबाल मुख्य थे।

युवा महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने दिसम्बर, 2008 में युवा महोत्सव का आयोजन श्री सदाशिव परिसर, पुरी में किया। परिसर के छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किए।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा पुरी में अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा का भी आयोजन किया गया जिसमें परिसर के छात्रों ने सहभागिता की तथा पुरस्कार प्राप्त किए। परिसर के छात्रों ने राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा में सहभागिता की और पुरस्कार प्राप्त किए।

परिसर में विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन व्याकरण, साहित्य व ज्योतिष विषयों में किया गया जिसमें निम्नलिखित विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किए:

1. प्रो. जयकान्त सिंह, व्याकरण
2. प्रो. बृज बिहारी चौबे, साहित्य
3. प्रो. रामदेव झा, ज्योतिष

डॉ. प्रकाश पाण्डेय ने 21-2-2008 से परिसर के प्राचार्य रूप में कार्यग्रहण किया।

वार्षिकोत्सव

परिसर में वार्षिकोत्सव का आयोजन 21-2-2009 को किया गया। संस्थान के भूतपूर्व निर्देशक प्रो. के. के. मिश्र मुख्य अतिथि थे और प्रो. रामदेव झा, नई दिल्ली मान्य अतिथि थे।

संकाय सदस्यों के कार्यकलाप

प्रो. आर. एन. दास, डॉ. राम कुमार वर्मा, डॉ. सुबोध शर्मा तथा डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ अनुस्थापन पाठ्यक्रम में सम्मिलित हुए। डॉ. मदन मोहन पाठक ने सस्कृत मूल-पाठ के इ-डाटा बैंक व इ- सोर्सिस को विकसित करने के उद्देश्य से कंटेंट जेनरेशन पर कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. राम कुमार शर्मा तथा डॉ. एस. के. त्रिपाठी ने भोपाल में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत नाट्योत्सव में योगदान किया।

5.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

वर्ष 2001-02 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भोपाल में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की और इसकी शैक्षिक गतिविधियाँ शैक्षिक सत्र 2002-03 से प्रारम्भ हो गईं। अब इसका नाम परिवर्तित करके राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) का भोपाल परिसर रखा गया है। मध्य प्रदेश की राज्य सरकार ने इसके लिए बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के पास 10 एकड़ भूमि आबंटित की है। परिसर की चारदीवारी का निर्माण सी.पी. डब्ल्यू.डी. द्वारा पहले ही किया जा चुका है। माननीय अर्जुन सिंह जी, तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार ने दिनांक 19 सितम्बर, 2005 को मुख्य भवन का शिला-न्यास किया। अपने भवन का निर्माण होने तक, इसकी गतिविधियाँ किराये के भवन में चल रही हैं।

परिसर साहित्य, व्याकरण और ज्योतिष का शिक्षण शास्त्री और आचार्य स्तर पर, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड) का शास्त्री स्तर पर और प्राक् शास्त्री का इण्टर स्तर पर प्रदान करता है। यह शोध-छात्रों हेतु शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है जिसके सम्पन्न करने पर विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्रदान की जाती है। आधुनिक विषय हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति-शास्त्र तथा कम्प्यूटर जैसे विषयों को पढ़ाने की उचित व्यवस्था भी उपलब्ध है। जरूरतमंद छात्रों को छात्रावास की सुविधा भी यह परिसर प्रदान करता है।

2008-2009 के शैक्षिक सत्र में, विभिन्न कक्षाओं में कुल 293 छात्रों को प्रवेश दिया गया। जिनमें से, 26 छात्राएँ थीं। 130 छात्रों को छात्रावास-सुविधा प्रदान की गई। विभिन्न कक्षाओं के 127 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। अपने शिक्षण कार्य के अतिरिक्त निम्नलिखित संकाय-सदस्यों ने विभिन्न संगोष्ठियों/पुनश्चर्या आदि में भाग लिया।

1. प्रो. आज़ाद मिश्रा

(i) अखिल भारतीय प्राच्य सेमिनार, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

(ii) संस्कृत साधना शिविर, मोहद, नरसिंगपुर, कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन।

(iii) अखिल भारतीय संस्कृत समारोह, भोपाल, महर्षि पतञ्जलि संस्कृत संस्थान।

(iv) अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन, महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैन।

2. प्रो. पी. एन. शास्त्री

(i) अखिल भारतीय कालिदास समारोह, उज्जैन।

(ii) शंकर समारोह, उज्जैन।

3. डॉ. बोध कुमार झा

अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

4. डॉ. अर्चना दुबे

अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

5. डॉ. ब्रजभूषण ओझा

(i) अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

(ii) अनुस्थापन कार्यक्रम यू. जी. सी, अकादमिक स्टाफ कॉजेज, लखनऊ

6. डॉ. सुज्ञान कुमार मोहन्ती

(i) अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

(ii) अनुस्थापन कार्यक्रम, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति।

7. डॉ. अमित कुमार शुक्ला

अनुस्थापन कार्यक्रम - यू. जी. सी, अकादमिक स्टाफ कालेज, लखनऊ।

8. डॉ. रामचन्द्र जोइसा

अनुस्थापन कार्यक्रम यू. जी. सी, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, मैसूर विश्वविद्यालय, कर्नाटक।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

1. संस्कृत दिवस समारोह 13 अगस्त से 19 अगस्त, 2008 तक आयोजित किया गया।
2. हिन्दी दिवस 14 सितम्बर, 2008 को मनाया गया।
3. परिसर के वार्षिक समारोह का आयोजन 11 दिसम्बर, 2008 को किया गया।
4. संस्कृत में प्रबन्धन पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 23 मार्च, 2009 को किया गया।

परिसर के छात्रों ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्व विद्यालय) द्वारा पुरी परिसर में आयोजित राष्ट्रीय वाक्स्पर्धा एवं युवा महोत्सव में भाग लिया तथा विभिन्न पुरस्कार प्राप्त किये।

5.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

के.जे. सौमैया ट्रस्ट, विद्या विहार, मुम्बई ने अपने परिसर में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ स्थापित करने के प्रस्ताव के साथ में एक एकड़ भूमि विद्यापीठ भवन के लिए उपलब्ध कराने का प्रस्ताव किया। तत्पश्चात् राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियुक्त समिति द्वारा इसका निरीक्षण किया गया और अनुशंसा की गयी कि अंगीभूत विद्यापीठ स्थापित किया जाए। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भाषा प्रभाग, भारत सरकार द्वारा इस प्रस्ताव को 31.03.2002 को निर्णय लेकर स्वीकृत किया गया। के.जे. सौमैया ट्रस्ट ने आबंटित भूमि पर विद्यापीठ हेतु भवन बनने तक अपने भवन में कक्षाएँ चलाये जाने की स्वीकृति दी। संस्थान ने पट्टाकर्ता सौमैया ट्रस्ट से आबंटित एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया है। तत्कालीन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने के. जे. सौमैया केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई परिसर का उद्घाटन दिनांक 16.05. 2002 के शुभ दिन को किया। विद्यापीठ की स्थिति विद्या विहार स्थानीय सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के पूर्व की ओर सौमैया कॉलेज परिसर में के. जे. सौमैया आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज, विद्याविहार (पूर्व) मुम्बई - 77 के समीप लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर है।

वर्ष 2002-03 के मध्य अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण त्रैमासिक कार्यक्रम की प्रथम दीक्षा का पाठ्यक्रम आरंभ किया गया। बाद में मार्च, 2003 में मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठित होकर इस विद्यापीठ का नाम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), के. जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठ परिसर रखा गया। शैक्षिक सत्र 2003-04 से प्राक् शास्त्री, शास्त्री और आचार्य की नियमित कक्षाओं का शिक्षण आरम्भ किया गया।

परिसर में इण्टर के समकक्ष प्राक् शास्त्री, बी.ए. के समकक्ष शास्त्री और एम.ए. (संस्कृत) के समकक्ष आचार्य तथा पीएच.डी. (संस्कृत शास्त्रों में) के समकक्ष विद्यावारिधि का शिक्षण साहित्य, व्याकरण और ज्योतिष विद्या विशेषों में प्रदान किया जाता है। पारम्परिक विषयों के अतिरिक्त आधुनिक विषयों का शिक्षण भी संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार कराया जाता है। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण त्रैमासिक कार्यक्रम की प्रथम व द्वितीय दीक्षा पाठ्यक्रम एवं ज्योतिष के प्रारम्भिक पाठ्यक्रम भी संस्थान के अनुमोदनानुसार पढ़ाये जाते हैं। क्षेत्रीय एन. सी. टी. ई., भोपाल ने बी.एड. के समकक्ष शिक्षा शास्त्री के लिए बढ़ाई गई 100 सीटों की भर्ती का अनुमोदन किया। फलस्वरूप शैक्षिक सत्र 2006-07 से इस पाठ्क्रम को परिसर में आरंभ कर दिया गया। पिछले साल की वार्षिक परीक्षा का परिणाम लगभग 100 प्रतिशत रहा।

वर्ष के दौरान परिसर में शिक्षण संकाय के रूप में 11व्याख्याता से प्रोफेसर श्रेणी के प्रोफेसर, सात अंशकालिक शिक्षक तथा एक शास्त्र चूड़ामणि विद्वान थे। यद्यपि अभी तक परिसर में अपनी कोई छात्रावास सुविधा नहीं है, तथापि दस विद्यार्थियों के लिए शुक्ल भुगतान के आधार पर के. जे. सौमैया पॉलीटेक्निक होस्टल में छात्रवास सुविधा की व्यवस्था की गई। विभिन्न कक्षाओं के चौवन विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

पाठ्य एवं पाठ्येतर गतिविधियाँ

परिसर द्वारा पाठ्य एवं पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन उचित अवसरों पर किया गया। संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन अगस्त, 2008 में किया गया। समारोह का उद्घाटन डॉ. एस. के भवानी द्वारा किया

गया जिसमें डॉ. गौरी मधुलेकर मुख्य अतिथि थे। डॉ. (श्रीमती) कला आचार्य, निदेशक, संस्कृत पीठम् कार्यक्रम में उपस्थित थीं। समारोह के समय आयोजित कवि सम्मेलन में प्रो. शुक्ला ने अध्यक्षता की। समापन सत्र में डॉ. भानकंडे मुख्य अतिथि थे।

14 सितम्बर, 2008 को हिन्दी दिवस मनाया गया। के. जे सौमैया कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स की प्रो. कामिनी गुप्ता इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं। प्रो. दूबे एवं डॉ. पाण्डे, हिन्दी भाषा प्रशिक्षक आमन्त्रित थे।

विस्तार व्याख्यान माला का संचालन अक्तूबर, 2008 में किया गया। डॉ. कुशीदेवी शास्त्री ने पुनर्जागरण की अवधि में महाराष्ट्र में सामाजिक जागरूकता एवं शिक्षा पर व्याख्यान दिया। शिक्षण संकाय एवं शिक्षा शास्त्री के छात्रों ने परिचर्चा व अन्योन्यक्रिया को प्रभावशाली ढंग से सम्पन्न किया। प्रो. मल्लार कुलकर्णी, आई. आई. टी. पवाई ने 13मार्च, 2009 को व्याकरण के अध्यापकों तथा छात्रों के लाभ हेतु व्याकरण के मूलसिद्धान्तों पर व्याख्यान दिया।

भारत सरकार के प्रथम शिक्षा मन्त्री डॉ. अब्दुल कलाम आजाद के शतवर्षीय जन्म समारोह के भाग के रूप में 11 नवम्बर, 2008 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। प्रो. प्रणीता देशपाण्डेय ने समारोह का उद्घाटन किया। डॉ. सुरेन्द्र पाठक प्रमुख वक्ताओं में से थे। व्यक्तित्व विकास सम्बन्धी एक सत्र का संचालन भी किया गया।

संस्कृत साहित्य में विज्ञान पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन परिसर द्वारा किया गया। इसका आयोजन 16 व 17 जनवरी 2009 को किया गया। विप्रो के डॉ. चन्द्र गुप्ता वर्णिकार ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. सुद्युम्न आचार्य, एक प्रतिष्ठित लेखक एवं दार्शनिक ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. होले ने भी व्याख्यान दिया। समापन समरोह में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) ने बिदाई भाषण देकर समारोह की शोभा बढ़ाई। तत्पश्चात्, 26 फरवरी, 2009 को संस्कृत विज्ञान सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. विजय डिढोलकर तथा डॉ. सचिन ने अपने विचार व्यक्त किए।

डॉ. बट्टी लाल मीणा, वरिष्ठ व्याख्याता, अध्यापन खण्ड, जयपुर विश्वविद्यालय में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में उपस्थित थे। इस विभाग के श्री देवदत्त सरोदे तथा श्री हरि प्रसाद व्याख्याताओं को राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा पीएच. डी. उपाधियाँ प्रदान की गईं।

नई दिल्ली में 22 एवं 23 नवम्बर, 2008 को कौमुदी महोत्सव के अवसर पर परिसर के 20 छात्रों ने नाटक में भाग लिया। डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र, डॉ. सुशान्त कुमार राज एवं डॉ. गीता देवी दूबे नामक संकाय सदस्य छात्रों के साथ गए।

वर्ष के दौरान शिक्षा-शास्त्र विभाग ने विभिन्न कार्यकलाप किए। यह मुख्य रूप से 5 सितम्बर, 2008 को शिक्षक दिवस मनाने के साथ आरम्भ हुआ। नवम्बर एवं दिसम्बर, 2008 में शिक्षण अभ्यास संचालित किया गया। 25 फरवरी, 2009 को लोनावाला तक छात्रों हेतु शैक्षिणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। छात्र 16 से 21 फरवरी, 2009 तक अभ्यास परीक्षाओं में बैठे। मार्च 2009 के प्रथम सप्ताह में प्रथमोपचार प्रशिक्षण आयोजित किया गया। स्काउट और गाइड शिविर 1 फरवरी से 10 फरवरी, 2009 तक पुणे में आयोजित किया गया। जीवन-मूल्यों पर विशिष्ट कक्षा का आयोजन 13 मार्च, 2009 को किया गया जिसकी अध्यक्षता श्री पगारे, राज्य प्रशिक्षण कमिश्नर, स्काउट और गाइड, महाराष्ट्र ने की।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा अपने दस परिसरों के सभी छात्रों हेतु 23 व 24 दिसम्बर, 2008 को पुरी परिसर में युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रिय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ सम्मिलित थीं। 35 छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता करने हेतु पुरी की यात्रा की। डॉ. के.सी. योगी, डॉ. सुशान्त कुमार राज एवं डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्रा ने उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम अत्यन्त सफल रहा। इससे राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के सभी दस परिसरों के छात्रों के मध्य स्वस्थ अन्योन्यक्रिया का द्वार खुल गया। परिसर द्वारा अपनी वार्षिक पुस्तिका प्रकाशित की गई।

6. योजनाएँ

भारत सरकार द्वारा 1956 में नियुक्त संस्कृत आयोग ने यह सिफारिश की थी कि ऐसी महत्त्वपूर्ण सक्रिय निजी शैक्षिक संस्थाओं और निकायों को सहायता तथा संरक्षण दिया जाए जो अपने-अपने क्षेत्र में संस्कृत प्रचार का कार्य कर रहे हैं।

उनका पालन करते हुए भारत सरकार ने सम्बद्ध योजनाओं के अन्तर्गत आने वाले आवेदकों को वित्तीय सहायता देकर संस्कृत के प्रोत्साहन हेतु विविध योजनाएँ आरम्भ की हैं। पहले इन योजनाओं को मा.सं.वि. मन्त्रालय, भारत सरकार ने प्रारम्भ किया था, पश्चात् विधिवत् गठित सहायता अनुदान समिति की संस्तुति पर इनके निष्पादन एवं कार्यान्वयन हेतु इन्हें संस्थान को सौंप दिया गया है। इन योजनाओं का वर्णन यहाँ नीचे किया गया है :

6.1 संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं तथा पाठशालाओं को वित्तीय सहायता

कार्यक्षेत्र

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत के प्रचार एवं विकास के क्षेत्र में संगठनों/संस्थाओं/व्यक्तियों को अपनी गतिविधियाँ जारी रखने और/या उनका विस्तार करने या नये क्षेत्रों का उद्घाटन करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ये गतिविधियाँ निम्नलिखित में से किसी एक अथवा अधिक प्रयोजनों से संबद्ध हो सकती है:-

(क) नई संस्थाएं/पाठशालाएं खोलना और/या विकसित पाठशालाओं/संस्थाओं का अनुरक्षण करना।

(ख) संस्कृत शिक्षण की कक्षाएं चलाना।

(ग) संस्कृत शिक्षकों/प्रचारकों का प्रशिक्षण और नियुक्ति।

(घ) संस्कृत पुस्तकालयों तथा वाचनालयों की स्थापना, अनुरक्षण या बढ़ाना।

(ङ) संस्कृत प्रचार हेतु प्रचार उपस्करों को खरीदना।

(च) प्रमुख संस्कृत विद्वानों के व्याख्यानों, संस्कृत वाद-विवाद, वाक्स्पर्धा, संस्कृत नाटकों आदि का आयोजन।

(छ) द्विभाषीय शब्दकोश तैयार करना जिसकी एक भाषा संस्कृत हो।

(ज) संस्कृत पाण्डुलिपियां तैयार करना और प्रकाशित करना।

(झ) संस्कृत की पत्र-पत्रिकाएं तैयार करना, उनका प्रकाशन तथा उनके स्तर का अनुरक्षण तथा उनके सार और गुणवत्ता में सुधार।

(ञ) संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों हेतु पुरस्कारों की व्यवस्था।

(ट) भवनों का निर्माण, उनकी मरम्मत तथा उनका विस्तार। (सीमित सहयोग)

(ठ) अनुमोदित संस्कृत परम्पराओं का संगठन

(ड) संस्कृत में अनुसंधान।

(ढ) संस्कृत की समृद्धि, प्रचार और विकास में सहायता देने वाली कोई अन्य क्रियाकलाप।

सहायता का विस्तार

वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र (प्रकाशन परियोजनाओं को छोड़कर) इस प्रयोजन के लिए निर्धारित विहित आवेदन-पत्र फार्म पर नियमतः राज्य सरकारों के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर के संगठनों से अनुदान के आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सीधे भी प्राप्त कर सकता है। यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पर निर्भर है कि वह विशेष मामलों में आवेदन सीधे ही स्वीकार करे। वित्तीय सहायता के सभी आवेदनों पर उनके गुणों के आधार पर विचार किया जाता है और अनुदान केवल कार्य की अनुमोदित मदों के लिए ही

स्वीकृत किया जाता है। अखिल भारतीय स्तर के आवेदनों को छोड़कर जिन संगठनों और संस्थाओं के आवेदन सीधे प्राप्त होते हैं, आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए राज्य-सरकारों के विचार आमंत्रित किए जा सकते हैं।

कार्य की प्रगति और प्रारंभ परियोजना की प्रकृति के अनुसार अनुदान किस्तों में दिए जा सकते हैं।

आवेदन-पत्र भेजने की प्रक्रियाः

संबंधित राज्य-सरकार संगठन के आवेदन की जांच करेगी और अपनी सिफारिश भेजते हुए यह बताएगी कि–

(क) संगठन सुस्थापित क्षमता और योग्यता रखता है।

(ख) सिफारिश प्राप्त योजना से संस्कृत की अभिवृद्धि/प्रचार/प्रसार होगा (ब्योरे दिये जाएं)।

(ग) प्राक्कलनों की जांच हुई है और उन्हें उचित समझा गया है।

(घ) वह विशेष राशि जिसे राज्य सरकार उस संगठन/संस्था/व्यक्ति को देने हेतु सिफारिश राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से करती है, तथा

(ङ) सहायता-अनुदान की सिफारिश जिस निकाय हेतु है, वह दूषित भ्रष्टाचार व्यवहार से मुक्त है और प्रतिबन्ध लागू करने के उपाय (लेखा परीक्षा सहित) सोच निकाले हैं।

(च) कोई अन्य लाभदायक सूचना जो राज्य सरकारें संगठन/संस्था/व्यक्ति के आवेदन के बारे में देना चाहें।

किसी आवेदन पर अपनी सिफारिश भेजते वक्त राज्य-सरकारों को संगठन आदि की वास्तविकता और जिस कार्य के लिए अनुदान मांगा गया है, उसकी आवश्यकता और उपयोगिता के विषय में अपनी तसल्ली कर लेनी चाहिए। अनुदान सम्बन्धी प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ आवश्यक सूचना और दस्तावेज भेजे जाएँ।

अनुदान देने की शर्तें

स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/संस्थाओं को संस्कृत के प्रचार और प्रसार हेतु अनुदानों के संबंध में निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा–

1. वित्तीय सहायता लेने वाली संस्था की जांच राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान या राज्य-शिक्षा-विभाग या भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा-विभाग का कोई अधिकारी किसी भी समय कर सकता है। यदि केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रदत्त अनुदान 25,000 रु. से अधिक है तो संस्था की जांच वहां जाकर की जा सकती है।

2. अनुदान लेने से पहले यह वचन देना होगा कि जिस काम के लिए सहायता दी गई है, उसे सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियत समय में पूरा किया जाएगा और अनुदान का केवल उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह स्वीकृत किया जाएगा। ऐसा न करने पर संस्था को पूरा अनुदान केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा निर्धारित ब्याज के साथ सरकार/संस्थान को वापस करना होगा।

3. किस्तों में दी जाने वाली अनुदान की बाद की किस्तें तब तक नहीं दी जाएंगी जब तक कि पहली किस्त का अधिकांश भाग खर्च न किया गया हो और जब तक पहली किस्त से किए गए काम की रिपोर्ट के साथ खर्च का प्रमाणित विवरण, अगली किस्त की प्राप्ति-प्रार्थना के साथ न भेजा जाए। काम की प्रगति के बारे में सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संतुष्ट हो जाने पर ही बाद की किस्त दी जाएगी।

4. भवन निर्माण/प्रकाशन के मामले में अनुदानों के लिए एक उचित समय निर्धारित किया जाना चाहिए। इस अवधि में संस्था को भवन निर्माण/प्रकाशन कार्य पूरा करना होगा, जब तक संस्थान प्रार्थना करने पर अवधि न बढ़ा दे।

5. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से अनुदान प्राप्त संस्था अपनी सम्पत्ति को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुमति के बिना किसी व्यक्ति/संस्था/संगठन के नाम हस्तांतरित नहीं कर सकती। यदि किसी समय संस्था बन्द हो जाए तो केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अनुदान में से बनाई गई सम्पत्ति

या खरीदा गया सामान भारत सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वापस हो जाएगा।

6. संस्था के लेखे उचित रूप से रखे जाने चाहिए और मांगे जाने पर पेश किए जाएं। इनकी जांच नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक कभी भी कर सकता है।
7. यदि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/सरकार को यह विश्वास हो जाए कि संस्था का प्रबन्ध सुचारु रूप से नहीं हो रहा है, अथवा स्वीकृत धन का उपयोग अनुमोदित उद्देश्यों हेतु नहीं हो रहा है तो अनुदान की अदायगी रोकी जा सकती है।
8. संस्था, भारत के समस्त नागरिकों के लिए जाति, धर्म या वर्ग के भेदभाव के बिना खुली रहेगी। जिस राज्य में संस्था स्थित हो उसके बाहर के राज्य के लोगों से व्यक्तिकर या कोई अन्य फीस नहीं ली जाएगी।
9. जिस काम के लिए अनुदान स्वीकृत है, उसके संबंध में संस्था राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशों और सुझावों के पालन के लिए बाध्य होगी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किसी भी विषय पर कोई सूचना या स्पष्टीकरण मांगे जाने पर संस्था संस्थान द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर उसे मन्त्रालय को भेजेगी।
10. संगठन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना भारत के बाहर के किसी भी विदेशी को आमन्त्रित नहीं करेगा।

वर्ष 2008-09 में प्राप्त आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है, उनका राज्य-वार विवरण संलग्नक-झ में दिया गया है।

6.2 अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा

संस्थान पारम्परिक संस्कृत छात्रों को शास्त्रीय संस्कृत भाषा में आशु भाषण के लिए प्रोत्साहित करने हेतु देश के विभिन्न भागों में प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता का आयोजन करता है। समस्या-पूर्ति की प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश सरकार से अनुरोध किया जाता है कि वे आठ शास्त्रीय विषयों में प्रतियोगिता हेतु एक अध्यापक सहित आठ सहभागियों के नाम भेजें। सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों को प्रत्येक प्रतियोगिता में पदक व प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाते हैं। श्रेष्ठता के क्रम में क्रमशः रु. 2000/-, रु. 1500/- तथा रु. 1000/- के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय नकद पुरस्कार भी दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त विजेताओं को पदक भी दिए जाते हैं। श्लोकान्त्याक्षरी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की राशि बढ़ाकर रु. 7000/-, रु. 5000/- और रु. 3000/- कर दी गई है। परिशोधित पुरस्कार राशि वर्ष 2005-06 से प्रयोज्य है।

वर्तमान दस प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त "शास्त्र शलाका परीक्षा" का भी आयोजन किया जाता है।

प्रतियोगिता का स्वरूप भारत की प्राचीन परम्परा की शास्त्र शिक्षण पद्धति से लिया गया है। इसमें छात्र को अपनी स्मृति में टीका सहित सारे मूल-पाठ को रखना होता है और "रजत श्लाका" द्वारा प्रकट बिन्दु से वर्णन व व्याख्या करना अपेक्षित होता है। इस प्रतियोगिता का लक्ष्य परम्परा को पुनर्जीवित करना एवं छात्र की स्मरण-शक्ति को तीक्ष्ण करना है।

वर्ष 2008-09 में प्रतियोगिता का आयोजन 'राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मनित विश्वविद्यालय) पुरी में किया गया। निर्णायक पैनल द्वारा कर्नाटक राज्य को प्रथम घोषित किया गया।

6.3 शास्त्रचूडामणि योजना

संस्थान के परिसरों, आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य संस्कृत कॉलेजों और स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों की सेवाओंके उपयोग हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य उन विभिन्न केन्द्रों में विविध शास्त्रीय विषयों के संस्कृत में गहन अध्ययन को बढ़ावा देना है जहाँ छात्रों को पारम्परिक पद्धति से संस्कृत शिक्षण प्रदान किया जाता है। प्राचीन काल में शिक्षण पद्धति में शिष्य और गुरु के न्यूनतम 12 वर्ष तक साहचर्य का पूर्णकालिक होना ध्यान रखा जाता था। उनके पास विभिन्न दुर्बोध शास्त्रीय विषयों की व्याख्या करने का पर्याप्त समय होता था और छात्रों के पास विषय विशेष पर ध्यान व विस्तृत ढंग से नैपुण्य प्राप्त करने का अवसर रहता था। लेकिन हाल की आधुनिक शिक्षा पद्धति में सीमित अवधि के लिए पाठ्य-पुस्तकों में से चयनित व निर्धारित पाठ्यक्रम होता है। इससे संस्कृत शिक्षण पद्धति भी प्रभावित हुई है। परिणामस्वरूप, जहाँ संस्कृत विषय में छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्नातकोत्तर स्तर पर विशेषज्ञता प्राप्त करें, वहीं समयाभाव के कारण उच्चतर पाठ्य-पुस्तकों को विस्तार से एवं सम्पूर्णता से पढ़ाने की कोई सम्भावना नहीं है। परिणामत: इस पद्धति के अध्येता यद्यपि अपने विषयों के मूलभूत सिद्धान्तों में पूर्ण निपुण होते हैं, तथापि उनमें इन विषयों पर लिखित उच्चतर पुस्तकों के गहन एवं व्यापक ज्ञान का अभाव होता है।

स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के तुरन्त बाद घरेलू आवश्यकताएँ उन्हें आजीविकोपार्जन हेतु किसी व्यवसाय के लिए बाध्य कर देती हैं। इन्हीं स्नातकोत्तर परीक्षोत्तीर्ण व्यक्तियों में से अब हमें तरुण अध्यापक एवं प्राध्यापक भर्ती करने होते हैं। यद्यपि वे अपनी पढ़ाई आगे जारी रखने में अत्यधिक रुचि रखते हैं तथापि जिन संस्थाओं में वे नियुक्त होते हैं उनमें ऐसा करने की सुविधाएँ नहीं होतीं। परिणामस्वरूप, ये प्राध्यापक अपने छात्रों को सम्बन्धित परीक्षाओं के लिए तैयारी करवाने से सम्बद्ध अपने कर्त्तव्य का निर्वहण तो प्रवीणता से कर देते हैं, फिर भी उन्हें अपने क्षेत्र में उतनी योग्यता प्राप्त नहीं होती जितनी योग्यता 2 या 3 दशाब्दि पूर्व उनके पूर्ववर्ती प्राप्त करने में सक्षम होते थे। उनकी शैक्षणिक रुचि का शोषण नहीं किया जाना चाहिए और उनकी अध्ययनशील रिक्ति दूर की जानी चाहिए। इससे वे इस उद्देश्य को पूर्ण करने में सक्षम होंगे और छात्रों की एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करने में समर्थ होंगे जो अपने-अपने विषयों में वास्तव में दक्ष होगी।

सौभाग्यवश इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु कुछ पुराने विद्वान् अभी भी जीवित हैं। वे शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से सजग हैं और कुछ अधिक वर्षों के लिए उनका सफल उपयोग किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि वे किसी विश्वविद्यालय की उपाधि या योग्यता के कारण विद्वान् हों। लेकिन फिर भी वे अपने क्षेत्र में निपुण हैं और उनके चरणों में बैठकर तरुण शिक्षकों को अध्ययन करने में कोई अनुताप नहीं होगा। वे संस्था के शैक्षिक वातावरण में वृद्धि करेंगे और अध्यापकों तथा छात्रों के सन्देह-निराकरण करने हेतु सहज ही उपलब्ध रहेंगे।

कार्यान्वयन

इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रत्येक परिसर, आदर्श संस्कृत पाठशाला और संस्कृत विश्वविद्यालय में दो विद्वान् और राज्य सरकार द्वारा संचालित अथवा पर्याप्त रूप से वित्तपोषित संस्कृत कालेजों में एवं स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में एक विद्वान् की नियुक्ति सामान्यतया की जाती है। ऐसी नियुक्तियाँ सम्बद्ध संस्था के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के आधार पर विशेषज्ञों से युक्त सहायता अनुदान समिति की संस्तुतियों पर की जाती हैं। इस प्रकार से की गई नियुक्तियां प्रारम्भ में दो वर्ष की अवधि हेतु की जाती हैं। संस्था के प्रधान की विशिष्ट रिपोर्ट के आधार पर समिति द्वारा एक वर्ष का विस्तार प्रदान किया जाता है। नियुक्त विद्वान् को प्रतिमास रु. 6000/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

इस वर्ष विभिन्न संस्थाओं में 38 शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति की गई।

6.4 व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

परम्परागत संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों हेतु "प्रायोगिक प्रशिक्षण" संचालन के लिए पंजीकृत शैक्षिक संगठनों को वित्तीय सहायता

कुछ विशिष्ट विभागों में परम्परागत शिक्षण प्राप्त प्रत्याशियों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंजीकृत शैक्षिक निकायों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना आरम्भ की गई। इसके अन्तर्गत पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों को अल्पकालीन अनुकूलन पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। अध्यापन के विषय पाण्डुलिपि विज्ञान, सूची-निर्माण, पुरालिपि शास्त्र, संस्कृत टंकण व आशुलिपि, ज्योतिष, कर्मकाण्ड व पुरालेखशास्त्र इत्यादि हैं। ये प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सामान्यतया तीन से नौ सप्ताह तक की विभिन्न अल्पावधियों के लिए संचालित किए जाते हैं। इस अवधि में छात्रों को शिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से शैक्षिक निकाय से सम्बन्धित क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया जा सकता है। इच्छुक संस्थाएँ ऐसे किसी भी कार्यक्रम के आयोजन हेतु निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन कर सकती हैं। उन्हें अल्पावधि पाठ्यक्रमों हेतु स्थानीय समाचार-पत्रों में भी विज्ञापन देना होता है और इसका लाभ प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों से आवेदन आमन्त्रित करने होते हैं। प्रत्येक छात्र से रु. 5/- का सामान्य पंजीकरण शुल्क लिया जा सकता है। प्रत्येक छात्र को प्रशिक्षण दिवसों में रु. 10/- प्रति दिन के हिसाब से फुटकर भत्ता दिया जाता है। विशेषज्ञ प्रशिक्षक को सामान्यत: प्रतिदिन रु. 100/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

योग्यता के आधार पर संस्तुति करने हेतु किसी विशेषज्ञ/सहायता अनुदान समिति द्वारा आवेदनों पर विस्तृत विचार किया जाता है। संस्थान द्वारा सम्बद्ध संस्था को समिति द्वारा अनुमोदित कुल अनुमानित व्यय का 75% अग्रिम के रूप में जारी किया जाता है और अवशिष्ट 25% का निर्मोचन लेखा-परीक्षित लेखों की प्राप्ति होने पर तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की रिपोर्ट मिलने पर किया जाता है।

6.5 संस्कृत शब्दकोश परियोजना

1500 ईसा पूर्व से 1900 ई० तक ऐतिहासिक सिद्धान्तों पर अति व्यापक संस्कृत कोश तैयार करने की योजना डेकन कॉलेज, पूना द्वारा आरम्भ की गई है। यह वर्ष 1948 में आरम्भ की गई थी। प्रधान सम्पादक द्वारा संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग, डेकन कॉलेज, पूणा का नेतृत्व किया जा रहा है। अब तक शब्दकोश की 8 जिल्दें प्रकाशित की जा चुकी हैं। आठवें खण्ड का कार्य प्रगति पर है। यह योजना मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा और कुछ सीमा तक महाराष्ट्र सरकार द्वारा वित्त-पोषित की गई। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2008-09 में संस्कृत शब्दकोश परियोजना हेतु रु. 40.00 लाख की राशि का निर्मोचन किया गया।

6.6 संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना

संस्कृत, अरबी और फ़ारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित करने के लिए 'राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना' 1958 में आरम्भ की गई। इस योजना को 1996 में पालि/प्राकृत तक विस्तारित किया गया। विद्वानों को उनके सम्बद्ध क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान की स्वीकृति में वर्ष में एक बार स्वतन्त्रता दिवस पर सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष 2008 से, एन.आर. आइ. अथवा किसी विदेशी द्वारा संस्कृत के क्षेत्र में उनकी आजीवन उपलब्धि हेतु एक अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार सम्मिलित करने के उद्देश्य से इस योजना का विस्तार किया गया। इस योजना के अधीन राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक विद्वान् को एक सनद तथा शाल प्रदान किए जाने के

अतिरिक्त संस्कृत के विद्वानों को रु. 5.00 लाख का आर्थिक अनुदान तथा पालि/प्राकृत, फारसी एवं अरबी विद्वानों को आजीवन रु. 50,000/- का वार्षिक अनुदान देने पर विचार किया जाता है।

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत हेतु 15, अरबी और फ़ारसी में से प्रत्येक के लिए 3 और पाली/प्राकृत के लिए एक पुरस्कार है।

वर्ष 2002 से 30-40 वर्ष की आयु वर्ग के युवा विद्वानों के लिए संस्कृत में 5 पुरस्कार तथा पालि/प्राकृत, अरबी और फारसी में से प्रत्येक के लिए एक पुरस्कार आरम्भ किया गया है। इस पुरस्कार का नाम महर्षि बादरायण व्यास सम्मान है। प्रत्येक को सनद तथा शाल के अतिरिक्त रु. 1 लाख का एकमुश्त नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इन युवा विद्वानों से अपेक्षित है कि वे अन्तः विद्या विशेषों के अध्ययन में निपुण हों। इनमें आधुनिकता एवं परम्परा तथा इन भाषाओं में विज्ञान के प्रोत्साहन हेतु कार्यरत वैज्ञानिकों व आइ.टी.व्यावसायिकों के मध्य सह-क्रिया की प्रक्रिया में संस्कृत अथवा प्राचीन भारतीय प्रज्ञा का योगदान सम्मिलित है।

प्रतिवर्ष इन पुरस्कारों हेतु निम्नलिखित से प्रस्ताव आमन्त्रित किए जाते हैं :

(अ) भारत सरकार के सभी सचिव।

(आ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव।

(इ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के शिक्षा-सचिव।

(ई) सभी भारतीय विश्वविद्यालयों और मानित विश्वविद्यालयों के कुलपति।

(उ) राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त विद्वान।

(ऊ) बाह्य मामले सम्बन्धी मन्त्रालय (सभी भारतीय दूतावासों हेतु)

सर्वप्रथम संस्तुतियों की जाँच मानव संसाधन विकास मन्त्री द्वारा अनुमोदित प्राथमिक चयन समिति करती है। सदस्य अपने-अपने कार्य क्षेत्र कि अत्यन्त प्रख्यात विद्वान् हैं।

प्राथमिक चयन समिति द्वारा की गई संस्तुतियाँ फिर मानव संसाधन विकास मन्त्री , प्रधान मन्त्री और तब अन्त में भारत के राष्ट्रपति को स्वीकृति हेतु भेजी जाती हैं।

6.7 संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान संदर्भ ग्रन्थ, मूल लेखन, शोध-प्रबन्ध, अनुवाद, हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची, समीक्षात्मक संस्करण, दुर्लभ अप्राप्य ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण संस्करण और अन्य किसी भी प्रकार के प्रकाशन जो संस्कृत भाषा तथा साहित्य के प्रोत्साहन हेतु प्रेरक रूप में वैयक्तिक रूप से स्वीकृत हों-जैसे संस्कृत आधारित ग्रन्थों के प्रकाशन के लिए पंजीकृत संगठनों, लेखकों, सम्पादकों एवं अनुवादकों या विशिष्ट व्यक्तियों अथवा विचाराधीन ग्रन्थ का प्रकाशनाधिकार रखने वाले और उस ग्रन्थ के प्रकाशन के इच्छुक व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अन्तर्गत सहायता राशि मूल लेखन के मामले में रचना की वास्तविक लागत की अधिकतम 80% स्वीकृत की जाती है और शोध-प्रबन्ध के मामले में यह अधिकतम 50% स्वीकृत की जाती है। तथापि, दुर्लभ हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची के लिए सहायता कुल व्यय का 100% तक हो सकती है।

आवेदकों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र में प्रकाशन अनुदान हेतु आवेदन करना होता है। साथ में दो भिन्न-भिन्न मुद्रकों से रचना की अनुमानित लागत और प्रस्तावित कार्य के लगभग पैंतीस पृष्ठ भी प्रस्तुत करने होते हैं। इस प्रकार से प्राप्त नमूना पृष्ठों को प्रस्तावित कार्य की उपयोगिता पर विशेषज्ञों की राय जानने हेतु भेजा जाता है। फिर प्रस्ताव और विशेषज्ञों की राय को आवश्यक संस्तुतियाँ करने हेतु सहायता अनुदान समिति के समक्ष रखा जाता है। स्वीकृत प्रस्तावों के आवेदकों को संस्वीकृति आदेश की तारीख से दो साल की अवधि के अन्दर ही ग्रन्थ को प्रकाशित करना होता है। मुद्रण के बाद ग्रन्थ की नमूना प्रति और मुद्रक बिल की जाँच विशेषज्ञ अभिकरण द्वारा की जाती है जो रचना की वास्तविक

लागत का हिसाब लगाता है। उसके आधार पर निश्चित फॉर्मूला के अनुसार एक प्रति की कीमत निश्चित की जाती है। वास्तविक संस्वीकृत अनुदान सहित इसकी सूचना आवेदक को भेजी जाती है। अनुदान के बदले में आवेदकों को मामले के अनुसार ग्रन्थ की कुछ प्रतियाँ डाक द्वारा सूचीबद्ध पुस्तकालयों को नि:शुल्क भेजनी होती हैं। संस्थान डाक प्रभार अदा करता है और संस्वीकृत अनुदान जारी करता है। इसके साथ, संस्कृत पत्रिकाओं/समाचार-पत्रों के लिए वार्षिक संस्वीकृत प्रकाशन अनुदान भी जारी किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, समय-समय पर सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर संस्थान दुर्लभ संस्कृत ग्रंथों के पुनर्मुद्रण हेतु कुछ शर्तों के आधार पर किसी विश्वविद्यालय अथवा पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन या सुप्रतिष्ठित व्यावसायिक प्रकाशक की सहायता कर सकता है। ऐसी सहायता अनुमोदित निम्न कीमत पर ऐसे प्रत्येक पुनर्मुद्रण की 500 प्रतियाँ खरीद कर की जा सकती है, बशर्ते कि प्रकाशक प्रथम क्रय आदेश की तारीख से तीन वर्ष के भीतर उसी कीमत पर 300 अतिरिक्त प्रतियों की आपूर्ति का वचन देता है।

वर्ष 2008-09 में वित्तीय सहायता से प्रकाशित एवं प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण क्रमश: संलग्नक ञ और ट में दिया गया है।

6.8 ग्रन्थ क्रय योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लेखकों, प्रकाशकों, पुस्तकों के विक्रेताओं, संगठनों आदि से संस्कृत भाषा और साहित्य से सम्बद्ध पुस्तकों की प्रतियाँ थोक में खरीद कर उनको वित्तीय सहायता प्रदान करता है, बशर्ते कि ऐसी पुस्तकें संस्थान की किसी अन्य योजना के अन्तर्गत सहायता पाकर प्रकाशित नहीं हुई हैं। हालांकि, जिन पुस्तकों के लिए नकद राज्य पुरस्कारों के माध्यम से अथवा प्रशंसात्मक उल्लेख के माध्यम से मान्यता दी गई है वे भी इसके पात्र हैं।

आवेदक निर्धारित आवेदन-प्रपत्र में संस्थान को आवेदन भेजते हुए पुस्तकों की कम-से-कम दो प्रतियाँ मानार्थ भेजें। ये मानार्थ प्रतियाँ प्रत्यावर्तनीय नहीं हैं। सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर आवेदकों को क्रय आदेश के साथ उन पुस्तकालयों की सूची भी भेजी जाती है जिन्हें निर्धारित संख्या में पंजीकृत पार्सल के द्वारा प्रतियाँ भेजनी हैं। आवेदक से अपेक्षित है कि वह न्यूनतम 25% व्यापारिक बट्टा प्रदान करे। आवेदक बिल में पैकिंग व्यय और पंजीकृत पार्सल व्यय जोड़ सकता है जिनका वहन भी संस्थान करता है। आवेदक प्रतियों के प्रेषण-सम्बन्धी मूल डाक रसीदों सहित सम्बन्धित बिल भुगतान की संस्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाता है।

वर्ष 2008-09 में इस योजना के अन्तर्गत रुपये 36.07 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

6.9 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत विद्या तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इस योजना के अन्तर्गत इसी प्रयोजन से, संस्कृत महाविद्यालयों को प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी-एच. डी. एवं पी-एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा संचालन हेतु सहायता प्रदान की जाती है। ऐसी अनुदानग्राही संस्थाएं स्वीकृत आवर्ती का 95%, स्वीकृत अनावर्त्ती का 75% प्राप्त करती हैं।

मान्यता एवं वित्तीय सहायता की शर्तें :

इस योजना के अन्तर्गत केवल संस्कृत महाविद्यालयों अथवा शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाएँ वित्तीय सहायता हेतु विचारणीय हैं। हालांकि, मान्यता के कारण किसी भी संस्था को स्वत: वित्तीय सहायतार्थ

अधिकार नहीं मिलता और न ही सहायता अनुदान का जारी रहना अधिकार की बात होती है।

कोई भी पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन जो संस्कृत महाविद्यालय या शोध संस्थान का अनुरक्षण करता हो, यदि वह सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अन्तर्गत 'सोसाइटी' अथवा 'पंजीकृत न्यास' है, तो वह मान्यता हेतु आवेदन कर सकता है। निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर ही भारत सरकार द्वारा मान्यता देने पर विचार किया जाता है।

(i) महाविद्यालय में पारम्परिक पद्धति से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य अथवा समकक्ष पाठ्यक्रमों का अध्यापन होता हो। शोध संस्थान में विभिन्न पारम्परिक संस्कृत विद्या विशेषों में क्रियात्मक शोध जारी रखा जाता हो;

(ii) महाविद्यालय/शोध संस्थान ऊपर (i) में उल्लिखित स्तर पर कम-से-कम सात साल से अस्तित्व में होना चाहिए। हालांकि, पहली योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का इस संशोधित योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अधिकार बना रहेगा;

(iii) संस्थाओं के पास उपयुक्त भवनों तथा परिसरों का स्वामित्व एवं नियन्त्रण होना चाहिए। संस्थाओं के पक्ष में 99 वर्ष का पट्टा भी स्वीकार्य होगा;

(iv) इस योजना के अन्तर्गत भविष्य में मान्यता एवं वित्तीय सहायता हेतु आवेदन करने वाले पंजीकृत मूल निकाय को सावधि जमा खाते में न्यूनतम रु. 2.00 लाख की राशि जमा करवानी होगी। हालांकि, पुरानी योजना के अधीन पहले से सहायता प्राप्त जिन संस्थाओं ने महाविद्यालय/शोध संस्थान के पक्ष में रुपये 1 लाख जमा करवाए हैं, उन्हें इस शर्त से छूट दी जाएगी;

(v) महाविद्यालय/शोध संस्थान या तो केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा अधिनियम बनाकर विधिवत् संस्थापित किसी विश्वविद्यालय से या राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध होना चाहिए;

(vi) एक महाविद्यालय में छात्रों की संख्या 50 से कम नहीं होनी चाहिए, एक शोध संस्थान में 12 सक्रिय शोधकर्त्ताओं से कम संख्या नहीं होनी चाहिए।

मान्यता प्रदान करने हेतु आवेदन मिलने पर सरकार तत्काल निरीक्षण करवाएगी और विशेषज्ञ समिति द्वारा उसका आकलन होगा तथा मान्यता हेतु इसका निर्णय आवेदनकर्त्ता संगठन को सूचित किया जाएगा। इसके पश्चात् विशेषत: इस उद्देश्य से संगठित अनुवीक्षण समिति द्वारा वर्तमान स्टाफ की छानबीन की जाएगी।

इस योजना के अन्तर्गत सभी मान्यता-प्राप्त संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान वित्तीय सहायता हेतु विचार किए जाने के पात्र होंगे, बशर्ते कि वे इस योजना में बताई गई शर्तों का पालन करने हेतु वचनबद्ध हों।

इसके अतिरिक्त उन्हें योजना में उल्लिखित अनुसार प्रबन्धन समिति के स्वरूप एवं संरचना, इसके कार्य, स्टाफ का स्वरूप, उपयोज्य अनुदान आदि से सम्बद्ध शर्तों का भी अनुपालन करना होगा।

संस्थान से वार्षिक अनुदान प्राप्त करने वाले आदर्श महाविद्यालयों/शोध संस्थानों की सूची संलग्नक-ठ में दी गई है।

6.10 शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना

इस योजना के अन्तर्गत शिक्षा की + 2 पद्धति, स्नातक, स्नातकोत्तर और पारम्परिक पद्धति के समकक्ष पाठ्यक्रमों एवं पी-एच.डी. की मार्गदर्शक शोध अथवा संस्कृत अध्ययन में समकक्ष उपाधि जिसमें पाली व प्राकृत भाषाएँ भी एक विषय के रूप में सम्मिलित हैं-इन सभी के नियमित छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक वर्ष में प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या निधि की उपलब्धता पर निर्भर है। आरक्षण समय-समय पर सरकार की नीति के अनुसार प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नौवीं व दसवीं अथवा समकक्ष स्तर के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

संस्कृत में न्यूनतम 60% अंक लेकर अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण परीक्षार्थी इन छात्रवृत्तियों के पात्र हैं।

आरक्षित वर्ग के परीक्षार्थियों के मामले में अंकों की प्रतिशतता की अर्हता को घटाकर 50% किया जा सकता है। प्रार्थी छात्रों से अपेक्षित है कि वे छात्रवृत्तियाँ पाने हेतु अपने आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को उन संस्थाओं के माध्यम से भेजें जिनमें वे अपना अध्ययन/शोध जारी रखने के इच्छुक हों। ये छात्रवृत्तियाँ इस उद्देश्य से गठित चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर प्रदान की जाती है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक के छात्रों हेतु ये छात्रवृत्तियाँ 10 मास के एक शैक्षिक वर्ष के लिए समर्थनीय हैं। क्योंकि ये वार्षिक परीक्षा परिणामों के आधार पर प्रदान की जाती हैं, अत: छात्रों को प्रति वर्ष नये सिरे से आवेदन करना होता है। शोध छात्रवृत्ति दो पूर्ण वर्षों के लिए दी जाती है और दूसरे वर्ष की छात्रवृत्ति उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं छात्र के कार्य की प्रगति की रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रदान की जाती है।

जो छात्र किसी अन्य संस्था से कोई भी छात्रवृत्ति प्राप्त करता है या छात्रवृत्ति के कार्यकाल में किसी अन्य वृत्तिकारी कार्य में संलग्न रहता है, या किसी अन्य पाठ्यक्रम का अध्ययन करता है जिसमें संस्कृत अध्ययन का प्रावधान नहीं हो, उसे छात्रवृत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया जाता है। प्रत्येक प्रत्याशी से सभी आवश्यक शर्तों को प्रमाणित करने की अपेक्षा की जाती है।

अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु छात्रवृत्ति की निम्नलिखित दरें हैं :

(1) संस्कृत के साथ नवम एवं दशम कक्षाएँ तथा समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 250/- प्रतिमाह।

(2) संस्कृत के साथ ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षाएँ तथा समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 300/- प्रतिमाह।

(3) बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा त्रिवर्षीय समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 400/- प्रतिमाह।

(4) संस्कृत/पालि/प्राकृत में एम.ए. तथा इसके समकक्ष स्नातकोत्तर उपाधि रु. 500/- प्रतिमाह।

(5) संस्कृत/पालि/प्राकृत में पी-एच.डी. और समकक्ष रु. 1500/- प्रतिमास + रु. 2000/- प्रतिवर्ष आनुषंगिक अनुदान के रूप में (दो वर्ष तक)।

6.11 असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान राशि देने की योजना

इस योजना के अन्तर्गत, 55 वर्ष की आयु से अधिक वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मान राशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत को अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है। ऐसे सुझाव राज्य-सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुंचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान को रुपये 24000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पंडितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 24000/- प्रतिवर्ष से कम है। किसी अन्य गुणवत्ता का निर्धारण नहीं है। संस्कृत पंडितों को यह वित्तीय सहायता 'राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान', नई दिल्ली के माध्यम से बांटा जाता है तथा लाभार्थी व्यक्ति के बैंक खाते में जमा किया जाता है।

प्राप्तकर्ता की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की दशा में, यह सहायता उसके पति/पत्नी को मृत्युपर्यन्त लगातार दी जाती है।

वर्ष 2008-09 की प्रमुख गतिविधियाँ

7.1 मानाभिषेक समारोह (10-7-2008)

मानाभिषेक समारोह का आयोजन राष्ट्रपति भवन में 10 जुलाई 2008 को किया गया। इसमें 22 विद्वानों ने सम्मान-पत्र तथा 1 युवा विद्वान् ने महर्षि बादरायण व्यास सम्मान 2007 प्राप्त किया।

राष्ट्रपति सम्मान-पत्र तथा महर्षि बादरायण व्यास सम्मान से सम्मानित विद्वानों का महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील, भारत की माननीय राष्ट्रपति के साथ सामूहिक चित्र।

महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील, भारत की माननीय राष्ट्रपति सम्मान-पत्र प्रदान करती हुई

महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील, भारत की माननीय राष्ट्रपति, महर्षि बादरायण व्यास सम्मान प्रदान करती हुई

7.2 श्री शंकर-भगवत्पाद जयन्ती उत्सव (9 मई, 2008)

संस्थान ने श्री शंकर भगवत्पाद जयन्ती उत्सव 9 मई, 2008 को राष्ट्रिय संग्रहालय, नई दिल्ली में मनाया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के कुलपति प्रो. वी. कुटुम्बशास्त्री ने समारोह की अध्यक्षता की और श्री जयप्रकाश चाजेड समारोह के मुख्य अतिथि थे।

श्री श्री स्वामी ज्ञानानन्द सरस्वती सभा को सम्बोधित करते हुए

डॉ. रामकृष्ण रॉव, अध्यक्ष, आई.सी.पी.आर. नई दिल्ली एवं सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के भूतपूर्व कुलपति, प्रो. राममूर्ति शर्मा समारोह के सम्माननीय अतिथि थे। निम्नलिखित विद्वानों ने अपने लेख प्रस्तुत किए :

1. प्रो. श्रीधर वशिष्ठ, भूतपूर्व कुलपति, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।

2. प्रो. कपिल कपूर, भूतपूर्व उप-कुलपति, जवाहर लाल नेहरू, विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

3. प्रो. वागीश शुक्ला, आई.आई.टी, नई दिल्ली।

4. प्रो. गोदावरीश मिश्रा, सदस्य सचिव, आई.सी. पी.आर. नई दिल्ली।

5. डॉ. शुद्धानन्द पाठक, प्रो., श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।

6. श्री के. श्रीनिवास, व्याख्याता, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।

श्री परमानन्द भारती स्वामी तथा श्री श्री स्वामी ज्ञानानन्द सरस्वती ने व्याख्यान देकर समारोह की शोभा बढ़ाई।

7.3 संस्कृत सप्ताहोत्सव (16-21 अगस्त, 2008)

'संस्कृत सप्ताहोत्सव का आयोजन 16 अगस्त से 21 अगस्त, 2008 तक सप्ताहभर के लिए किया गया। संस्कृत दिवस का आयोजन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ और राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 16 अगस्त 2008 को राष्ट्रिय संग्रहालय प्रेक्षागृह में किया गया।

बाएं से-श्रीमती रीटा चटर्जी, प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती, प्रो. लोकेश चन्द्र तथा प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी संस्कृत दिवस समारोह के अवसर पर

समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। पद्मविभूषण की उपाधि से अलंकृत सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश तथा श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के कुलाधिपति न्यायमूर्ति पी. एन. भगवती ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. लोकेशचन्द्र, संसद सदस्य, समारोह के मुख्य अतिथि थे।

प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ने स्वागत भाषण में सबको बधाई दी और प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। श्रीमती रीटा चटर्जी, निदेशक (भाषा), मानवसंसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्रीभवन नई दिल्ली ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

संस्कृत सप्ताहोत्सव के मध्य श्रृंखला-बद्ध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में 'विद्वत् सपर्या' समकालीन संस्कृत विद्वान् पर परिचर्चा का आयोजन 16 अगस्त 2008 को किया गया। परिचर्चा के विषय विद्वान् प्रो. गोविन्द पाण्डे थे। निम्नलिखित विद्वानों ने प्रो. पाण्डे की कृतियों पर अपने विचार प्रस्तुत किये-

1. श्री यशदेव शल्य, प्रसिद्ध दार्शनिक, जयपुर।
2. प्रो. वागीश शुक्ला, आई.आई.टी., नई दिल्ली।
3. प्रो. सच्चिदानन्द मिश्रा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
4. प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा, डा. हरिसिंह गौड़ संस्कृत

विद्वत सपर्या के दौरान मंच पर विद्यमान विद्वान

''कवि सपर्या''– समकालीन संस्कृत कवि पर परिचर्चा 17 अगस्त, 2008 को आयोजित की गई। परिचर्चा के विषय विद्वान् डॉ रमाकान्त शुक्ल, सेवानिवृत्त रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय थे। निम्नलिखित विद्वानों ने डा. शुक्ला की विद्वत्तपूर्ण कृतियों पर विचार प्रस्तुत किए–

1. प्रो. राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
2. प्रो. हरिदत्त शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
3. डॉ. हर्षदेव माधव, संस्कृत विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद।
4. डॉ. इच्छाराम द्विवेदी, रीडर, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
5. डॉ मंजुला शर्मा, व्याख्याता, सेन्ट जान्स महाविद्यालय, आगरा।

कवि सपर्या के दौरान परिचर्चा करते विद्वान्

अनेक अग्रगण्य विद्वानों ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

दिल्ली स्थित सम्बद्ध संस्थाओं ने विभिन्न समूहों में श्लोक-उच्चारण, भाषण-स्पर्धा, निबंध-लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विजेता छात्रों को स्मृति चिह्नों तथा प्रमाण-पत्रों के साथ-साथ नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

डॉ. विजयप्रकाश गोयल, उपमहानिदेशक, मानवसंसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में 21 अगस्त, 2008 को संस्कृत सप्ताहोत्सव के विदाई समारोह की शोभा बढ़ाई।

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कार्यक्रमों के सभी सहयोगियों, सहभागियों तथा दर्शकों का धन्यवाद किया।

संस्कृत सप्ताहोत्सव के मध्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सभी परिसरों में विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

डॉ. विजय गोयल, उपमहानिदेशक भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय संस्कृत सप्ताहोत्सव के समापन समारोह पर सम्बोधित करते हुए।

7.4 हिन्दी पखवाड़ा (14 से 30 सितम्बर, 2008)

हिन्दी पखवाड़ा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में 14 से 30 सितम्बर 2008 तक आयोजित किया गया। इस अवधि में विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने अति उत्साह से सहभागिता की। प्रो. इन्द्रनाथ चौधरी और डॉ. जी.सी. त्रिपाठी द्वारा दिनांक 30.09.2008 को विजेता कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
हिन्दी पखवाड़ा के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए।

7.5 महामहोपाध्याय गोपीनाथ कविराज स्मारक व्याख्यान (13 अक्टूबर, 2008)

महामहोपाध्याय गोपीनाथ कविराज स्मारक व्याख्यान का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अपने लखनऊ परिसर में 13 अक्टूबर 2008 को किया गया। प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने आगम परम्परा पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने महामहोपाध्याय गोपीनाथ कविराज के जीवन व उपलब्धियों तथा आगम अध्ययन में उनके योगदान पर भी परिचर्चा की। इस व्याख्यान में प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली एवं कई अन्य प्रतिष्ठित विद्वान् उपस्थित थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

7.6 महामहोपाध्याय मधुसूदन ओझा स्मारक व्याख्यान (7 नवम्बर, 2008)

महामहोपाध्याय मधुसूदन ओझा स्मारक व्याख्यान का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के तत्त्वावधान में उनके जयपुर परिसर में 7 नवम्बर 2008 को किया गया। प्रो. गया चरण त्रिपाठी ने स्मारक व्याख्यान दिया। उनके व्याख्यान का विषय "ऋग्वेद में साहित्यिक सिद्धान्त के तत्त्व" था। प्रो. त्रिपाठी ने ऋग्वेद में प्रयुक्त अलंकार शास्त्र की विविध धारणाओं एवं उनसे सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली का अति सुन्दर विश्लेषण प्रस्तुत किया। व्याख्यान के समय छात्र, शिक्षक और विद्वान भारी संख्या में उपस्थित थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

7.7 स्थापना दिवस (15 अक्तूबर, 2008)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का 38वाँ स्थापना दिवस राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के सम्मेलन कक्ष में 15 अक्तूबर, 2008 को मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संस्थापक निदेशक प्रो. रामकरण शर्मा को सम्मानित किया गया। "संस्कृत एवं हिन्दी में अन्तः सम्बन्ध" विषय पर परिचर्चा की गई। प्रख्यात विद्वान् श्री नामवर सिंह प्रमुख वक्ता थे। प्रो. राधावल्ल्भ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने समारोह की अध्यक्षता की।

बायें से : प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, श्री नामवर सिंह तथा प्रो. रामकरण शर्मा

7.8 कौमुदी महोत्सव– संस्कृत नाटक प्रतियोगिता (24 से 26 नवम्बर, 2008)

कौमुदी महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अन्तः परिसर संस्कृत नाटक प्रतियोगिता का आयोजन लिटिल थियेटर ग्रुप ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में 24 से 26 नवम्बर तक किया गया। समारोह का उद्घाटन डॉ. (श्रीमती) सरोजिनी महिषी, भूतपूर्व संसद सदस्या एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली की उपाध्यक्षा द्वारा किया गया। इस समारोह में प्रो. श्रीनिवास रथ, उपाध्यक्ष, महर्षि सन्दीपनी राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन तथा प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, परामर्शदाता, आई.जी.एन.सी.ए. वाराणसी, अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्कृत नाटक प्रतियोगिताओं के उद्देश्यों का प्रतिपादन किया। डॉ. प्रकाश पाण्डेय, सहायक कुल-सचिव ने उद्घाटन समारोह में अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। उद्घाटन समारोह में प्रो. एन.एस. आर. ताताचार्य की शब्दबोधमीमांसा, प्रो. राजेन्द्र मिश्र के कौमारम्, डॉ. हर्षदेव माधव द्वारा लिखित मूको रामगिरिर्भूत्वा तथा सर्वोत्तम सोलह नाटकों के डी.वी.डी. एलबम का विमोचन किया गया।

दाएं से-प्रो. राजेन्द्र मिश्र, प्रो. बलदेव मेहरा, प्रो. श्रीनिवास रथ, डॉ. सरोजिनी महिषी, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. के.डी. त्रिपाठी, प्रो. गंगाधर पण्डा तथा डॉ. हर्षदेव माधव उद्घाटन समारोह के अवसर पर

उद्घाटन समारोह के एक भाग "पूर्व रङ्ग" का प्रदर्शन दस परिसरों के छात्रों द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में संस्कृत नाटक-माला में प्रथम कार्यक्रम का मंचन श्री वेंकटेश मूर्ति, शोध सहायक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा "यक्षगान" के एकल अभिनय के रूप में किया गया।

सभी परिसरों के छात्रों द्वारा 24 से 26 नवम्बर, 2008 के दौरान निम्नलिखित दस संस्कृत नाटकों का मंचन किया गया।

1. पञ्चकल्याणी–गुरुवायूर परिसर, पुरनाटुकरा, त्रिचूर, केरल।
2. आश्चर्यचूड़ामणि–श्री राजीव गान्धी परिसर, शृङ्गेरी, कर्नाटक।
3. सीताच्छायम्–राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, भोपाल, मध्य प्रदेश।
4. प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्–जयपुर परिसर, जयपुर, राजस्थान।
5. उत्तररामचरितम्–श्री सदाशिव परिसर, पुरी, उड़ीसा।
6. विवाहविडम्बनम्–लखनऊ परिसर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

पूर्वरङ्ग

वन्दे मातरम्–नृत्य महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर किया गया।

"यक्षगान"–एकल अभिनय श्री वेंकटेश मूर्ति द्वारा

7. रत्नावली–गरली परिसर, गरली, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।
8. गौरी दिगम्बरम–गङ्गानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश।
9. सावित्रिचरितम्–श्री रणवीर परिसर, जम्मू।
10. राष्ट्र रक्षति रक्षितम्–मुम्बई परिसर, मुम्बई।

गुरुवायूर, शृंगेरी और भोपाल परिसर के छात्रों द्वारा अभिनीत पञ्चकल्याणी, आश्चर्यचूड़ामणि एवं सीताच्छायम् नाटकों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। आश्चर्यचूड़ामणि नाटक में रावण के पात्र का अभिनय करने वाले रवीश हेगड़े को सर्वश्रेष्ठ पुरुष पात्र घोषित किया गया। सीताच्छायम् नाटक में सीता के पात्र का अभिनय करने वाली कुमारी रागिनी शर्मा को सर्वश्रेष्ठ महिला पात्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ। इन नाटकों के निर्णायकगण थे:–

1. प्रो. राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
2. प्रो. राम रत्नम, कुलपति, रवि शंकर यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर।
3. प्रो. महेश चम्पक लाल शाह, विभागाध्यक्ष, परफॉर्मिंग आर्ट्स, महाराजा सियाजीराव यूनिवर्सिटी, बडोदरा।
4. प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी, निदेशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन।
5. डॉ. राम सुन्दर यादव, रीडर, लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ।
6. डॉ. बलदेवानन्द सागर, निदेशक, संस्कृत वार्ता, आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली।
7. श्रीमती विधु खेड़ा, नाट्य-कला विशेषज्ञ, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली।

श्री पी.के थुंगन, भूतपूर्व शिक्षा मन्त्री, भारत सरकार विदाई समारोह में मुख्य अतिथि थे। प्रो. राम करण शर्मा, भूतपूर्व अध्यक्ष, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ संस्कृत स्टॅडीज़, समारोह में मान्य अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की।

भगवद्ज्जुकीयम् तथा कालिदास के मालविकाग्नि-मित्रम् का अभिनय क्रमशः नीपा रंगमण्डली, लखनऊ और कालिदास अकादमी, उज्जैन द्वारा किया गया।

नाटक प्रतियोगिताओं के दर्शकगण अन्य प्रख्यात विद्वानों में से प्रो. सत्यव्रत शास्त्री, भूतपूर्व कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी, प्रो. श्रीधर वशिष्ठ, भूतपूर्व कुलपति, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, प्रो. बद्री नारायण पञ्चोली, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, श्री विद्या सागर वर्मा, कजाखिस्तान में भूतपूर्व भारतीय राजदूत, डॉ. रमाकान्त शुक्ला, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, प्रो. रमेश पाण्डेय, प्रो. अमिता शर्मा, प्रो. रमामणि तथा श्री लाल बहादुर शाास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के अन्य विद्वान्, प्रो. जयपाल विद्यालंकार, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. जी.सी. त्रिपाठी, प्रो. दीप्ति त्रिपाठी, प्रो. शशि प्रभा कुमार, जे.एन.यू. तथा अन्य थे।

'पञ्चकल्याणी' गुरुवायूर परिसर द्वारा

गुरुवायूर परिसर के संस्कृत नाटक में सहभागी

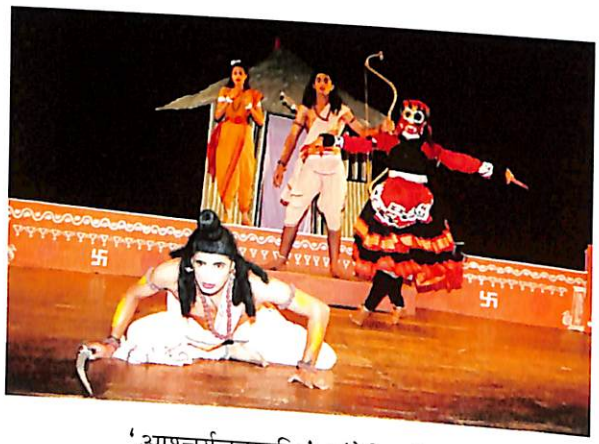

'आश्चर्यचूड़ामणि' शृंगेरी परिसर द्वारा

शृंगेरी परिसर के संस्कृत नाटक में सहभागी

'सीताच्छायम्' भोपाल परिसर द्वारा

भोपाल परिसर के संस्कृत नाटक में सहभागी

श्री रवीश हेगड़े सर्वश्रेष्ठ पुरुष पात्र का
पुरस्कार प्राप्त करते हुए

कु. रागिनी शर्मा सर्वश्रेष्ठ स्त्री पात्र का
पुरस्कार प्राप्त करते हुए

'विवाहविडम्बनम्' लखनऊ परिसर द्वारा

'उत्तररामचरितम्' पुरी परिसर द्वारा

'रत्नावली' गरली परिसर द्वारा

'प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्' जयपुर परिसर द्वारा

'गौरी दिगम्बरम्' इलाहाबाद परिसर द्वारा

'सावित्रीचरितम्' जम्मू परिसर द्वारा

'राष्ट्रं रक्षति रक्षितम्' मुम्बई परिसर द्वारा

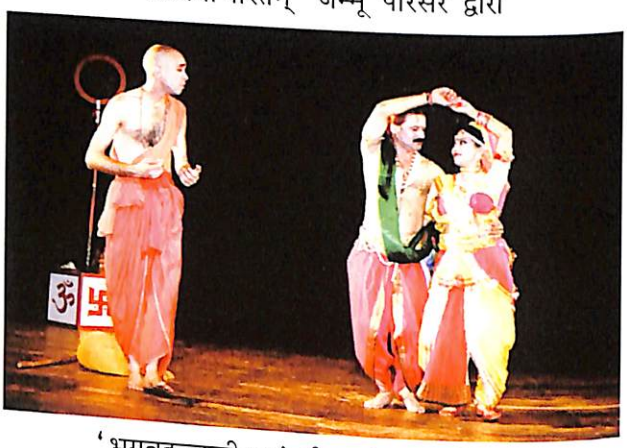

'भगवद्ज्जुकीयम्' नीपा रंगमण्डली द्वारा

'मालविकाग्निमित्रम्' कालिदास अकादमी द्वारा

समापन समारोह में विद्वान

श्री पी.के. थुंगन, भूतपूर्व शिक्षा मंत्री,
भारत सरकार समापन भाषण देते हुए

नाट्य प्रतियोगिता के विशिष्ट दर्शक

7.9 युवा-महोत्सव (Youth Festival) 20-22 दिसम्बर 2008

युवा-उत्सव का आयोजन 20-22-दिसम्बर, 2008 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी में आयोजित किया गया। जिसमें दस परिसरों के 315 छात्रों तथा 29 शिक्षकों ने विभिन्न आयोजनों में सहभागिता की।

बायें से : प्रो. राजेन्द्र मिश्र, प्रो. बलदेव मेहरा, प्रो. श्रीनिवास रथ, डॉ. सरोजनी महिषी, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. कमलादत्तत्रिपाठी, प्रो. गंगाधर पण्डा और डॉ. हर्षदेवमाधव उद्घाटन समारोह में

शास्त्रिक आयोजन :-

1. स्तोत्र-पाठ	2. विज्ञापन चित्रण
3. संस्कृतगीतम्	4. रंगावली
5. चित्रकारी	6. वादविवाद
7. शास्त्रीगायनम्	8. साहित्य रचना
9. कार्टून	10. प्रश्नमंच
11. शास्त्रीनाट्यम्	12. एकपात्र अभिनय

संयोजक

1. डॉ. वाई.एस. रमेश,
2. डॉ. एस. के. सेनापति,
3. डॉ. रत्नमोहन झा,

इन आयोजनों में निम्नलिखित निर्णायक थे :-

1. प्रो. राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
2. डॉ. भागीरथी नन्द, रीडर, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
3. डॉ. अन्विता शर्मा, रीडर श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
4. डॉ. ललित मोहन, विभागाध्यक्ष, डॉ. हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर।
5. श्री भास्कर सिंह, शिक्षक व कलाकार, डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, फरीदाबाद।
6. श्री शन्तनु सरकार, शिक्षक व कलाकार, दिल्ली पब्लिक स्कूल, फरीदाबाद।
7. श्रीमती इन्दिरा गांगुली, व्याख्याता, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता।
8. श्रीमती ताप्ती सिंह, शिक्षक व कलाकार, डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, दिल्ली।

9. डॉ. पंकज मिश्रा, रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
10. श्रीमती कविता द्विवेदी, निदेशक, उड़ीसा अकादमी।
11. डॉ. पुष्पा दीक्षित, निदेशक, पाणिनि शोध संस्थान, विलासपुर।
12. डॉ. श्रीनिवास वरखेडी, निदेशक, संस्कृत अकादमी, हैदराबाद।

बायें से : प्रो. राजेन्द्र मिश्र, प्रो. ए.सी. सारंगी, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी तथा डॉ. जी. गंगन्ना समापन समारोह में

युवा महोत्सव के समग्र विजेता -शृंगेरी परिसर के छात्र

युवा महोत्सव में साहित्यिक प्रतियोगिता की महिला सहभागी विजेता को प्रो. ए.सी. षडंगी पुरस्कार देते हुए

युवा महोत्सव में साहित्यिक प्रतियोगिता के पुरुष सहभागी विजेता को प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी पुरस्कार देते हुए

खेलकूद आयोजन :–

1. खेलकूद (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और 1500 मीटर दौड़)
2. कूदना (लम्बा और ऊँचा)
3. फेंकना (शॉटपुट, डिसकस वे जेवलिन)
4. बैडमिन्टन
5. वॉलीवाल
6. शतरंज
7. (मल्लयुद्ध 50 किलोग्राम, 55 किलोग्राम, 60 किग्रा., 66 कि.ग्रा और 74 किलोग्राम)
8. कबड्डी
9. मुक्केबाजी
10. जूडो
11. योग

संयोजक

1. श्री डी.वी. सिंह राजपूत
2. श्री रामनिवास
3. श्री अनूप
4. श्री शेलेन्द्र पाण्डे

खेलकूद आयोजनों के अभिनिर्णायक व निर्णायक निम्नलिखित थे:–

अभिनिर्णायक

1. प्रो. जे.एस. नारुला, अध्यक्ष खेलकूद, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. प्रो. जी.बी. दूबे, अध्यक्ष खेलकूद, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
3. प्रो. एन. शुक्ला- खेलकूद विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
4. प्रो. गणेश शंकर गिरि, विभागाध्यक्ष, डॉ. हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर।

निर्णायक

1. रघुनाथ साहू, पी.टी.आई. –खेलकूद
   सूरजमल साह महाविद्यालय, पुरी
2. पराशर महापात्र, खेलकूद अधिकारी -कबड्डी
   श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी
3. प्रदीप कुमार दलई, पी.ई.टी. –कबड्डी
   गोपबन्धु स्मृति विद्यापीठ, पटनाइकिया, पुरी
4. श्री समीर कुमार रोटरे, पी.ई.टी. –खेलकूद
   सरस्वती शिशु मन्दिर, हराचण्डी साही, पुरी
5. श्री शरत कुमार नन्दा, एन.आई.एस. –कबड्डी
   कबड्डी कोच, स्पोर्ट्स हॉस्टल, पुरी
6. श्री श्यामल कुण्डु –शतरंज
   चेरु असोसिएशन, पुरी
7. श्री राम नारायण गोच्छीकर –शतरंज
   चेस असोसिएशन, पुरी
8. श्री प्रेमानन्दा नायक, एन.आई.एस. –मल्लयुद्ध
   स्पोर्ट्स हॉस्टल, पुरी
9. श्री प्रियाजीत महापात्र, –मल्लयुद्ध
   एन.आई.एस., मल्लयुद्ध
10. श्री श्रीनिवास आचार्य, –कबड्डी व खेलकूद
    सदाशिव परिसर, पुरी सेवानिवृत्त पी.जी.टी.
11. श्री गोपीनाथ महापात्र, –मल्लयुद्ध
    मिश्रा साही, पुरी
12. ब्रजबन्धु महापात्र, पी.ई.टी. –खेलकूद
    सारस्वत विद्यानिकेतन, लोकनाथ रोड, पुरी
13. श्री रवीन्द्रनाथ सेनापति, –मल्लयुद्ध
    डी.एस.ओ., पुरी

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, राजीव गान्धी परिसर,शृंगेरी (कर्नाटक) इन आयोजनों में चैम्पियन था।

प्रो. गोपीनाथ महापात्र, कुलपति, जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति इस समारोह के सभापति थे।

प्रो. ए.सी. सारंगी, भूतपूर्व कुलपति, जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी विदाई समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की।

मार्च पास्ट

शपथ ग्रहण समारोह

योग का प्रदर्शन

भरतनाट्यम

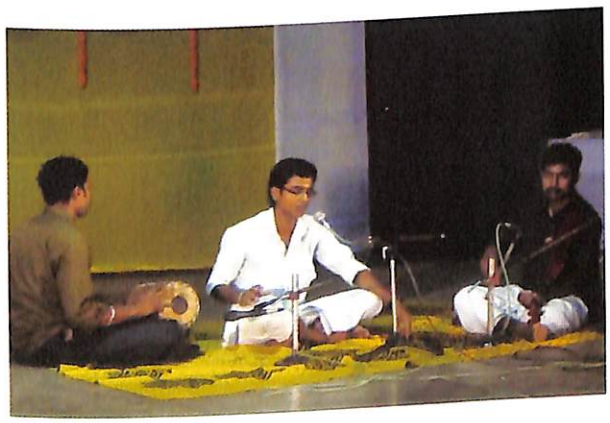

शास्त्रीय गायन

भाषण प्रतियोगिता

स्तोत्र पाठ

रंगोली

रंग सज्जा

कबड्डी

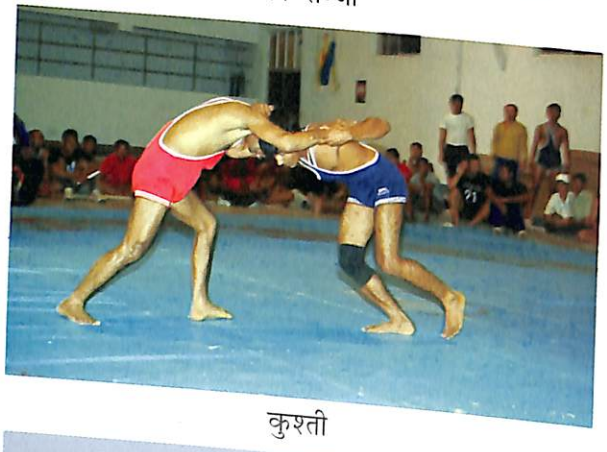

कुश्ती

लम्बी कूद

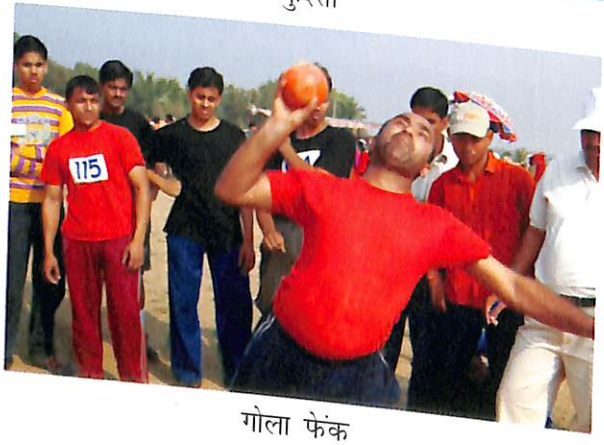

गोला फेंक

वालीवाल

7.10 अखिल भारतीय संस्कृत वाक्-स्पर्धा (23-25 दिसम्बर 2008)

अखिल भारतीय संस्कृत वाक्-स्पर्धा का आयोजन 23-25 दिसम्बर 2008 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के श्री सदाशिव पुरी परिसर में किया गया। इसमें देश के 16 राज्यों से 114 छात्रों एवं 16 शिक्षकों ने न्याय, व्याकरण और साहित्य में समस्यापूर्ति, श्लोकान्त्याक्षरी, भाषण-स्पर्धा और श्लाका परीक्षा के अतिरिक्त 8 शास्त्रों में भाग लिया।

समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति के द्वारा किया गया। प्रो. डी. प्रह्लादाचार्य, भूतपूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति समारोह के सम्माननीय अतिथि थे तथा वे विदाई समारोह में भी मुख्य अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली ने दोनों समारोहों की अध्यक्षता की।

बाएं से-प्रो. डी.प्रह्लादाचार, प्रो. एच.के सत्पथी, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी तथा डा. जी. गंगन्ना उद्घाटन समारोह के दौरान

कर्नाटक राज्य के सहभागी - स्पर्धा के विजेता

निम्नलिखित प्रतिष्ठित विद्वानों को प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया:

1. डा. प्रह्लादाचार्य, भूतपूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।
2. डॉ. राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
3. प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति।
4. प्रो. अशोक कालिया, भूतपूर्व कुलपति, श्री सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
5. डॉ. श्रीमती पुष्पा दीक्षित, निदेशक, पाणिनि शोध संस्थान, विलासपुर, छत्तीसगढ़।
6. प्रो. डी.पी. त्रिपाठी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
7. डॉ बदरी नारायण पंचोली सेवानिवृत प्रो. श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
8. प्रो. एस.एन. नेने, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
9. प्रो. कोरादा सुब्रह्मण्यम्, हैदराबाद।
10. प्रो. के. सी. पाधी, श्री जगन्नाथ संस्कृत-विश्वविद्यालय पुरी।
11. प्रो. गंगाधर पण्डा, श्री सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
12. प्रो. आर.एस. त्रिपाठी, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।
13. श्री सच्चिदानन्द मिश्रा, दर्शन विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
14. डॉ. श्रीनिवास वाराखेडी, निदेशक, संस्कृत अकादमी, उसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद।

श्लाका एवं कोशकंठपाठ: सहित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 42 पुरस्कार एवं पदक (स्वर्ण, रजत तथा कांस्य) प्रदान किए गए।

समग्र निष्पादन में कर्नाटक को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक कार्यो का भी मंचन किया गया। सहभागियों के अतिरिक्त अनेक संस्कृत विद्वानों, स्टाफ सदस्यों, छात्रों तथा जनसाधारण ने इस कार्यक्रम में अति उत्साह के साथ आनन्द उठाया।

7.11 राष्ट्रिय संस्कृत नाट्योत्सव-रंगप्रयोग महोत्सव (20-22 मार्च, 2009)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने भारतभवन, भोपाल के प्रेक्षागृह में अखिल भारतीय संस्कृत नाट्योत्सव का आयोजन 20-22 मार्च, 2009 को किया। इस अवसर पर 'ट्रेडिशन्स एण्ड पासिबिलिटी आफ संस्कृत थियेटर' पर प्रात:कालीन सत्रों में तीन दिन तक परिचर्चा की गई। विभिन्न प्रकार की कलाओं का मंचन सायंकालीन सत्रों में किया गया। समारोह का उद्घाटन प्रसिद्ध विशेषज्ञ नाटककार केवलम् पणिक्कर द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली, ने श्री केवलम पणिक्कर, प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, प्रो. राजेन्द्र मिश्र और श्री के.एस. राजेन्द्रन, एन.एस.डी.। विषय से सबंधित अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बीस संस्कृत नाटकों की डी. वी.डी. (नाट्य विंशति) और 2008-2009 के कौमुदीमहोत्सव के पार्श्व चित्र का विमोचन किया गया।

तीन दिवसीय प्रात:कालीन प्रथम सत्रों में निम्नलिखित विद्वानों ने भी विषय संबधित विचार व्यक्त किए।

प्रो. क्षेत्रवासी पण्डा, डॉ राकेश सोनी, प्रो. इन्द्र मोहन सिंह, श्री भगवती लाल राजपुरोहित, डॉ उदयन वाजपेयी, डॉ रामलखन पाण्डेय, डॉ भारतेन्दु मिश्रा, डॉ केदारनाथ शुक्ला, श्री आलोक चटर्जी, डॉ गजनन हेगड़े, श्री भारतरत्न भार्गव, श्री अलखनन्दन, डॉ. संगीता गुंडेचा, डॉ. जनार्दन मणि पाण्डेय, डॉ. रमाकान्त पाण्डेय, डॉ. धमेन्द्र सिंहदेव, डॉ. हरेराम मिश्रा, कुमारी शिल्पी मिश्रा और श्री संजय द्विवेदी।

उद्घाटन समारोह में श्री केवलम् पणिक्कर 'नाट्यविंशतिका' एलबम का विमोचन करते हुए

निम्नलिखित नाटकों का प्रदर्शन इस समारोह में किया गया–

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् : सोपानम् तिरुवनन्तपुरम द्वारा, दिशानिर्देश केवलम नारायण पाणिक्कर।
2. कुन्दमाला नाट्यायनम्, ग्वालियर द्वारा कमल वशिष्ठ के द्वारा दिशा–निर्देश।
3. भगवदज्जुकीयम् : द्वारा नीपा रंगमंडली, लखनऊ द्वारा दिशा–निर्देश सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ।
4. गीतगोविन्दम्– मणिपुर रास शैली में : राधामाधव संस्कृत कॉलेज, इम्फाल के छात्रों द्वारा।
5. यक्षगान– कंसवधाम् : वेंकटेशमूर्ति द्वारा।
6. सामगायन– प्रभाकर शास्त्री बपत द्वारा।
7. ध्रुव गायन : आस्था त्रिपाठी द्वारा।

संस्कृत नाटयोत्सव के अवसर पर श्री हबीब तनवीर सम्बोधित करते हुए

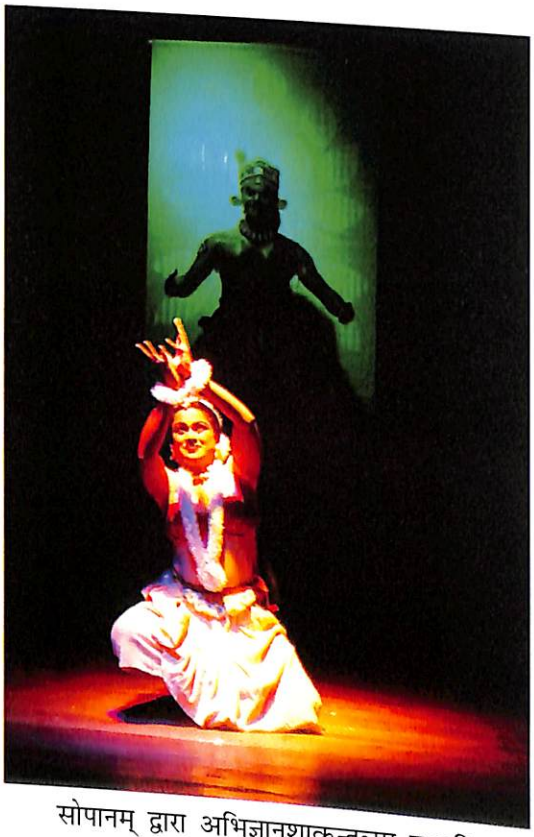

सोपानम् द्वारा अभिज्ञानशाकुन्तलम् प्रस्तुति

नीपा रंगमंडली द्वारा भगवद्ज्जुकीयम् प्रस्तुति

श्री प्रभाकर शास्त्री बपत द्वारा सामगायन

आस्था त्रिपाठी द्वारा ध्रुवा गायन

रा.मा. संस्कृत म. इम्फाल के छात्रों द्वारा मणिपुर रास शैली में गीतगोविन्दम्

नाट्यायनम्, ग्वालियर द्वारा कुन्दमाला

नीपा रंगमण्डली, लखनऊ द्वारा भगवद्ज्जुकीयम्

श्री वेंकटेश मूर्ति द्वारा यक्षगान - कंसवधम्

7.12 स्मृति व्याख्यानमाला (2 फरवरी 2009)

पंडित गौरीनाथ शास्त्री स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान और श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से भारतीय भाषा परिषद् कोलकत्ता के प्रेक्षागृह में दिनांक 2 फरवरी, 2009 को किया गया। प्रो. रमारंजन मुखर्जी, भूतपूर्व कुलाधिपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, ने "Global Perspectives of Sanskrit Aesthetics" पर अपने विचार व्यक्त किए।

स्मृति व्याख्यानमाला के अवसर पर प्रो. रमारंजन मुखर्जी, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, डॉ. विजय बहादुर सिंह एवं अन्य

7.13 अखिल भारतीय संस्कृत कवि समवाय (26 मार्च, 2009)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने प्रथम बार अखिल भारतीय संस्कृत कवि समवाय नटराज, नई दिल्ली के प्रेक्षागृह में 26 मार्च 2009 को आयोजित किया। प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति मुख्य अतिथि थे।

प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी समारोह के सम्माननीय अतिथि थे।

प्रो. इच्छाराम द्विवेदी कविता पाठ करते हुए

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कविता पाठ करते हुए

निम्नलिखित कवियों ने अपनी मौलिक संस्कृत कविताओं का पाठ किया:-

1. प्रो. एच.के शतपथी, तिरुपति।
2. प्रो. राजेन्द्र मिश्र, शिमला
3. प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी, वाराणसी
4. श्री श्रीकृष्ण सेमवाल
5. प्रो. जगन्नाथ पाठक, इलाहाबाद
6. प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, लखनऊ
7. प्रो. इन्द्रमोहन सिंह, पटियाला
8. प्रो. रमाकान्त शुक्ल, दिल्ली
9. प्रो. हर्षदेव माधव, गुजरात
10. प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, भुवनेश्वर
11. प्रो. हरिदत्त शर्मा, इलाहाबाद
12. प्रो. पी.सी. मुरली माधवन, केरल
13. प्रो. कलानाथ शास्त्री, जयपुर
14. प्रो. रामदेव झा
15. प्रो. इच्छाराम द्विवेदी, दिल्ली
16. प्रो. सतीश कुमार, जयपुर
17. डॉ. रामलखन पाण्डेय, लखनऊ
18. डॉ. बनमाली बिस्वाल, इलाहाबाद
19. डॉ. जनार्दन पाण्डेय, इलाहाबाद
20. श्री निलिम्प त्रिपाठी, भोपाल
21. डॉ. भगीरथि नन्द, दिल्ली
22. प्रो. शिवजी उपाध्याय, वाराणसी
23. डॉ. सीतानाथ आचार्य, कोलकाता
24. डॉ. शिव प्रसाद भारद्वाज
25. प्रो. कामता प्रसाद त्रिपाठी

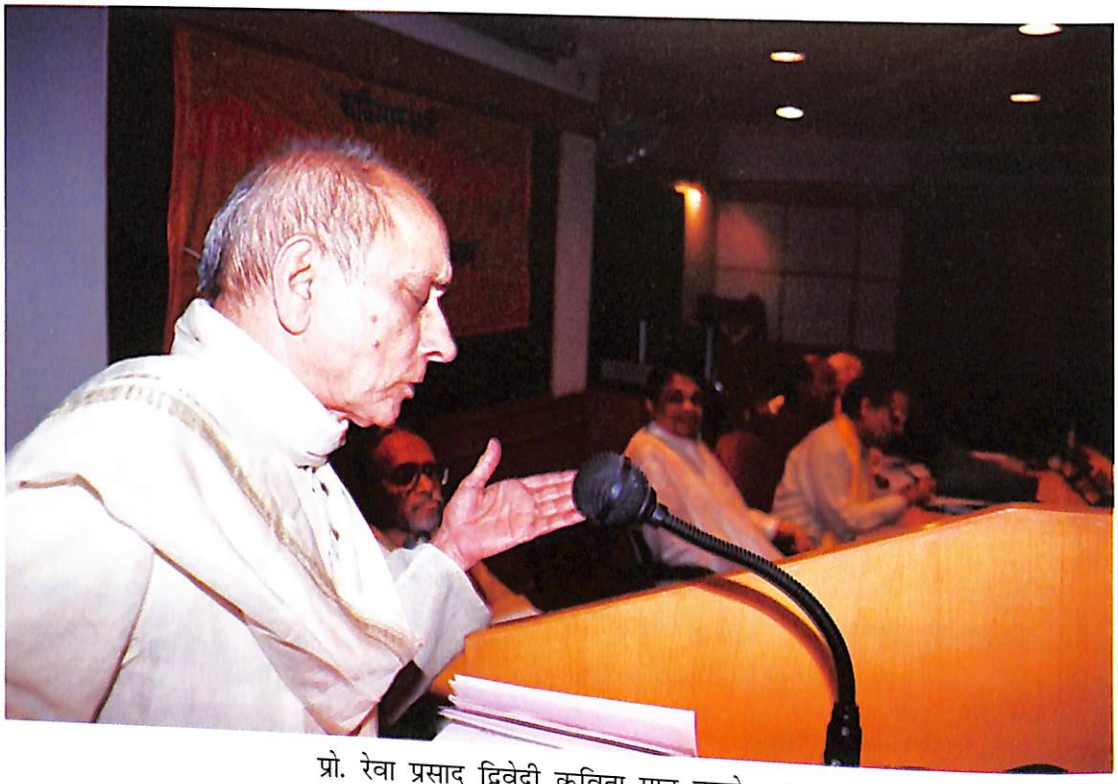

प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी कविता पाठ करते हुए

प्रो. इन्द्रमोहन सिंह कविता पाठ करते हुए

प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति (11.5.2008 तक) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली डॉ. अनिता भटनागर जैन कुलपति (23.5.08 से 13.8.08 तक) प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी कुलपति (14.8.2008 से) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली।	अध्यक्ष
2.	श्री नीतीश सेनगुप्ता भूतपूर्व सदस्य-योजना आयोग 'सुनन्दा' 40/135, सी.आर.पार्क एक्स्टेंशन, नई दिल्ली-110019	सदस्य
3.	प्रो. श्रीनिवास रथ 12, उदयन मार्ग, उज्जैन-456010 (म.प्र.)	सदस्य
4.	प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी निदेशक, कालिदास संस्कृत अकादमी विक्रम विश्वविद्यालय मार्ग कोठी रोड, उज्जैन (म.प्र.)	सदस्य
5.	प्रो. गंगाधर पण्डा प्रोफेसर ऑफ संस्कृत पुराणेतिहास विभाग संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी-221002 (उ.प्र.)	सदस्य
6.	प्रो. बलदेव मेहरा संस्कृत विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक-124001 (हरियाणा)	सदस्य
7.	वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001	

क्रमशः....

8.	निदेशक (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
9.	डॉ. कमल नयन शर्मा, रीडर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाई-पास, जयपुर-302018 (राजस्थान)	सदस्य
10.	डॉ. एस.सुब्रह्मण्य शर्मा वरिष्ठ व्याख्याता, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरूवायूर परिसर पो. पुरनाटुकरा, जिला-त्रिचूर-680551 (केरल)	सदस्य
11.	कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	सदस्य-सचिव

संलग्नक-ख

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

1.	कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	निदेशक (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
3.	प्रो. श्रीनिवास रथ 12, उदयन मार्ग, उज्जैन-456010 (म.प्र.)	सदस्य
4.	श्री एस.के.राय, वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
5.	डॉ. करतार सिंह (यू.जी.सी. नामिती) उप वित्त अधिकारी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	सदस्य

6.	श्री नीतिश सेनगुप्ता भूतपूर्व सदस्य - योजना आयोग 'सुनन्दा' 40/135, सी.आर.पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110019	सदस्य
7.	प्रो. केशव शर्मा रत्न कुमारी संस्कृत शोध संस्थान भारती विहार, मशोबरा, शिमला (हि.प्र)	सदस्य
8.	कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	सदस्य-सचिव

संलग्नक-ग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
1.	प्रो. सुरेन्द्र झा (21.2.2008 से)	प्राचार्य	साहित्य, व्याकरण
2.	डॉ. (श्रीमती) एस. के. मिश्र	रीडर	साहित्य
3.	डा. ललित कुमार त्रिपाठी	रीडर	नव्य व्याकरण
4.	डॉ. वी. एन. गिरि	रीडर	साहित्य
5.	डॉ. बनमाली बिस्वाल	रीडर	व्याकरण
6.	डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय	रीडर	साहित्य
7.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	व्याख्याता	साहित्य
8.	श्रीमती बीना मिश्र	संग्रहाध्यक्ष	शोध
9.	श्री राम रूप	पुस्तकालयाध्यक्ष	शोध
10.	डॉ. (श्रीमती) शैलजा पाण्डेय	शोध सहायक	शोध
11.	श्री रामचन्द्र	शोध सहायक	शोध
12.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	शोध सहायक	शोध
13.	डॉ. राम किशोर झा	प्रतिलिपिक	शोध

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
2.	**श्री सदाशिव परिसर, पुरी**		
1.	डॉ. जी. गंगन्ना	प्राचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. के.बी. सुब्रायाडु	प्रोफेसर	अद्वैत वेदान्त
3.	डॉ. एफ. एम. पण्डा	प्रोफेसर	पुराणेतिहास
4.	डॉ. एच. के. मोहापात्र	प्रोफेसर	नव्य व्याकरण
5.	डॉ. ए. के. नन्दा	प्रोफेसर	धर्मशास्त्र
6.	डॉ. एम. चन्दशेखर (पदग्रहण 2.2.09)	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
7.	डॉ. खगेश्वर मिश्र	प्रोफेसर	धर्मशास्त्र
8.	डॉ. च. एन. वी. प्रसाद राव	रीडर	अद्वैत वेदान्त
9.	श्री एस.वी.आर. मूर्ति	रीडर	अंग्रेजी
10.	डॉ. के.वी. सोमयाजुलु	रीडर	नव्य व्याकरण
11.	डॉ. (श्रीमती) एम.रथ	रीडर	पुराणेतिहास
12.	डॉ. एल.के. साहू	रीडर	धर्मशास्त्र
13.	डॉ. एस.एम. रथ	रीडर	साहित्य
14.	डॉ. एम.एम. झा	रीडर	शिक्षा शास्त्र
15.	डॉ. एस.के. सेनापति	रीडर	सर्वदर्शन
16.	डॉ. यू.एन. झा	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
17.	डॉ. आर.के. बर्मन	रीडर	अद्वैत वेदान्त
18.	डॉ. सत्यम कुमारी	रीडर	नव्य न्याय
19.	श्री बी.पी. मोहन्ती	व्याख्याता (पी.ई.) चयन श्रेणी	शारीरिक शिक्षा
20.	डॉ. ए. परुस्ती	वरिष्ठ व्याख्याता	नव्य व्याकरण
21.	श्रीमती गौरा प्रिया दाश	वरिष्ठ व्याख्याता	सांख्य योग
22.	डॉ. पी.के. महापात्र	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
23.	डॉ. आर.के. मिश्रा	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
24.	डॉ. शुभस्मिता मिश्रा	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
25.	डॉ. (श्रीमती) एन. पाणिग्रही	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
26.	डॉ. के. ई. मधुसूदन (21.11.08 को कार्यमुक्त)	वरिष्ठ व्याख्याता	न्याय
27.	डॉ. बृंदाबन पात्र	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
28.	डॉ. एस.जी. पाण्डेय	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
29.	डॉ. वी.पी. कच्छवाह	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
30.	डॉ. दुर्गा चरण सारंगी	व्याख्याता	नव्य व्याकरण
31.	डॉ. महेश झा	व्याख्याता	न्याय
32.	डॉ. विश्वरंजन पति (26.2.09 को कार्यग्रहण)	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
33.	श्री ए.के. मीणा (4.3.09 को पदग्रहण)	व्याख्याता	एस.वाई.
34.	डॉ. गणपति शुक्ला (6.3.09 को कार्यग्रहण)	व्याख्याता	एन.एन.
35.	डॉ. श्रीमती के. महापात्र	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ ग्रेड)	हिन्दी
36.	डॉ. एन.सी. साहू	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ ग्रेड)	उड़िया
37.	श्री पी.सी. मोहपात्र	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ ग्रेड)	इतिहास
38.	कुमारी स्नेहा नन्दा	पी.जी.टी. (वरिष्ठ ग्रेड)	साहित्य
39.	डॉ. श्रीमती एस. सतपथी	वरिष्ठ पी.जी.टी.	सर्वदर्शन
40.	डॉ. पी.सी. साहू	वरिष्ठ ग्रेड टी.जी.टी.	गणित
41.	श्रीमती बी.एल. मोहन्ती	वरिष्ठ ग्रेड टी.जी.टी.	साहित्य
42.	डॉ. (श्रीमती) आर.एम. प्रतिहारी	वरिष्ठ ग्रेड टी.जी.टी.	साहित्य
43.	श्री डी.पी. दास महपात्र	वरिष्ठ ग्रेड टी.जी.टी.	इतिहास
44.	डॉ. एन.के. पाण्डेय	वरिष्ठ टी.जी.टी.	व्याकरण
3.	**श्री रणवीर परिसर, जम्मू**		साहित्य
1.	प्रो. वी.एम. शास्त्री	प्राचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. वाई.पी. खजूरिया	प्रोफेसर	ज्योतिष
3.	डॉ. आई.एम. दास	प्रोफेसर	दर्शन
4.	डॉ. बी.एन. झा	रीडर	दर्शन
5.	श्री के. रघुनाथन	रीडर	अंग्रेजी
6.	श्री एस.सी. शर्मा	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
7.	डॉ. जे.भानु मूर्ति	रीडर	साहित्य
8.	डॉ. वी.एन.झा	रीडर	शारीरिक शिक्षा
9.	डॉ. रमेश सिंह	रीडर	व्याकरण
10.	डॉ. हरि नारायण तिवारी	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
11.	डॉ. जे.आर. शर्मा	वरिष्ठ व्याख्याता	

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
12.	डॉ. जय प्रकाश नारायण	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
13.	डॉ. नागेन्द्र नाथ झा	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
14.	डॉ. बी.बी. मिश्रा	रीडर	ज्योतिष
15.	डॉ. सी.एम. रैना	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
16.	डॉ. डी.के. सिंहदेव	व्याख्याता	साहित्य
17.	श्री शीश राम	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
18.	श्री गोरांग बाग	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
19.	श्रीमती रेणु मल्होत्रा	कनिष्ठ व्याख्याता	राजनीति विज्ञान
20.	डॉ. विनोद कुमार गुप्ता	कनिष्ठ व्याख्याता	हिन्दी
21.	डॉ. रामजी पाण्डेय	पी.जी.टी.	व्याकरण
22.	श्रीमती निर्मल गुप्ता	टी.जी.टी.	डोगरी/हिन्दी
23.	डॉ. एस.एन. शर्मा	टी.जी.टी.	व्याकरण
24.	श्रीमती विजय शर्मा	टी.जी.टी.	डोगरी/हिन्दी
25.	श्री राम दास	टी.जी.टी.	ज्योतिष
26.	कुमारी मीनाक्षी बावा	कम्प्यूटर शिक्षिका	
27.	श्री अजय कुमार	कम्प्यूटर शिक्षक	
4.	**गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर**		
1.	डॉ. के.टी. माधवन्	प्राचार्य, प्रभारी व प्रोफेसर	साहित्य
2.	डॉ. ई.एम. राजन्	रीडर	साहित्य
3.	डॉ. (श्रीमती) इन्दिरा पी.	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
4.	डॉ. के. कृष्णन नम्बूदिरी	व्याख्याता	साहित्य
5.	श्री के. विश्वनाथन्	व्याख्याता	साहित्य
6.	श्री ए.एम.सी. त्रिविक्रमन नम्बूदिरी	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ ग्रेड)	साहित्य
7.	डॉ. (श्रीमती) के. सरलादेवी	व्याख्याता	व्याकरण
8.	डॉ. प्रसन्ना उन्निथान	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ ग्रेड)	व्याकरण
9.	डॉ. शम्भुनाथ महालिक	व्याख्याता	वेदान्त
10.	डॉ. ई.के. मधुसूदन	रीडर	न्याय
11.	डॉ. आर. बालामुरूगन्	व्याख्याता	न्याय
12.	डॉ. एन. आर. श्रीधरन्	व्याख्याता	न्याय

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
13.	डॉ. च. एल. एन. शर्मा	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
14.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
15.	डॉ. चन्द्रकान्त	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
16.	डॉ. डी.के. सिंगदो	व्याख्याता	साहित्य
17.	डॉ. अशोक कुमार कछवाह	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
18.	डॉ. बी. पी.एम. श्रीनिवास	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
19.	डॉ. वेंकट रमण भट	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
20.	श्रीमती के.यू. जया	कनिष्ठ व्याख्याता	इतिहास
21.	श्रीमती वी. के. सुबैदा	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ ग्रेड)	हिन्दी
22.	श्रीमती के. ए. जेस्सी	कनिष्ठ व्याख्याता	मलयालम
5.	**जयपुर परिसर, जयपुर**		
1.	डॉ. हिन्द केसरी	प्राचार्य	व्याकरण
2.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	डॉ. शिवकान्त झा	रीडर	व्याकरण
4.	डॉ. श्रीधर मिश्रा	रीडर	व्याकरण
5.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	व्याख्याता	व्याकरण
6.	डॉ. के. पी. केशवन	रीडर	साहित्य
7.	डॉ. विजय पाल शास्त्री	रीडर	साहित्य
8.	डॉ. रमाकान्त पाण्डेय	रीडर	साहित्य
9.	डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
10.	डॉ. कमल नयन शर्मा	रीडर	धर्मशास्त्र
11.	डॉ. (श्रीमती) भगवती सुदेश	रीडर	धर्मशास्त्र
12.	डॉ. वासुदेव शर्मा	प्रोफेसर	ज्योतिष
13.	डॉ. ईश्वर भट्ट	वरिष्ठ रीडर	ज्योतिष
14.	डॉ. विजय कुमार शर्मा (26.2.09 को कार्यग्रहण)	व्याख्याता	ज्योतिष
15.	डॉ. श्रियांस कुमार सिंघई	रीडर	जैन-दर्शन

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
16.	डॉ. अनेकान्त कुमर जैन	वरिष्ठ व्याख्याता	जैन-दर्शन
17.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	व्याख्याता	जैन दर्शन
18.	प्रो. सी.एल.एन.शर्मा (29.1.09 को स्थानान्तरित)	वरिष्ठ रीडर	ज्योतिष
19.	डॉ. टी.के. शर्मा	रीडर	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. वाई.एस. रमेश	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
21.	डॉ. सुदेश कुमार शर्मा	रीडर	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. (श्रीमती) संतोष मित्तल	रीडर	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. फतेह सिंह	रीडर	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. सोहन लाल पाण्डेय	रीडर	शिक्षाशास्त्र
25.	डॉ. दरियाव सिंह	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
26.	कुमारी लीना सक्करवाल	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
27.	डॉ. ओ. पी. भदाना	रीडर	शारीरिक शिक्षा
6.	**लखनऊ परिसर, लखनऊ**		
1.	प्रो. एन.आर. कन्नन	प्राचार्य	न्याय, मीमांसा, वेदान्त
2.	प्रो. एस.एन. झा	प्रोफेसर	ज्योतिष
3.	डॉ. एस.के. चतुर्वेदी	रीडर	व्याकरण
4.	डॉ. एस.के. पाठक	रीडर	व्याकरण
5.	डॉ. एम. चन्द्रशेखर	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
6.	डॉ. एल.एन. पाण्डे	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
7.	डॉ. बटोही झा	रीडर	साहित्य
8.	डॉ. वी.के. जैन	रीडर	बौद्ध दर्शन
9.	डॉ. अवधेश कुमार चौबे	रीडर	बौद्ध-दर्शन
10.	डॉ. एस.के. पाण्डे	रीडर	हिन्दी
11.	डॉ. राम लखन पाण्डेय	रीडर	साहित्य
13.	डॉ. जी.पी. शर्मा	रीडर	शारीरिक शिक्षा
13.	डॉ. (श्रीमती) ए. अग्रवाल	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
14.	डॉ. बच्चा भारती	रीडर	शिक्षा-शास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
15.	डॉ. डी.के. झा	व्याख्याता	व्याकरण
16.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम	व्याख्याता	ज्योतिष
17.	डॉ. भारत भूषण त्रिपाठी	व्याख्याता	व्याकरण
18.	डॉ. देवी प्रसाद दूबे	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
19.	डॉ. शामदेव मिश्र	व्याख्याता	ज्योतिष
20.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
21.	कुमारी गजाला अंसारी	व्याख्याता	साहित्य
22.	डॉ. गुरचरन सिंह नेगी	व्याख्याता	बौद्ध दर्शन
23.	श्री पवन कुमार	व्याख्याता	साहित्य
24.	श्री कुलदीप शर्मा	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
25.	श्री जगन्नाथ झा	कनिष्ठ व्याख्याता	राजनीति विज्ञान
26.	श्रीमती कविता बिसरिया	कनिष्ठ व्याख्याता	अंग्रेजी
27.	डॉ. एस.पी. सिंह	कनिष्ठ व्याख्याता	अर्थशास्त्र
7.	**श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी**		
1.	प्रो. आर. देवनाथन	प्राचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. ई.एम. राजन (स्थानान्तरित)	रीडर	साहित्य
4.	डॉ. महाबलेश्वर पी.भट्ट	रीडर	अद्वैत वेदान्त
5.	डॉ. सुब्राय वी. भट्ट	रीडर	मीमांसा
6.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
7.	डॉ. रमाकान्त मिश्र (स्थानान्तरित)	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
8.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. सी.एस.एस.एन. मूर्ति	वरिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
10.	डॉ. नवीन होल्ला	व्याख्याता	नव्य न्याय
11.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	व्याख्याता	व्याकरण
12.	श्री कृष्णनाथन पद्मनाभम्	व्याख्याता	व्याकरण
13.	श्री गणेश ईश्वर भट्ट	व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
14.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	व्याख्याता	साहित्य
15.	डॉ. भगवान समथराय	व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
16.	डॉ. चंद्रकला आर. कोन्डी	व्याख्याता	साहित्य

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
17.	डॉ. सूर्यनारायण भट	व्याख्याता	मीमांसा
18.	डॉ. वेंकटरमन भट (स्थानान्तरित)	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
19.	डॉ. गणेश टी. पंडित	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
20.	डॉ. के. गिरिधर राव	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
21.	श्रीमती कविता एस.	व्याख्याता	कन्नड़
22.	श्री प्रभाकर	व्याख्याता	इतिहास
23.	श्री श्यामसुन्दर	व्याख्याता	नव्य न्याय
24.	श्री मधुकेश्वर भट	व्याख्याता	नव्य न्याय
25.	श्री शंकर एम. हैबर	व्याख्याता	मीमांसा
26.	श्री विनय एम.एस.	व्याख्याता	अंग्रेजी
27.	श्रीमती श्यामनाथन जे.एस.	व्याख्याता	हिन्दी
28.	श्री अनन्तकृष्णा	व्याख्याता	नव्य न्याय
29.	श्री शशिधर के.वी.	संकाय	कम्प्यूटर
8.	**गरली परिसर, गरली**		
1.	प्रो. सुरेन्द्र झा (20-2-2009 तक)	प्राचार्य	शिक्षा-शास्त्र
2.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय (21-2-09 से प्रभावी)	प्राचार्य	वेद, तन्त्र, साहित्य, वेदान्त, सुरलिपि
3.	प्रो. आर.एन. दास	प्रोफेसर	व्याकरण
4.	डॉ. एम.एम. पाठक	रीडर	ज्योतिष
5.	डॉ. आर.के. शर्मा	रीडर	साहित्य
6.	डॉ. सुबोध शर्मा	रीडर	व्याकरण
7.	डॉ. एस.एन. तिवारी	रीडर	साहित्य
8.	डॉ. ए.सी. गौड़ शास्त्री	रीडर	व्याकरण
10.	डॉ. एस.के. त्रिपाठी	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
11.	डॉ. के.के. दलाल	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
12.	डॉ. वी.के. निर्मल	व्याख्याता	ज्योतिष
9.	**भोपाल परिसर, भोपाल**		
1.	प्रो. आजाद मिश्र	प्राचार्य	व्याकरण
2.	प्रो. पी.एन. शास्त्री	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. वी.एन. चौधरी	रीडर	शिक्षाशास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
4.	डॉ. पी.डी. चौधरी	रीडर	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. पवन कुमार	रीडर	शिक्षाशास्त्र
6.	श्री नीलाभ तिवारी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. बोध कुमार झा	रीडर	व्याकरण
8.	श्री ब्रजभूषण ओझा	व्याख्याता	व्याकरण
9.	डॉ. कैलाश चन्द्र दाश	व्याख्याता	व्याकरण
10.	डॉ. सुज्ञान कुमार महन्ती	व्याख्याता	साहित्य
11.	डॉ. नारायणन ई. आर.	व्याख्याता	साहित्य
12.	डॉ. रामचन्द्र जोइस	व्याख्याता	साहित्य
13.	डॉ. हंसधर झा	रीडर	ज्योतिष
14.	श्री अमित शुक्ल	व्याख्याता	ज्योतिष
15.	डॉ. अशोक थपलियाल	व्याख्याता	ज्योतिष
16.	डॉ. अर्चना दूबे	व्याख्याता	हिन्दी
17.	श्रीमती स्नेह लता उपाध्याय	पुस्तकालयाध्यक्ष	शोध
10.	**के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई**		
1.	डॉ. एम.ए. बाबू	कार्यकारी प्राचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. कमल चन्द्र योगी	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	डॉ. एस. राधा	रीडर	साहित्य
4.	डॉ. प्रकाश चन्द्र	रीडर	व्याकरण
5.	डॉ. के.के. शिने	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. बत्तीलाल मीना	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	व्याख्याता	साहित्य
8.	डॉ. देवदत्त सरोदे	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. हरिप्रसाद	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
10.	श्री वी.एस.वी.भास्कर रेड्डी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. आर. गायत्री मुरली कृष्णा	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. रामरूप मिश्रा	शास्त्र चूड़ामणि	व्याकरण

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	नृसिंह नाथ गुरु	एस.एस. परिसर, पुरी	ए. क्रिटिकल एडीशन ऑन श्री गौरा-कृष्णोदय महाकाव्यम्	साहित्य
2.	तिरुमला उपनाम जयतीर्थ	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिरम्, बेंगलूर	क्रिटिकल एडिटिंग एण्ड स्टडी ऑफ गुरुवार्थदीधिति द कमेंट्री रिटन बाई श्री वंशपल्ली वेंकटपत्याचार्य ऑन तन्त्रसार संग्रह ऑफ श्रीमाधवाचार्य	तन्त्र शास्त्र
3.	श्वेता कुमारी	जी.एन.झा परिसर, इलाहाबाद	वामन महापुराणस्य साहित्यम् सांस्कृत्यन परिशलनम्	पुराणेतिहास
4.	रंगनाथ मिश्र	जी.एन.झा परिसर,	नारदपुराणान्तर्गत ज्योतिषशास्त्रस्य समीक्षिकमध्ययनम्	ज्योतिष
5.	पद्मालय दाश	एस.एस. परिसर, पुरी	शैक्षिकदृष्ट्या रावण-वध महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षा शास्त्र
6.	श्रीमती सौरभ	जी.एन.झा परिसर, इलाहाबाद	श्रीमज्जयसिंहसूरी प्रणीतस्य हम्मीरमदमर्दनम् इति नाटकस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
7.	माधव एन.पांडुरंगी	पूर्णप्रज्ञसंशोधन मन्दिरम्, बेंगलोर	श्री कुम्भकोण आनन्दतीर्थाचार्य कृत न्यायारचनाकारस्य विमर्शात्मकम्	द्वैत वेदान्त
8.	रंजन कुमार महापात्र	एस.एस. परिसर, पुरी	ए क्रिटिकल स्टॅडी ऑफ सिद्धान्त शिरोमणि टिप्पणीविवरण ऑफ श्री बुद्धिनाथ झा	ज्योतिष
9.	चन्द्रमौलि त्रिपाठी	जी.एन.झा परिसर,	महाभाष्यान्तर्गतम् प्रत्याहाराह्निकस्य पाणिनीतर व्याकरणालोके समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
10.	शुभेन्दु मिश्र	जी.एन.झा परिसर, इलाहाबाद	श्री लक्ष्मण सूरी प्रणीत पौलस्त्यवधम् नाटकस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
11.	सुमन मिश्र	जी.एन.झा परिसर, इलाहाबाद	शिवपरक पुराणेषु शिवतत्त्वविमर्श:	पुराण
12.	अर्चना तिवारी	जी.एन.झा परिसर, इलाहाबाद	स्वातन्त्र्योत्तर संस्कृतलघुकथनम् समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य

क्रमश:....

क्रमांक	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
13.	अजय कुमार सिंह	जी.एन. झा परिसर,	नीलकण्ठ दीक्षित प्रणीत नलचरित्र नाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
14.	राजलक्ष्मी देवी	एस.एस. परिसर, पुरी	ए क्रिटिकल स्टॅडी ऑफ लॉजिक ऑफ जैन-बौद्ध-न्याय फिलॉसफीज़	सर्वदर्शन
15.	किशोरी लाल सिंह	जी.एन.झा परिसर, इलाहाबाद	स्वातन्त्र्योत्तर संस्कृत काव्येषु समाजस्य पक्षचिन्तनम्	साहित्य
16.	सुशील कुमार	गरली परिसर, गरली	नीलकण्ठ दीक्षितस्य शिवलीलावर्णवस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
17.	कन्हैया लाल झा	लखनऊ परिसर, लखनऊ	काव्यशास्त्रीय रसानुभूति प्रक्रियायाः दार्शनिकमध्ययनम्	साहित्य
18.	बद्री नारायण शर्मा	जयपुर परिसर, जयपुर	सौन्दर्य शास्त्रालोके आचार्य गोविन्द चन्द्र पाण्डेय प्रणीतस्य सौन्दर्य-दर्शन-विमर्श ग्रन्थस्य समीक्षणम्	साहित्य
19.	के. शंकरनारायण आद्य	पूर्ण प्रज्ञ संशोधन मन्दिरम्	श्री वनीवल नृसिंह विरचितायाः प्रमाण-पद्धति टिप्पणी भवचन्द्रिकायाः सविमर्श सम्पादनम् अध्ययनं च	द्वैत वेदान्त
20.	श्रीमती छोटी बाई मीणा	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ, पी.विहार, नई दिल्ली	एन एथिकल एण्ड एन्वायरमेंटल स्टॅडी ऑफ गदाधरस्य सुधि सार	धर्म-शास्त्र
21.	गदाधर शर्मा	गरली परिसर, गरली	ए क्रिटिकल स्टॅडी ऑफ त्रिवेणिका ऑफ आशाधर भट्ट	साहित्य
22.	पंकज पाण्डेय	जी.एन.झा परिसर,	कविकर्णपूरविरचितस्यालंकार कौस्तुभस्य परिशीलनम्	साहित्य
23.	मनीष कुमार	जी.एन.झा परिसर, इलाहाबाद	महापुराणेषु आयुर्वेद विद्या विमर्श	साहित्य
24.	अजय कुमार बसेतिया	जयपुर परिसर, जयपुर	मुनिज्ञानसागरस्य वीरोदय महाकाव्यस्य अलंकारपरिशीलनम्	साहित्य
25.	एस. सुब्रह्मण्य	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	कठोपनिषद् ज्ञानकर्म समुच्चय समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैत वेदान्त

क्रमांक	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
26.	रश्मि शुक्ला	जी.एन.झा परिसर, इलाहाबाद	प्रमुखपुराणेषु भारतीय संस्कृति एकमध्ययनम्	साहित्य
27.	रजनी कान्त शर्मा	रणवीर परिसर, जम्मू	ज्योतिषशास्त्रे आचार्य पद्मप्रभुसूर्ये योगदानम्	ज्योतिष
28.	श्रीमती राज्यश्री	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	महर्षि पिंगलप्रणीतचन्डसूत्रोपरिविरचितानाम-वृतिनामतुलनात्मकसमीक्षात्मक अध्ययनम्	साहित्य
29.	पाल्लीस्मिता पाण्डेय	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	हिस्टोरीकल स्टडी ऑफ दी प्रतिसर्ग-पर्व आफ दी भविष्य पुराण	पुराणेतिहास
30.	सिद्धार्थ शंकरदास	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	ए कम्पेरेटिव स्टडी बिटवीन नीतिमयूख एण्ड शुक्रनीति	धर्मदर्शन
31.	अराधना पाण्डेय	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	धर्मशास्त्रीय विधानानामायुर्वेदीयमौचित्य	धर्मदर्शन
32.	मल्लिकार्जुन बी.एस.	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	दशोपनिषत्सु कथासामवेदविमर्शः	अद्वैत वेदान्त
33.	महेन्द्र कुमार	गरली परिसर	कविकल्पद्रुमस्य काव्यकामधेनु व्याख्यायाः सम्पादनम् समीक्षणम् च	साहित्य
34.	सनातन शुक्ला	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	छन्दोविज्ञानदृष्टया पंचमहाकाव्यानाम् समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
35.	महेश कथाकर	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	बृहदारण्यकोपनिषदः अलंकारशास्त्र दृष्टया समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
36.	रवि शंकर मिश्रा	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	कुमारमार्गवीयम काव्यशास्त्रीयम् अध्ययनम्	साहित्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएं

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय ग्राम-पो. लगमा, (रामभद्र पुर) वा. लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार)-847407	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन, प्राचीन व्याकरण)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा पटोरी, पो. पटोरी बसंत, जिला–दरभंगा (बिहार) 846003	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष-सिद्धान्त, फलित व व्याकरण)। विद्यावारिधि
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोल बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वा. बहेरा, जिला–दरभंगा (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
7.	डॉ. मंडन मिश्र माध्यमिक संस्कृत विद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
9.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत महाविद्यालय गाँव व पो. कथरा–847423 जिला–दरभंगा (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष और धर्मशास्त्र)। विद्यावारिधि
	दिल्ली	
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–15	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्य न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष-फलित और सिद्धांत)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612 दरीबा कलाँ, दिल्ली–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	समन्त भद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, जैन-दर्शन)
19.	श्री महावीर विश्वविद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन), विद्यावारिधि
20.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली–110027	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
21.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
22.	रामऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली–110081	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
23.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली–110039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
24.	बाल विद्या मन्दिर रोहिणी, पूठ कलाँ दिल्ली–110041	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमश:....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
गुजरात		
25.	श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय, समर्थेश्वर महादेव एलिस ब्रिज, अहमदाबाद–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
26.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
27.	एम.जे.पी. संस्कृत विद्यालय नरुनपुर, मीलाम्बिका रोड, अहमदाबाद–13	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
28.	दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय सरखेज गांधी नगर, हाईवे, छरोडी–382421	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
हरियाणा		
29.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
30.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील–पलवल जिला–फरीदाबाद (हरियाणा)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
31.	श्री रामकृष्ण संस्कृत विद्यालय जी.टी. रोड, मुरथल, जिला–सोनीपत (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
32.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा)	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
33.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
जम्मू व कश्मीर	
34. श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी जिला–राजौरी, जम्मू	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
झारखण्ड	
35. लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
कर्नाटक	
36. पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
केरल	
37. भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिल्हारा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
38. श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
39. श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल)	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
40. कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
41. कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय

क्रमश:....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
42.	श्री शंकर संस्कृत महाविद्यापीठम्, देवस्वम् बोर्ड जंक्शन, कावदिअर, पो. त्रिवेन्द्रम–695003	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
43.	श्री भारती संस्कृत महाविद्यालय, मुजुंगावु, पो. एडनाड कासरगोड (केरल) - 671321	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
44.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र		
45.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई–400007	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
46.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
47.	विवेकानंद संस्कृत पाठशाला विवेकानंद आश्रम, विवेकानंद नगर, पो. हिवाटा, (बी.यू.), तहसील मेहकर, जिला–बुलढ़ाना (महाराष्ट्र) 443301	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
48.	मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल, मणिपुर–795001	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
49.	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष व सर्वदर्शन)
पंजाब		
50.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
51.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज खन्ना–141401 जिला–लुधियाना (पंजाब)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
राजस्थान		
52.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, गंगापुर सिटी–322201 जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
उत्तर-प्रदेश		
53.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
54.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
55.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
56.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
57.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
58.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
59.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तराञ्चल		
60.	देववाणी संस्कृत विद्यालय पो. त्रियुगी नारायण जनपद जिला–चमोली	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
61.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय ज्वल्पा देवी मन्दिर, पो. पति सैन पौडी–गढ़वाल	
62.	आदर्श संस्कृत विद्यापरिषद् सलड महादेव जिला–पौडी गढ़वाल–246279	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
63.	पगलानन्द संस्कृत विद्यालय दौरा पो. (कंटई) जिला–मिदनापुर पश्चिम बंगाल–72140	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
64.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यन्याय, व्याकरण, वेदान्त, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
65.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प. बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
66.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, धर्मशास्त्र, व्याकरण, सांख्ययोग, नव्यन्याय, वेदान्त)
67.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, तेनोहरी, थाना रानीगंज जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
68.	भारती चतुष्पठी श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
69.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

संलग्नक-च

उन सरकारों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीआ (2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	–वही–
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	उड़ीसा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

उन विश्वविद्यालयों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73	मध्यमा	हायर सेकेण्डरी
		शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा	प्री-यूनिवर्सिटी
		शास्त्री-भाग-1	बी.ए. (भाग-1)
		शास्त्री-भाग-3	बी.ए. (अंतिम वर्ष)
		आचार्य	एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
		शास्त्री	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष)
		आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	डी.फिल्.
		वाचस्पति	डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं. ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना ईएलजी/सम-109/3949 दिनांक 26.4.1975	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
		शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
		आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय, पत्र सं. ई./3013 दिनांक 13.5.1975	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं. ए सी एम-II/6115 दिनांक 6.6.1975 और ए सी एम/II/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81	शास्त्री आचार्य	बी.ए., शास्त्री एम.ए.
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08	प्राक्शास्त्री	+2 स्तर परीक्षा
	ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली देखिए डी.ओ.सं. 80628 दिनांक 27-5-1988 सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/2009/6147 दिनांक 3.3.09	प्रथमा पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	आठवीं दसवीं बारहवीं
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम पत्र सं. सी.-3/720/76 जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76, एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43 दिनांक 23.4.76	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु)
		आचार्य	एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा	मध्यमा
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		शिक्षाशास्त्री	शिक्षाशास्त्री
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	विद्या वाचस्पति
26.	कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा	प्राज्ञ
		मध्यमा	विशारद
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा	प्रथमा
		पूर्वमध्यमा	मध्यमा
		उत्तरमध्यमा	उपशास्त्री
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री	बी.ए. (पास)
		आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षा शास्त्री	बी.एड.

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा/पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य	प्रथमा/पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना क अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.

क्रमश:....

क्रमांक	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 उत्तीर्ण) दिनांक 13.5.75	शास्त्री	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में
		आचार्य	एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री शास्त्री और आचार्य	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड. उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	-वही-	-वही-
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972		

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में कर्मचारियों की अनुभागवार कार्यरत संख्या

1.	**शैक्षणिक अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	शोध सहायक	1
	III	अवर श्रेणी क्लर्क (लिपिक)	1
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
2.	**शोध एवं प्रकाशन अनुभाग**		
	I	सहायक कुलसचिव	1
	II	शोध सहायक	2
	III	सहायक	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	1
3.	**पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग**		
	I	व्याख्याता	3
	II	शोध सहायक	3
	III	अनुभाग अधिकारी	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	2
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
4.	**परीक्षा अनुभाग**		
	I	सहायक निदेशक	1
	II	सहायक	2
	III	प्रशिक्षक	1
	IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	V	अवर श्रेणी लिपिक	6
	VI	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
5.	**प्रशासन अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	III	सहायक	4

	IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	2
	V	अवर श्रेणी लिपिक	8
	VI	गेस्टेटनर ऑपरेटर	1
	VIII	चतुर्थ श्रेणी/चौकीदार	11
6.	**वित्त अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	1
	III	विक्रय सहायक	1
	IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	2
	V	अवर श्रेणी लिपिक	2
	VI	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2
7.	**योजना अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	2
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
8.	**पुस्तकालय**		
	I	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष-ग्रेड-I	1
	II	पुस्तकालय सहायक	1
	III	सहायक	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	1
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
9.	**आदर्श पाठशाला योजना एकक**		
	I	शोध सहायक	1
	II	सहायक	1
	III	चतुर्थ कर्मचारी	1
10.	**छात्रवृत्ति अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	2
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1

11.	कुलपति एवं कुलसचिव		
	I	निजी सचिव	2
	II	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2

संलग्नक-झ

सम्बद्ध राज्य सरकारों के माध्यम से प्रेषित आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वर्ष 2008-09 के मध्य वार्षिक अनुदान स्वीकृत किया गया, उनकी राज्यवार संख्या का विवरण

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	17
2.	असम	1
3.	बिहार	29
4.	दिल्ली	10
5.	गुजरात	6
6.	हरियाणा	28
7.	हिमाचल प्रदेश	2
8.	जम्मू और कश्मीर	2
9.	झारखण्ड	2
10.	कर्नाटक	23
11.	केरल	24
12.	मध्य प्रदेश	19
13.	छत्तीसगढ़	1
14.	महाराष्ट्र	16
15.	मणिपुर	4
16.	उड़ीसा	12
17.	पाण्डिचेरी	1
18.	पंजाब	8
19.	राजस्थान	28

20.	सिक्किम	9
21.	तमिलनाडु	23
22.	उत्तर प्रदेश	158
23.	उत्तरांचल	53
24.	पश्चिम बंगाल	252
	कुल	**728**

संलग्नक-ञ

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	प्रो. राजेन्द्र मिश्र, शिमला	चित्रपर्णी	वैजयंत प्रकाशन, इलाहाबाद	23,594
2.	प्रो. बलभद्र गोस्वामी, बरेली	आहतकाश्मीरम्	अनुदानग्राही	32,064
3.	डॉ. सुजाता त्रिपाठी, दिल्ली	अन्नभट्टप्रदीपोधातनम्	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	2,56,790
4.	डॉ. नवलता, दिल्ली	संस्कृत वाङ्मये विज्ञानम्	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	31,229
5.	श्री गोपाल कृष्ण हेगडे, उत्तर कन्नड, कर्नाटक	मण्डलदर्शनम्	श्रीकृष्ण हेगडे मुद्रणालय, उत्तर कन्नड, कर्नाटक	39,434
6.	प्रो. भास्कर मिश्र, दिल्ली	शिक्षादर्शन	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	34,430
7.	श्री बाबू गाडगिल, इन्दौर	स्वर्गीय राजारामशास्त्री गाडगिल ग्रन्थावली	नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	30,958
8.	डॉ. अनिता राजपाल, दिल्ली	पदार्थ तत्त्व निरूपणम्	अमर ग्रन्थ पब्लिकेशन्स, दिल्ली	68,574
9.	डॉ. प्रणाम शर्मा, मुजफ्फरपुर	डॉ. रामकरण शर्मा व्यक्तित्व एवं कृतित्व	जागृति संस्थान, मुजफ्फरपुर	9,205
10.	कैप्टन राम भगत शर्मा, महेन्द्रगढ़	महाभारत भारतीय महाकाव्यम् विशिष्टाद्वैत, भाग 6 व 8	अनुदानग्राही	35,733
11.	निदेशक, अकादमी ऑफ संस्कृत रिसर्च, मलकोटे		अनुदानग्राही	2,16,230
12.	श्रीमती साधना श्रीवास्तव, इलाहाबाद	शिवलीलावर्णव महाकाव्यम्	जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली	22,487

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	डा. गदाधर भट्ट भट सदन, भट जी मन्दिर, झालवाड़ (राजस्थान)	ऋतु शतकम्	10,000
2.	आचार्य विद्याधर दीक्षित 289, आचार्य कुटीर, रेल बाजार, फतेहाबाद (यू.पी.)	चिह्नं कपोल कल्पितम्	19,725
3.	श्री प्रताप कुमार मिश्रा बी-30/229, नांगवा, लंका, वाराणसी-05	मुगल सम्राट् अकबर और संस्कृत	1,26,230
4.	डा. कृष्ण लाल ई-937, सरस्वती विहार, दिल्ली-34	वैदिक वाङ्मय विवेचनम्	46,817
5.	डा. शंकर देव शर्मा एच-54, पश्चिम ज्योति नगर, लोनी रोड, दिल्ली	शिखरिणी शतकम्	50,932
6.	डा. अर्चना तिवारी/ श्री रमेश तिवारी गांव पो. कोरसाल, जिला फतेहपुर-212665	आधुनिक संस्कृत कथाएँ : स्थिति और प्रवृत्ति	99,600
7.	डा. कमलेश कुमार 339, वार्ड नं. 7, शास्त्री नगर, कोरानव, इलाहाबाद-212306	संस्कृत साहित्य में यथार्थ	77,750
8.	डा. उमारमण झा 3, प्रीति विहार, सुरेन्द्र नगर, पो. चिन्हट, लखनऊ-15	श्री गुरुचरण शतकम्	36,500
9.	प्रो. ब्रजेश कुमार शुक्ला 78-ए, बादशाह बाग, विश्वविद्यालय परिसर, गोकरन नाथ रोड, लखनऊ	श्रीबालकृष्ण भट्ट प्रणीत अलंकारसमीक्षणम्	62,220

क्रमशः....

10.	डा. रामजीवन द्विवेदी कृष्ण सदन 70, विवेक विहार, ज्वालापुर, हरिद्वार	गोस्वामी तुलसीदास चरितम् महाकाव्यम्	99,540
11.	डा. राधेश्याम गंगवार धामि भवन, लिंक रोड, पिथौड़ागढ़ (यू.पी.)	चन्द्रगुप्तचरित महाकाव्यम्	51,000
12.	प्रो. ज्ञान प्रकाश शास्त्री वैदिक शोध संस्थान गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार	यजुर्वेद पदार्थ कोश	1,88,200
13.	डॉ. पुष्पा दीक्षित पाणिनीय शोध संस्थान तेलीपारा, बिलासपुर	धातुरूप कोश	1,38,650
14.	प्रो. जे.एन. जोशी गायत्री नगर पो. - काठगोदाम जिला - नैनिताल	विश्वेश्वर पाण्डेय की साहित्यिक कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन	57,500
15.	डॉ. आनन्द कुमार श्रीवास्तव सी-632, गुरु तेगबहादुर नगर करेली, इलाहाबाद	संस्कृत साहित्य में विज्ञान	58,900

संलग्नक-ठ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से वार्षिक अनुदान प्राप्तकर्ता आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का विवरण

1. कालीकट
आदर्श संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बालुसरी,
जिला-कोजीकोड,
केरल-673612

2. श्री रंगलक्ष्मी
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
वृन्दावन, उत्तर प्रदेश-281121

3. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बघोला, (पलवल),
जिला-फरीदाबाद,
हरियाणा

4. वैदिक संशोधन मंडल,
तिलक विद्यापीठ,
गुलटेकड़ी,
पुणे-400037

क्रमश:....

5. जे.एन.बी. आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पो. लगमा,
वाया-लोहना रोड,
जिला-दरभंगा,
बिहार-847407

6. श्री भगवानदास आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पो. गुरुकुल कांगड़ी,
जिला-हरिद्वार,
उत्तराञ्चल

7. मद्रास संस्कृत कॉलेज
एवं एस.एस.वी. पाठशाला
84, रोयपेटा हाई रोड,
मइलापुर, चेन्नई-600004,
तमिलनाडु

8. लक्ष्मी देवी सर्राफ
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
काली रेखा, जिला-देवघर,
झारखण्ड-814112

9. श्री एकरसानन्द
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
जिला-मैनपुरी,
उत्तर प्रदेश-205001

10. मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
द्वारा भारतीय विद्या भवन,
के.एम. मुंशी मार्ग, मुम्बई
महाराष्ट्र-400007

11. एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
डोहगी, जिला-ऊना,
हिमाचल प्रदेश-174307

12. हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
जांगला (रोहड़ू), जिला-शिमला
हिमाचल प्रदेश-171207

13. श्री दीवान कृष्ण किशोर
एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
अम्बाला कैंट, हरियाणा-133001

14. राजकुमारी गणेश शर्मा
संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा, पटोरी,
जिला-दरभंगा, बिहार-846003

15. पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम,
काठीगुप्पा मेन रोड, बंगलोर,
कर्नाटक-560028

16. स्वामी प्राङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत
महाविद्यालय, हुलासगंज, गया,
बिहार-804407

17. श्री सीताराम वैदिक
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड,
कोलकाता-700035
पश्चिम बंगाल

18. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
मालीघाट, मुजफ्फरपुर,
बिहार-842001

19. कालियाचक विक्रम किशोर
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
ग्राम-कालियाचक, पो. हरिया
जिला-पूर्वमेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721430

20. रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी
उत्तर प्रदेश-221003

21. संस्कृत अकादमी
(शोध संस्थान)
ओसमानिया यूनिवर्सिटी,
हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश

22. अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
मदुरान्तकम्, चेन्नई (तमिलनाडु)

23. चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान
वेलियानाद, एरनाकुलम् (केरल)

31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक् लेखा-रिपोर्ट

1. हमने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 31 मार्च, 2009 के संलग्न तुलनपत्र और 31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखों/प्राप्ति एवं भुगतान लेखों की लेखा-परीक्षा, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कार्य, शक्तियाँ व सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अन्तर्गत सम्पन्न की हैं। लेखा-परीक्षा 2012-13 तक की अवधि के लिए सौंपी गई हैं। ये वित्तीय विवरण संस्थान के कार्यकर्ताओं का उत्तरदायित्व है। इन वित्तीय विवरणों में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 10 एककों के लेखे सम्मिलित हैं। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षा के आधार पर मूल्यांकन प्रकट करना है।

2. इस पृथक् लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) की टिप्पणी केवल लेखा-विवेचन पर है जो श्रेष्ठ लेखा रीतियों, लेखा-मानकों एवं प्रकटन मानदंडों आदि सहित वर्गीकरण समनुरूपता से सम्बद्ध हैं। विधि, नियम तथा विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) के अनुपालन से संबधित वित्तीय लेन-देन तथा कार्यक्षमता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि पर लेखा-परीक्षा टिप्पणी कोई हो, निरीक्षण रिपोर्टों/सी.ए.जी. की लेखा-परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक् रूप से सूचित की जाती है।

3. हमने अपनी लेखा-परीक्षा सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखा-परीक्षा मानकों के अनुरूप सम्पन्न की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के आर्थिक, अयथार्थ विवरणों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम लेखा-परीक्षा आयोजित एवं सम्पन्न करें। लेखा-परीक्षा के वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थक साक्ष्यों की नमूना आधार पर जांच शामिल है। प्रयुक्त लेखा-सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण प्राक्कलनों और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी लेखा-परीक्षा में अन्तर्विष्ट है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारे विचार को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि:-

(i) हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) इस प्रतिवेदन के तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे/प्राप्ति एवं भुगतान लेखे भारत सरकार वित्त मन्त्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार नहीं किए गए हैं।

(iii) हमारा विचार है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उचित लेखा बहियों तथा अन्य सम्बद्ध रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। हमारे द्वारा अब तक परीक्षित ऐसी बहियों से यहीं प्रकट होता है।

(iv) हम आगे सूचित करते हैं कि:-

क. तुलन-पत्र

क.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ

क.1.1 प्रारम्भ से ही चालू परिसम्पत्तियों पर मूल्य-ह्रास नहीं लगाया गया था। इससे परिसम्पत्तियों को अधिक करके एवं व्यय को कम करके दर्शाया गया है। इस रकम का प्रमात्रीकरण नहीं किया जा सका।

क.2 निवेश

भविष्य निधि निवेश वित्त मन्त्रालय द्वारा निर्धारित स्वरूप के अनुसार नहीं थे। देखिए अधिसूचना सं. एफ. -5(53)/2002-ई सी बी व पी आर, दिनांकित 24.01.2005।

क्रमशः....

ख. लेखांकन नीति

संस्थान ने अपनी 'महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ' तथा 'लेखों पर नोट' प्रकट नहीं किए थे।

ग. सामान्य

ग1. संस्थान ने अपना लेखा उपचय आधार के बजाय नकदी आधार पर तैयार किया है।

ग2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर में रु. 11.99 लाख (अनन्तिम राशि) का गबन हुआ, जिसमें से रु. 6.28 लाख की राशि मुख्य लेखे में डाल दी गई है और तुलन-पत्र में रु. 5.69 लाख समायोजनाधीन के रूप में एवं रु. 0.59 लाख 'वसूली योग्य अग्रिमों' के अन्तर्गत दिखाए गए हैं। सामान्य भविष्य निधि से सम्बन्धित रु. 5.71 लाख की शेष राशि को हिसाब में सम्मिलित नहीं किया गया है क्योंकि विस्तृत जाँच-पड़ताल की जा रही है।

घ. सहायता अनुदान

वर्ष 2008-09, में संस्थान ने भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय से कुल रु. 62.24 करोड़ योजनेत्तर रु. 27.24 करोड़ तथा योजना रु. 35 करोड़) का अनुदान प्राप्त किया। इन्होंने रु. 1.76 करोड़ (योजना रु. 0.28 करोड़, और योजनेत्तर रु. 1.48 करोड़) की आय अपने स्त्रोतों से भी अर्जित की। इन्होंने रु. 67.56 करोड़ (योजना रु. 38.55 करोड़ और योजनेत्तर रु. 29.01 करोड़) का उपयोग किया। अतिरिक्त व्यय पिछले वर्ष के अव्ययित शेष में से चुकाया गया।

ङ. प्रबन्धन पत्र : उपचारी/सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक् प्रबन्धन-पत्र जारी किया गया। उसमें उन कमियों की सूचना कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को दी गई जिन्हें लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है।

5. पूर्ववर्ती पैराग्राफों की हमारी टिप्पणी के अधीन, हम सूचित करते हैं कि रिपोर्ट से सम्बन्धित तुलन-पत्र और आय-व्यय लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा बहियों से अनुरूपता है।

6. हमारे विचार में तथा हमें उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण, उपर्युक्त महत्त्वपूर्ण मामलों एवं प्रस्तुत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के समनुरूप सत्य एवं स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

अ. जहाँ तक यह 31 मार्च 2009 के अनुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कार्यकलापों के तुलनपत्र से सम्बद्ध है; एवं

ब. जहां तक यह उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय-व्यय लेखे से संबद्ध है।

स्थान - नई दिल्ली
दिनांक - 16-10-09

ह०
कृते एवं की ओर से
महानिदेशक लेखा-परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

नोट: 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का संलग्नक

1. **आन्तरिक लेखा-परीक्षा की पर्याप्तता:**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा 2008-09 में आन्तरिक लेखा-परीक्षा कक्ष की स्थापना की गई है। 2008-09 में संस्थान के सभी दस एककों की आन्तरिक लेखा-परीक्षा की योजना बनाई गई थी, परन्तु केवल छ: एककों की लेखा-परीक्षा की जा सकी। 2008-09 में मुख्यालय की आन्तरिक लेखा-परीक्षा का प्रबन्ध नहीं किया गया।

2. **आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली की पर्याप्तता :**

नियन्त्रण वातावरण

वित्त अधिकारी का आवश्यक पद 2002 से रिक्त पड़ा है।

वर्ष 2008-09 के लिए बैंक समाधान नहीं किया गया है।

मानीटर

लेखा-परीक्षा की आपत्तियों के प्रति प्रबन्धन की अनुक्रिया प्रभावकारी नहीं है। 2001-02 से 2007-08 तक की अवधि के लिए 37 पैराग्राफ बकाया हैं।

3. **स्थायी परिसम्पत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली**

स्थायी परिसम्पत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन 2002-03 से नहीं किया गया है।

4. **सामान-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली**

पुस्तकों एवं प्रकाशन का प्रत्यक्ष सत्यापन 1993 से नहीं किया गया है।

5. **सांविधिक देय राशि के भुगतान की नियमितता**

31-3-2009 को उपलब्ध लेखा के अनुसार सांविधिक देय से सम्बन्धित कोई भी भुगतान छ: महीने से अधिक समय तक बकाया नहीं था।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2008-09 वर्षीय समेकित प्राप्तियाँ तथा भुगतान का विवरण

प्राप्तियां	चालू वर्ष				भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1. पूर्व बकाया	48618.00	110749.00	159367.00		अनुसूची (एफ)				
2. बैंक में जमा	59017051.00	19677344.00	78694395.00		I. स्थापना में व्यय	39049352.00	184968567.00	224017919.00	
3. मंत्रालय से अनुदान					अनुसूची (जी)				
अरक्षण	350349596.00	272400000.00	622749596.00		2. i. प्रशासन में व्यय	5987062.00	42713482.00	48700544.00	
अनुसूची (ए)					अनुसूची (एच)				
4. विविध प्राप्तियाँ	2837323.00	14769439.00	17606762.00		3. योजना	272419911.00	55089706.00	327509617.00	
5. विन्यास निधि	0.00	14191.00	14191.00		अनुसूची (आई)				
अनुसूची (बी)					4. प्रेषण	5999264.00	48462655.00	54461919.00	
6. प्रेषण	6030737.00	49361830.00	55392567.00		अनुसूची (जे)				
अनुसूची (डी)					5. पूँजीगत व्यय	75280978.00	7349077.00	82630055.00	
7. अग्रिम खाता	1081350.00	8503708.00	9585058.00		अनुसूची (एल)				
					9. अग्रिम खाता	1540797.00	9284156.00	10824953.00	
					10. नकद रोकड़				
					i हाथ में रोकड़	49329.00	289041.00	338370.00	
					बैंकों में शेष राशि	18409860.00	16680577.00	35090437.00	
					उचंत	628122.00	0.00	628122.00	
कुल योग	419364675.00	364837261.00	784201936.00		कुल योग	419364675.00	364837261.00	784201936.00	

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

क्रमश:.....

संलग्नक-ड (क्रमश:.....)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2008-09 वर्षीय समेकित आय एवं व्यय का विवरण

क्र.सं.	व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	व्यय		चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये		लेखा शीर्ष		रुपये		रुपये
	अनुसूची (ओ)			1.	पूर्व वर्ष की बकाया राशि				
1.	स्थापना व्यय	224017919.00	139152417.00	2.	मंत्रालयसे प्राप्त अनुदान	622400000.00		521917000.00	
	अनुसूची (ओ)			3.	केन्द्रीय योजना			1955860.00	
2.	प्रशासनिक व्यय	48700544.00	33426829.00		अनुसूची (एम)				
	अनुसूची (ओ)			4.	कम पूंजीगत	83181099.00	539218901.00	25040739.00	498882121.00
3.	योजना	319676278.00	326457601.00		अनुसूची (एन)				
4.	आय से व्यय की अधिकता		17955427.00	5.	i. विविध प्राप्ति (आय)		14878063.00		13951912.00
					ii. प्रकाशन		2684699.00	—	4004108.00
					iii. अन्य स्रोतों से प्राप्ति		44000.00	—	154133.00
				6.	आय से व्यय की अधिकता		35569078.00		
कुल योग		592394741.00	516992274.00	कुल योग			592394741.00		516992274.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2009 का समेकित तुलन पत्र

क्र.सं.	लेखा शीर्ष देनदारियां	रुपये	चालू वर्ष रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
	अनुसूची (यू)			
1.	पूंजीगत धन			
	a. पूर्व बकाया	572077988.00		
	वर्ष में जमा	135175394.00		
	वर्ष में समायोजन	55135405.00	652117977.00	572077988.00
	अनुसूची (वी)			
2.	विन्यास निधि (निवेश)			
	पूर्व बकाया	2667096.00		
	वर्ष में जमा	21092.00		
			2688188.00	2667096.00
3.	आय से व्यय की अधिकता			
	पूर्व बकाया	76616646.00		
	वर्ष में समायोजन	35569078.00	41047568.00	76616646.00
	अनुसूची (डब्ल्यू)			
4.	अन्य दायित्व			
	पूर्व बकाया	25790037.00		
	वर्ष में जमा	13377931.00		
	वर्ष में समायोजन	19379981.00	19787987.00	25790037.00
5.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		167936790.00	150315746.00
6.	छात्रकोष फंड		2049600.00	1512692.00
	कुल योग		**885628110.00**	**828980205.00**

क्र.सं.	लेखा शीर्ष परिसम्पतियां	रुपये	चालू वर्ष रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
	अनुसूची (आर)			
1.	अचल आस्तियां			
	पूर्व बकाया	572077988.00		
	वर्ष में जमा	135175394.00		
	वर्ष में समायोजन	55135405.00	652117977.00	572077988.00
	अनुसूची (एस)			
2.	प्राभूत (निवेश)			
	पूर्व बकाया	17873214.00		
	वर्ष में जमा	6901.00	17880115.00	17873214.00
	अनुसूची (टी)			
3.	पुनः प्राप्त करने योग्य अग्रिम राशि			
	पूर्व बकाया	8346804.00		
	वर्ष में जमा	10824953.00		
	वर्ष में समायोजन	9585058.00	9586699.00	8346804.00
	सस्पेंस खाता		569000.00	
	नकद		59122.00	
4.	नकद बकाया			
	i. हाथ में राशि		338370.00	367634.00
	बैंक में बकाया			
	i. बचत खाता		34924937.00	78486127.00
	ii. बचत खाता (फेलोशिप)		165500.00	0.00
5.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		167936790.00	150315746.00
6.	छात्रकोष		2049600.00	1512692.00
	कुल योग		**885628110.00**	**828980205.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2008-09 वर्षीय समेकित प्राप्तियाँ एवं भुगतान की अनुसूचियाँ

प्राप्तियां

क्र.सं.	योजनागत (चालू वर्ष)	योजनेत्तर (चालू वर्ष)	योग (चालू वर्ष)	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
नकद रोकड़				
हाथ में रोकड़	48618.00	110749.00	159367.00	
बैंक बकाया				
बचत खाता	59017051.00	19677344.00	78694395.00	
मंत्रालय से अनुदान				
फैलोशिप (यू.जी.सी.ओ.)	349596.00	0.00	349596.00	
अनुरक्षण	350000000.00	272400000.00	622400000.00	
योग	350349596.00	272400000.00	622749596.00	
अनुसूची (ए)				
1. विविध प्राप्तियां				
i. पत्राचार	—	54905.00.00	54905.00.00	
ii. परीक्षा	—	3292438.00	3292438.00	
iii.ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट	77232.00	—	77232.00	
iv. स्थानान्तरित अ.भ.नि. ब्याज	17215.00	1207615.00	1224830.00	
v. पुस्तकालय	—	46.00	46.00	
vi. मन्त्रालय प्रकाशन	384326.00	—	384326.00	
vii. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	1396906.00	380753.00	1777659.00	
viii. अन्य विविध प्राप्तियाँ	339458.00	4155443	4494901.00	
ix. पी एस.एस.टी प्राप्तियाँ	—	3377866.00	3377866.00	
x. प्रकाशन	—	2300373.00	2300373.00	
xi. अन्य स्रोतों से आय	44000.00	—	44000.00	
xii. सी.पी.डब्ल्यू.डी से वापसी	578186.00	—	578186.00	
योग	2837323.00	14769439.00	17606762.00	
सावधि योजना				
i. सावधि योजना पर ब्याज (दूबे सम्मान)	—	553.00	553.00	
ii. सावधि योजना पर ब्याज (सोम्मैया ट्रस्ट)	—	13638.00	13638.00	
योग		14191.00	14191.00	

भुगतान

क्र.सं.	योजनागत (चालू वर्ष)	योजनेत्तर (चालू वर्ष)	योग (चालू वर्ष)	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	
अनुसूची (एफ)				
1. **स्थापना व्यय**				
i. सा.भ.नि. अंशदान	—	182314.00	182314.00	
ii. अ.भ.नि. पर बोनस	—	60000.00	60000.00	
iii. ग्रेच्युटी	—	4441742.00	4441742.00	
iv. अ.भ.नि. पर ब्याज	1233354.00	2823123.00	4056477.00	
v. एन.पी.एस. पर ब्याज	35533.00	23245.00	58778.00	
vi. अवकाश का नकदीकरण	—	1140668.00	1140668.00	
vii. वेतन एवं भत्ते	151028.00	155413.00	306441.00	
viii. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	226112.00	1831348.00	2057460.00	
ix. वेतन एवं भत्ते	36705852.00	161092972.00	197798824.00	
x. परिवर्तित पैंशन/संशासित	67740.00	12297418.00	12365158.00	
xi. एन.पी.एस. पर संस्थान का अंशदान	629733.00	920324.00	1550057.00	
योग	39049352.00	184968567.00	224017919.00	
अनुसूची (जी)				
2. **प्रशासनिक व्यय**				
i. विज्ञापन	85727.00	507576.00	593303.00	
ii. ओडिट फीस	13365.00	550855.00	564220.00	
iii. पत्राचार व्यय	—	144454.00	144454.00	
iv. कम्प्यूटर शिक्षा	201442.00	2678981.00	2880423.00	
v. वार्षिक महोत्सव	98223.00	287343.00	385566.00	
vi. परीक्षा व्यय	28538.00	5305478.00	5334016.00	
vii. कवि भास्करी/ अखिलभारतीय नाटकयामहो.	—	1307801.00	1307801.00	
viii. कानूनी व्यय	—	504771.00	504771.00	
ix. वर्दियाँ	2510.00	36563.00	39073.00	

क्रमशः......

प्राप्तियां	चालू वर्ष			भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	x. विविध व्यय	2061298.00	10403736.00	12465034.00	
अनुसूची (बी)					xi. पोस्ट एवं टेलीग्राफ	94016.00	1088519.00	1182535.00	
2. प्रेषण					xii. प्रोजेक्ट हू ईज हू (साहित्य)	54224.00	—	54224.00	
i. छात्रकोष		96600.00	96600.00		xiii. पी.एस.एस.टी.	12434.00	362549.00	374983.00	
ii. धरोहर राशि एवं जमानत	0	28200.00	28200.00		xiv. किराया एवं कर	1241055.00	568148.00	1809203.00	
iii. जी.आई.एस.	114001.00	485989.00	599990.00		xv. अनुरक्षण एवं मरम्मत	170506.00	3300794.00	3471300.00	
iv. जी.पी.एफ.	1945691.00	23208731.00	25154422.00		xvi. स्टॉफ कार व्यय	—	438191.00	438191.00	
v. इंकम टैक्स	2151408.00	12823013.00	14974421.00		xvii. स्टेशनरी एवं छपाई	481906.00	1047998.00	1529904.00	
vi. पुस्तकालय सुरक्षा राशि	—	28300.00	28300.00		xviii. टी.ए. एवं डी.ए.	783207.00	5573167.00	6356374.00	
vii. जीवन बीमा (वेतन योजना)	—	487056.00	487056.00		xix. दूरभाष	142111.00	701534.00	843645.00	
viii. जीवन बीमा	—	1903146.00	1903146.00		xx. वसन्तोत्सव/कौमुदीमहोत्सव	79972.00	1444219.00	1524191.00	
ix. एन.पी.एस.	716806.00	922185.00	1638991.00		xxi. पानी एवं बिजली	242521.00	2849274.00	3091795.00	
x. पी.एल.आई.	—	130320.00	130320.00		xxii. कार्यशाला/सम्मेलन	160166.00	1352260.00	1512426.00	
xi. आर.डी. (पी.ओ.)	—	219500.00	219500.00		xxiii. विश्व संस्कृत सम्मेलन	20146.00	—	20146.00	
xii. अन्य विभागों से वसूली	1102831.00	8782212.00	9885043.00		xxiv. युवा महोत्सव	13695.00	2259271.00	2272966.00	
xiii. टी.डी.एस.	0	246578.00	246578.00		योग	5987062.00	42713482.00	48700544.00	
योग	6030737	49361830.00	55392567.00						
अनुसूची (डी)					अनुसूची (एच)				
अग्रिम अदायगी					3. योजना				
i. कम्प्युटर	61500.00	453210.00	514710.00		i. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	53288747.00	34716948	88005695.00	
ii. विविध	398500.00	4452485.00	4850985.00		ii. अखिल भारतीय वाद–विवाद प्रति.	1093285.00	—	1093285.00	
iii. वाहन	15500.00	1221518.00	1237018.00		iii. सी.डी.ए.सी. प्रोजेक्ट	375000.00	—	375000.00	
iv. पंखा	—	3500.00	3500.00		iv. कन्टैन्ट जनरेशन	573128.00	—	573128.00	
v. त्यौहार	19200.00	185100.00	204300.00		v. दूरवर्ती शिक्षा	706974.00	—	706974.00	
vi. गृह निर्माण अग्रिम	—	326656.00	326656.00		vi. डक्कन कॉलेज, पुणे	4000000.00	—	4000000.00.00	
vii. अवकाश यात्रा भत्ता	89000.00	390320.00	479320.00		vii. ई.–बुक खाता	481200.00	—	481200.00	
viii.चिकित्सा	—	270220.00	270220.00		viii. फेलोशिप योजना	184096.00	—	184096.00	
ix. यात्रा अग्रिम	497650.00	1200699.00	1698349.00		ix. ग्रांट नये शिक्षक	6048360.00	—	6048360.00	
योग	1081350.00	8503708.00	9585058.00		x. ग्रांट उच्च विद्यालय	690994.00	—	690994.00	
कुल योग	**419364675.00**	**364837261.00**	**784201936.00**		xi. एन.जी.ओ.	5031522.00	—	5031522.00	
					xii. एन.ई.आर.	4280730.00	—	4280730.00	
					xiii.अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	13728055.00	367371.00	14095426.00	
					xiv. संस्कृत–साहित्य प्रोडक्शन	2011995.00	—	2011995.00	
					xv. खरीद संस्कृत–पुस्तक	3607070.00	—	3607070.00	
					xvi.संस्कृत किताब की खरीद पुर्नमुद्रण	551044.00	—	551044.00	
					xvii.राष्ट्रपति सम्मान	—	15212591.00	15212591.00	

क्रमश:.....

प्राप्तियां	चालू वर्ष				भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
					xviii.सम्मान राशि योजना	7098198.00	—	7098198.00	
					xix. संस्कृत नेट/ज्ञान दर्शन	3259165.00	—	3259165.00	
					xx. छात्रवृत्ति	59453520.00	4792796.00	64246316.00	
					xxi.शास्त्र चूड़ामणि	2913400.00	—	2913400.00	
					xxii.विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	286500.00	—	286500.00	
					xxiii.स्वैच्छिक संस्थान	102756928.00	—	102756928.00	
					योग	272419911.00	55089706.00	327509617.00	
					अनुसूची (आई)				
					4. प्रषित राशि				
					i. छात्रकोष		7400.00	7400.00	
					ii. धरोहर राशि एवं जमानत		32485.00	32485.00	
					iii.जी.आई.एस.	111725.00	462141.00	573866.00	
					iv. जी.पी.एफ.	1945691.00	23208731.00	25154422.00	
					v. आयकर	2151408.00	12823013.00	14974421.00	
					vi.पुस्तकालय सुरक्षा धन	—	19700.00	19700.00	
					vii.जीवन बीमा निगम		941066.00	941066.00	
					viii.जीवन बीमा प्रीमीयम	—	997557.00	997557.00	
					ix. जीवन बीमा वेतन योजना	—	487477.00	487477.00	
					x. एन.पी.एस.	716806.00	922185.00	1638991.00	
					xi. पी.एल.आई		130320.00	130320.00	
					xii. आर.डी. (पी.ओ.)	—	219500.00	219500.00	
					xiii.अन्य विभागों को भेजा	1073634.00	7964502.00	9038136.00	
					xiv.टी.डी.एस.		246578.00	246578.00	
					योग	5999264.00	48462655.00	54461919.00	

क्रमश:.....

प्राप्तियां		चालू वर्ष			भुगतान		चालू वर्ष		
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
					अनुसूची (जे)				
					5. पूंजीगत व्यय				
					i. ग्रहनिर्माण प्रगति	72458965.00		72458965.00	
					ii. फर्नीचर	1432708.00	3034647.00	4467355.00	
					iii. पुस्तकालय	87263.00	147170.00	234433.00	
					iv. मशीनरी एवं साज सज्जा	1216877.00	3201322.00	4418199.00	
					v. प्रकाशन	85165.00	965938.00	1051103.00	
					योग	75280978.00	7349077.00	82630055.00	
					अनुसूची (एल)				
					6. अग्रिम खाता				
					i. कम्प्युटर	49500.00	884950.00	934450.00	
					ii. विविध	427300.00	4512237.00	4939537.00	
					iii. वाहन	0	1103500.00	1103500.00	
					iv. पंखा	0	2000.00	2000.00	
					v. त्यौहार	22500.00	240300.00	262800.00	
					vi. गृह निर्माण अग्रिम	64639.00	834000.00	898639.00	
					vii. अवकाश यात्रा भत्ता	216035.00	366120.00	582155.00	
					viii. चिकित्सा	23315.00	379299.00	402614.00	
					ix. यात्रा अग्रिम	737508.00	961750.00	1699258.00	
					योग	1540797.00	9284156.00	10824953.00	
					नकद बकाया				
					1. हाथ में रोकड़	49329.00	289041.00	338370.00	
					बैंक बकाया				
					i. फैलाशिप	165500.00	0	165500.00	
					ii. बचत खाता	18244360.00	16680577.00	34924937.00	
					योग	18409860.00	16680577.00	35090437.00	
					उचंत				
					उचंत खाता (बैंक)	569000.00	0	569000.00	
					उचंत खाता (रोकड़)	59122.00	0	59122.00	
					कुल योग	628122.00	0	628122	
कुल योग	419364675.00	364837261.00	784201936.00		कुल योग	419364675.00	364837261.00	784201936.00	

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2008-09 वर्षीय समेकित आय एवं व्यय की अनुसूचियाँ

क्र.सं. व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
अनुसूची (ओ)		
1. स्थापना व्यय		
i. वेतन एवं भत्ते	197798824.00	117552705.00
ii. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	2057460.00	1918977.00
iii. सेवानिवृत्त लाभ		
a. परिवर्तित पैंशन/संशासित	12365158.00	11313088.00
b. उपदान	4441742.00	2251300.00
c. अवकाश का नकदीकरण	1140668.00	1146199.00
iv. स.भ.नि. पर ब्याज	4056477.00	3498998.00
v. अ.भ.नि पर संस्थान का अनुदान	182314.00	381199.00
vi. छुट्टियाँ एवं पेंशन अंशदान	306441.00	68448.00
vii. एन.पी.एस. पर संस्थान का अंशदान	1550057.00	925075.00
viii. स.भ.नि. पर बोनस	60000.00	
ix. एन.पी.एस. पर ब्याज	58778.00	96428.00
	224017919.00	139152417.00
अनुसूची (पी)		
2. प्रशासनिक व्यय		
i. किराया दरें एवं कर	1809203.00	1677093.00
ii. अनुरक्षण एवं मरम्मत	3471300.00	1652326.00
iii. पोस्ट एवं टेलीग्राफ	1182535.00	1052319.00
iv. दूरभाष	843645.00	877417.00
v. टी.ए. एवं डी.ए.	6356374.00	4759768.00
vi. विज्ञापन	593303.00	1532594.00
vii. स्टेशनरी एवं छपाई	1529904.00	1113868.00
viii. ओडिट फीस	564220.00	167135.00
ix पानी एवं बिजली	3091795.00	2611692.00
x. विविध व्यय	12465034.00	10392412.00
xi. परीक्षा व्यय	5334016.00	2625314.00
xii. सी.सी.व्यय	144454.00	3198.00
xiii. वर्दियां	39073.00	89736.00

क्र.सं. आय	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
लेखा शीर्ष	रुपये		रुपये	
1. मन्त्रालय से अनुदान	622400000.00		521967000.00	
2. केन्द्रीय योजना			1955860.00	
अनुसूची (एम)				
3. कम पूंजीगत व्यय				
i. निर्माण कार्य (प्रगति पर)	72458965.00		18414225.00	
ii. फर्नीचर	4467355.00		2598087.00	
iii. मशीनरी उपकरण	4418199.00		1554313.00	
iv. पुस्तकालय पुस्तकें	234433.00		63968.00	
v. प्रकाशन	1051103.00		596604.00	
vi. प्रयोगशाला यन्त्र			69850.00	
vii. संस्कृत पुस्तक खरीद (पुनर्मुद्रण)	551044.00		1743692.00	
योग	83181099.00	539218901.00	25040739.00	498882121.00
अनुसूची (एन)				
4. विविध प्राप्तियां				
i. सी.सी. प्राप्तियां		54905.00		9058.00
ii. परीक्षा		3292438.00		3252566.00
iii. अन्य विविध प्राप्तियां		4494901.00		4385028.00
iv. ब्याज जी.पी.एफ. खाते से		1224830.00		1154782.00
v. पी.एस.एस.टी. प्राप्तियां		3377866.00		3225262.00
vi. संस्थान प्रकाशन		2300373.00		3527701.00
vii. मंत्रालय प्रकाशन		384326.00		476407.00
viii. अन्य विविध स्रोतों से आय		44000.00		154133.00
ix. नान फॉर्मल संस्कृत शिक्षा		1777659.00		1460734.00
x. ज्ञान दर्शन		77232.00		68191.00
xi. पुस्तकालय		46.00		
xii. विविध संग्रह				1078.00
xiii. सी.पी.डब्ल्यु.डी. से वापसी		578186.00		395213.00
		17606762.00		18110153.00

क्रमश:.....

क्र.सं. व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं. आय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
xiv. कानूनी व्यय	504771.00	213777.00	5. आय से व्यय की अधिकता	35569078.00	
xv. स्टॉफ कार व्यय	438191.00	316033.00			
xvi. पी.एस.एस.टी.	374983.00	990255.00			
xvii. कम्प्युटर शिक्षा	2880423.00	226420.00			
xviii. वसन्तोत्सव/कौमुदी महोत्सव	1524191.00	936054.00			
xix. वार्षिक सम्मेलन	385566.00	2112519.00			
xx. विश्व संस्कृत सम्मेलन	20146.00	—			
xxi. कार्यशाला/सम्मेलन	1512426.00	—			
xxii. प्रोजेक्ट (हू ईज हू (साहित्य))	54224.00	—			
xxiii. कवि भास्करी/अखिल भारती नाट.	1307801.00	—			
xxiv. युवा महोत्सव	2272966.00	76899.00			
	48700544.00	33426829.00			
अनुसूची (क्यू)					
1. योजना					
i. शास्त्रचूड़ामणि	2913400.00	1791900.00			
ii. स्पेशल ओरियन्टल कोर्स	286500.00	350400.00			
iii. संस्कृत पुस्तकों की खरीद	3607070.00	6332342.00			
iv. संस्कृत साहित्य का उत्पादन	2011995.00	2286578.00			
v. डक्कन कॉलेज, पुणे	4000000.00	4689000.00			
vi. राष्ट्रपति सम्मान	15212591.00	16919542.00			
vii. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	88005695.00	70743583.00			
viii. छात्रवृत्ति	64246316.00	62793392.00			
ix. स्वैच्छिक संस्कृत संस्थायें	102756927.00	101930669.00			
x. अखिल भारतीय प्रतियोगिता	1093285.00	731622.00			
			कुल योग :	592394741.00	516992274.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

क्रमशः.....

क्र.सं. व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं. आय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
xi. एन.ई.आर	4280730.00	5662238.00	5. आय से व्यय की अधिकता	35569078.00	
xii. कन्टैन्ट जनरेशन	573128.00	375000.00			
xiii. दूरस्थ शिक्षा	706974.00	3300.00			
xiv. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	14095426.00	21794587.00			
xv. ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट	3259165.00	1244875.00			
xvi एन.जी.ओ./एन.जी.ओ. युनिवर्सिटी	5031522.00	16525132.00			
xvi ई–बुक खाता	481200.00	8179441.00			
xvi ग्रांट मोडर्न शिक्षक	6048360.00	4104000.00			
xvi सी.डेक प्रोजेक्त	375000.00				
xvi ग्रांट उच्चतर विद्यालय	690994.00				
योग =	319676278.00	326457601.00			
आय से व्यय की अधिकता		17955427.00			
कुल योग :	**592394741.00**	**516992274.00**	**कुल योग :**	**592394741.00**	**516992274.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2009 का समेकित तुलन पत्र

क्र.सं. देनदारियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं. अस्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष (सम्पतियां)	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (यू)				अनुसूची (आर)			
देनदारियां				1. अचल अस्तियां			
1. पूंजीगत निधि				a. भूमि एवं भवन			
पूर्व बकाया	314990338.00			पूर्व बकाया	236507648.00		
वर्ष में जमा	62716429.00			वर्ष में जमा	51872474.00	288380122.00	236507648.00
वर्ष में समायोजन	2684745.00	375022022.00	314990338.00	b. मशीनरी उपकरण			
2. सी.पी.डब्ल्यू.डी के पास जमा				पूर्व बकाया	16495630.00		
पूर्व बकाया	257087650.00			वर्ष में जमा	4418199.00	20913829.00	16495630.00
वर्ष में जमा	72458965.00			c. फर्नीचर			
वर्ष में समायोजन	52450660.00	277095955	257087650.00	पूर्व बकाया	30012109.00		
योग =		652117977.00	572077988.00	वर्ष में जमा	4467355.00		
अनुसूची (वी)				वर्ष में समायोजन		34479464.00	30012109.00
3. विन्यास निधि				d. पुस्तकालय पुस्तकें			
a. विन्यास निधि (जिन्दल ट्रस्ट)		1,48,226.00	1,48,226.00	पूर्व बकाया	16014368.00		
b. आचार्य मेडल (दूबे सम्मान)		6,000.00	6,000.00	वर्ष में जमा	356254.00*		
c. विन्यास निधि (सौमेया ट्रस्ट)		2,50,000.00	2,50,000.00	वर्ष में समायोजन	46.00	16370576.00	16014368.00
d. एफ.डी. पर ब्याज (जिन्दल ट्रस्ट)				e. प्रकाशन			
पूर्व बकाया	506.00			पूर्व बकाया	7683281.00		
वर्ष में जमा	0.00			वर्ष में जमा	1051103.00		
वर्ष में समायोजन		506.00	506.00	वर्ष में समायोजन	2300373.00	6434011.00	7683281.00
e. एफ.डी. पर ब्याज (दूबे सम्मान)				f. संस्कृत पुस्तकों की खरीद पुनर्मुद्रण			
पूर्व बकाया	449.00			पूर्व बकाया	6482505.00		
वर्ष में जमा	553.00	1002.00	449.00	वर्ष में जमा	551044.00		
				वर्ष में समायोजन	384326.00	6649223.00	6482505.00
				g. प्रयोगशाला उपकरण			
				पूर्व बकाया	495344.00		
				वर्ष में जमा		495344.00	495344.00
				h. स्टॉफ कार		1299453.00	1299453.00

क्रमश:.....

क्र.सं. देनदारियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
f. एफ.डी. पर ब्याज (सौमेया ट्रस्ट)			
पूर्व बकाया	19791.00		
वर्ष में जमा	13638.00	33429.00	19791.00
g. विन्यास निधि (जी)		301.00	301.00
h. बैंक में जमा (जी)			
पूर्व बकाया	166132.00		
वर्ष में जमा	6901.00	173033.00	166132.00
i. एफ.डी.आर. (पी.एफ.)		2075691.00	2075691.00
योग		2688188.00	2667096.00
4. **आय से व्यय की अधिकता**			
पूर्व बकाया	76616646.00		
वर्ष में समायोजन	35569078.00	41047568.00	76616646.00
अनुसूची (डब्ल्यू)			
5. **अन्य देनदारियाँ**			
a. **अन्य जगहों को भेजने वाली राशि**			
पूर्व बकाया	(-) 3844.00		
वर्ष में जमा	9885043.00		
वर्ष में समायोजन	9038136.00	843063.00	(-) 3844.00
b. **बयाना एवं जमानत**			
पूर्व बकाया	29,100.00		
वर्ष में जमा	28200.00		
वर्ष में समायोजन	32485.00	24815.00	29,100.00
c. **पुस्तकालय सुरक्षित धन**			
पूर्व बकाया	174357.00		
वर्ष में जमा	28300.00		
वर्ष में समायोजन	19700.00	182957.00	174357.00
d. **सामूहिक बीमा योजना**			
पूर्व बकाया	105409.00		
वर्ष में जमा	599990.00		
वर्ष में समायोजन	573866.00	131533.00	105409.00

क्र.सं. अस्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
2. **जमा एवं अग्रिम**			
a. सी.पी.डब्ल्यू.डी.में जमा			
पूर्व बकाया	257087650.00		
वर्ष में जमा	72458965.00		
वर्ष में समायोजन	52450660.00	277095955.00	257087650.00
योग =		652117977.00	572077988.00
अनुसूची (एस)			
3. **विन्यास निधि**			
i. डी.ए.वी.पी. में जमा		53,100.00	53,100.00
ii. विन्यास निधि व्यय (जिन्दल ट्रस्ट)		1,48,226.00	1,48,226.00
iii. आचार्य छात्रों को पुरस्कार (दूबे)		6,000.00	6,000.00
iv. विन्यास निधि व्यय (सोमैया ट्रस्ट)		2,50,000.00	2,50,000.00
v. बैंक में जमा (जी)			
पूर्व बकाया	166132.00		
वर्ष में जमा	6901.00	173033.00	166132.00
vi. बी.एस.ई.एस. में जमा		174065.00	174065.00
vii. एफ.डी.आर. (पी.एफ.)		17075691.00	17075691.00
योग =		17880115.00	17873214.00
अनुसूची (टी)			
4. **अग्रिम वसूली**			
a. **विविध व्यय**			
पूर्व बकाया	53000.00		
वर्ष में जमा	4939537.00		
वर्ष में समायोजन	4850985.00	141552.00	53000.00
b. **अग्रिम अवकाश यात्रा भत्ता**			
पूर्व बकाया	74410.00		
वर्ष में जमा	582155.00		
वर्ष में समायोजन	479320.00	177245.00	74410.00

क्रमश:.....

क्र.सं. देनदारियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
e. **जीवन बीमा प्रीमियम**			
पूर्व बकाया	(-) 166354.00		
वर्ष में जमा	1903146.00		
वर्ष में समायोजन	1938623.00	-201831.00	(-) 166354.00
f. **छात्रकोष**			
पूर्व बकाया	21200.00		
वर्ष में जमा	96600.00		
वर्ष में समायोजन	7400.00	110400.00	21200.00
g. **आयकर**	0.00	200.00	200.00
h. **फैलाशिप**			
पूर्व बकाया	0.00		
वर्ष में जमा	349596.00		
वर्ष में समायोजन	184096.00	165500.00	0.00
i. **भविष्य निधि वेतन योजना**			
पूर्व बकाया	421.00		
वर्ष में जमा	487056.00		
वर्ष में समायोजन	487477.00	0.00	421.00
j. **सम्मान राशि**			
पूर्व बकाया	25629548.00		
वर्ष में जमा	7098198.00	18531350.00	25629548.00
योग =		60835555.00	102406683.00
5. अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		167936790.00	150315746.00
6. छात्रकोष फंड		2049600.00	1512692.00
योग =		169986390.00	151828438.00
Grand Total		**885628110.00**	**828980205.00**

क्र.सं. अस्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
c. **यात्रा अग्रिम**			
पूर्व बकाया	196249.00		
वर्ष में जमा	1699258.00		
वर्ष में समायोजन	1698349.00	197158.00	196249.00
d. **वाहन अग्रिम**			
पूर्व बकाया	4078358.00		
वर्ष में जमा	1103500.00		
वर्ष में समायोजन	1237018.00	3944840.00	4078358.00
e. **त्योहार अग्रिम**			
पूर्व बकाया	137590.00		
वर्ष में जमा	262800.00		
वर्ष में समायोजन	204300.00	196090.00	137590.00
f. **गृह निर्माण अग्रिम**			
पूर्व बकाया	2353763.00		
वर्ष में जमा	898639.00		
वर्ष में समायोजन	326656.00	2925746.00	2353763.00
g. **कम्प्यूटर**			
पूर्व बकाया	1407385.00		
वर्ष में जमा	934450.00		
वर्ष में समायोजन	514710.00	1827125.00	1407385.00
h. **पंखा अग्रिम**			
पूर्व बकाया	1500.00		
वर्ष में जमा	2000.00		
वर्ष में समायोजन	3500.00	0.00	1500.00
Grand Total		**885628110.00**	**828980205.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

क्रमश:.....

क्र.सं. देनदारियां	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	क्र.सं. अस्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
				i. चिकित्सा			
				पूर्व बकाया	31000.00		
				वर्ष में जमा	402614.00		
				वर्ष में समायोजन	270220.00	163394.00	31000.00
				j. अन्य		13549.00	13549.00
				योग=		9586699.00	8346804.00
				उचंत खाता (बैंक)		569000.00	
				उचंत खाता रोकड़		59122.00	
				4. नकद रोकड़			
				I. हाथ में रोकड़		338370.00	367634.00
				5. बैंक बकाया			
				i. बचत खाता		34924937.00	78486127.00
				ii. बचत खाता फैलोशिप		165500.00	
				6. अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		167936790.00	150315746.00
				7. छात्रकोष		2049600.00	1512692.00
Grand Total		885628110.00	828980205.00	Grand Total		885628110.00	828980205.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2008-2009 वर्षीय समेकित अं.भ.नि./सा.भ.नि. की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का विवरण

प्राप्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	प्राप्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
		रुपये	रुपये			रुपये	रुपये
1.	पूर्व बकाया	6257466.00	7851236.00	1.	अन्तिम भुगतान	11427368.00	12913446.00
2.	अंशदायी भविष्य निधि	18864642.00	15116718.00	2.	भविष्यनिधि अग्रिम	6892884.00	6950136.00
3.	भविष्य निधि अग्रिम से वसूली	6218660.00	6547675.00	3.	सावधि योजना की खरीद	68284002.00	63712405.00
4.	भविष्य निधि नकद अग्रिम वसूली	201280.00	21460.00	4.	अन्य संस्थाओं को भेजी राशि	2835966.00	4186181.00
5.	सावधि योजना से प्राप्त	59179298.00	50813214.00	5.	भविष्य निधि का ब्याज मुख्य खातों में	1739732.00	1707968.00
6.	सावधि योजना से प्राप्त ब्याज	8568942.00	7416991.00	6.	बैंक चार्ज	15747.00	9307.00
7.	बचत खाते से ब्याज	266954.00	210415.00				
8.	दूसरी संस्थाओं से प्राप्त	2033517.00	4326333.00		रोकड़ बकाया		
9.	संस्थान का अंशदान	182314.00	208344.00	1.	बैंक में शेष	14300862.00	6257466.00
10.	भविष्य निधि ब्याज का मुख्य खाते में स्थानान्तरण	3722215.00	3219740.00				
11.	टी.डी.एस. पर ब्याज बचत खाते में जमा	1273.00	4783.00				
	कुल योग	105496561.00	95736909.00		कुल योग	105496561.00	95736909.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31-3-2009 का सा.भ.नि. का तुलन पत्र

क्र.सं.	दायित्व	चालूवर्ष		पूर्व वर्ष	क्र.सं.	अस्तियां		चालूवर्ष	पूर्व वर्ष
	रोकड़ निधि	रुपये	रुपये	रुपये			रुपये	रुपये	रुपये
1.	पूर्व बकाया	138993113.00			1.	भविष्य निधि अग्रिम			
	वर्ष में जमा	167523097.00				पूर्व बकाया	11322633.00		
	वर्ष में समायोजन	150374997.00	156141213.00	138993113.00		वर्ष में जमा	6892884.00		
2.	भविष्य निधि अग्रिम					वर्ष में समायोजन	6419940.00	11795577.00	11322633.00
	पूर्व बकाया	11322633.00			2.	सावधि जमा			
	वर्ष में जमा	6892884.00				पूर्व बकाया	132735647.00		
	वर्ष में समायोजन	6419940.00	11795577.00	11322633.00		वर्ष में जमा	68284002.00		
						वर्ष में समायोजन	59179298.00	141840351.00	132735647.00
					3.	बचत खाता			
						पूर्व बकाया	6257466.00		
						वर्ष में जमा	99239095.00		
						वर्ष में समायोजन	91195699.00	14300862.00	6257466.00
	कुल योग		167936790.00	150315746.00		कुल योग		167936790.00	150315746.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2009 वर्षीय समेकित एन.पी.एस. की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का विवरण

प्राप्तियाँ

क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1. नकद बकाया				
i. बचत खाता	681343.00	947505.00	1628848.00	1595266.00
ii. कर्मचारी समायोजन	640100.00	835143.00	1475243.00	1041232.00
iii. संस्थान अंशदान	629733.00	834306.00	1464039.00	1027355.00
iv. ब्याज एन.पी.एस.	131422.00	149734.00	281156.00	137166.00
v. एन.पी.एस. खाता में ब्याज प्राप्त	22350.00	35711.00	58061.00	59070.00
vi. पूर्व बकाया			0.00	378157.00
vii. अन्य परिसरों से प्राप्त	76706.00	112400.00	189106.00	193014.00
viii. सावधि योजना	1300000.00	1050000.00	2350000.00	
ix. सावधि योजना ब्याज	51080.00	51655.00	102735.00	
कुल योग	***3532734.00***	***4016454.00***	***7549188.00***	***4431260.00***

भुगतान

क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
I. सावधि खरीद	2201080.00	1619502.00	3820582.00	2575000.00
2. अन्य परिसरों को राशि		143460.00	143460.00	166314.00
3. ब्याज सरकारी खाते में	18613.00		18613.00	60164.00
4. बैंक कलेक्शन चार्ज			0.00	934.00
5. बैंक बकाया				
i. बचत खाता	1313041.00	2253492.00	3566533.00	1628848.00
कुल योग	**3532734.00**	**4016454.00**	**7549188.00**	**4431260.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2009 का समेकित एन.पी.एस. का तुलन पत्र

क्र.सं. दायित्व	चालूवर्ष		पूर्व वर्ष	क्र.सं. अस्तियां		चालूवर्ष	पूर्व वर्ष
रोकड़ निधि	रुपये	रुपये	रुपये	रोकड़ निधि	रुपये	रुपये	रुपये
1. रोकड़ फंड				1. सावधि योजना			
i. पूर्व बकाया	4703848.00			i. पूर्व बकाया	3075000.00		
ii. वर्ष में जमा	9740922.00			ii. वर्ष में जमा	3820582.00		
iii. वर्ष में समायोजन	6332655.00	8112115.00	4703848.00	iii. वर्ष में समायोजन	2350000.00	4545582.00	3075000.00
				2. बचत खाता			
				i. पूर्व बकाया	1628848.00		
				ii. वर्ष में जमा	5920340.00		
				iii. वर्ष में समायोजन	3982655.00	3566533.00	1628848.00
कुल योग		8112115.00	4703848.00	कुल योग		8112115.00	4703848.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

उप कुलसचिव (वित्त)

कुलसचिव